हिन्दी दैनिक

रोजनामा इन्डो गल्फ

www.Newsindogulf.com/Email:-Newsindogulf730@gmail.com

सच्चाई में है दम, सच लिखते हैं हम

पटना,सोमवार | 30 दिसंबर 2024 | वर्ष : 02 अंक :222 | पृष्ठ -14 | PRGI NO - BIHHIN/2023/86924 | मूल्य - ₹ 3 | पटना संस्करण

ब्रीफ न्यूज

गुजरात के भरूच में रासायनिक संयंत्र में जहरीली गैस की चपेट में आने से चार कर्मचारियों की मौत

एजेंसी

गुजरात:गुजरात में भरूच जिले के दहेज स्थित एक रासायनिक संयंत्र में जहरीली गैस की चपेट में आने से चार कर्मचारियों की मौत हो गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।दहेज थाने के निरीक्षक बी.एम. पाटीदार ने बताया कि शनिवार रात करीब 10 बजे गुजरात ह्यफ्लोरोकेमिकल्स लिमिटेड (जीएफएल)ह्ण की एक उत्पादन इकाई में पाइप से जहरीली गैस के रिसाव के कारण कर्मचारी बेहोश हो गए।अधिकारी ने बताया कि चारों कर्मचारियों को भरूच के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जिनमें से तीन की रविवार तड़के करीब तीन बजे मौत हो गई, जबकि एक अन्य ने सुबह छह बजे दम तोड़ दिया।

उन्होंने कहा, ह्यह्यघटना रात करीब 10 बजे हुई। कंपनी के सीएमएस संयंत्र के भूतल से गुजर रहे पाइप से गैस रिसाव होने के कारण चार कर्मचारी बेहोश हो गए। उन्हें एक निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां चारों की मौत हो गई।

प्रशांत किशोर की छात्रों से आंदोलन रोकने की अपील, 5 छात्रों के डेलिगेशन करेगा मुख्य सचिव से मुलाकात

जनसुराज के मुखिया प्रशांत किशोर ने बीपीएससी अभ्यर्थियों से विरोध मार्च रोकने की अपील की है। किशोर ने कहा कि सरकार ने छात्रों की मांगों पर चर्चा के लिए एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को मुख्य सचिव से मिलने की अनुमति दे दी है।

एजेंसी

पटना:पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा को दौबारा कराने को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है। रविवार, 29 दिसंबर को छात्रों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास की ओर मार्च शुरू किया। स्थिति संभालने के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, लेकिन छात्र सीएम आवास घेरने के अपने इरादे पर अडिग रहे। इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच मामूली झड़पें भी हुईं। इस बीच जनसुराज के मुखिया प्रशांत किशोर ने छात्रों से विरोध मार्च रोकने की अपील की है।जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने बताया कि सरकार ने छात्रों की मांगों पर चर्चा के लिए एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को मुख्य सचिव से मिलने की अनुमति दे दी है।पटना में बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा को दौबारा कराने को लेकर छात्रों का विरोध प्रदर्शन जारी है।रविवार, 29 दिसंबर को छात्रों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आवास

की ओर मार्च शुरू किया। स्थिति संभालने के लिए सुरक्षा कड़ी कर दी गई है, लेकिन छात्र सीएम आवास घेरने के अपने इरादे पर अडिग रहे।इस दौरान छात्रों और पुलिस के बीच मामूली झड़पें भी हुईं। इस बीच जनसुराज के मुखिया प्रशांत किशोर ने छात्रों से विरोध मार्च रोकने की अपील की है।जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने बताया कि सरकार ने छात्रों की मांगों पर चर्चा के लिए एक पांच सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल को मुख्य सचिव से मिलने की अनुमति दे दी है।छात्रों के साथ मजबूती से खड़े होने का वादाप्रशांत किशोर ने आगे कहा, अगर बातचीत के बाद छात्रों को न्याय नहीं मिलता, तो हम पूरी ताकत के साथ उनके साथ खड़े होंगे। लेकिन फिलहाल मैं छात्रों से अपील करता हूं कि वे कोई ऐसा कदम न उठाएं जो गैरकानूनी हो।दरअसल, छात्र 70वीं बीपीएससी संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (प्रारंभिक) के पेपर लीक होने का आरोप लगा रहे हैं।पटना के एक सेंटर बीपीएससी परीक्षा के दौरान हंगामा हो गया था, जिसके बाद आयोग ने उस केंद्र की परीक्षा को रद्द कर दिया। लेकिन छात्रों का कहना है कि सिर्फ एक केंद्र की नहीं, बल्कि पूरे राज्य में परीक्षा रद्द किया जाएगा।

बीपीएससी छात्रों का मुख्यमंत्री आवास तक मार्च, पुलिस ने बीच में ही रोका

बिहार में बीपीएससी की परीक्षा को दोबारा कराने को लेकर छात्र विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। अपनी मांग को लेकर छात्रों का आक्रोश मार्च अब सीएम आवास के लिए निकल पड़ा है। आक्रोश मार्च की अगुवाई जन सुराज के मुखिया प्रशांत किशोर कर रहे हैं। सीएम आवास के लिए निकलने से पहले छात्र पटना के गांधी मैदान में इकट्ठा हुए।

पीएम मादी ने मन की बात में सब्जी क्रांति के लिए कालाहांडी के किसानों की सराहना की

एजेंसी

भुवनेश्वर।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को ओडिशा के कालाहांडी जिले के गोलामुंडा ब्लॉक के किसानों की क्षेत्र में ह्यसब्जी क्रांतिह्ण के लिए सराहना की।मोदी ने ह्यमन की बातह्ण कार्यक्रम में किसान उत्पादक संघ (एफपीओ) की स्थापना करने और आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कालाहांडी जिले में ह्यसब्जी क्रांतिह्ण लाने के लिए किसानों की सराहना की। कालाहांडी को कभी गरीबी और लोगों के पलायन की भयावह स्थिति के लिए जाना जाता था। उन्होंने कहा, ह्लजहां, कभी किसान, पलायन करने को मजबूर थे, वहीं आज, कालाहांडी का गोलामुंडा ब्लॉक एक सब्जी केंद्र बन गया है। यह परिवर्तन कैसे आया?मोदी ने कहा, इसकी शुरूआत सिर्फ 10 किसानों के एक छोटे से समूह से हुई। इस समूह ने मिलकर एक ह्यकिसान उत्पाद संघ की स्थापना की, खेती में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल शुरू किया,

मोदी ने मन की बात कार्यक्रम में किसान उत्पादक संघ (एफपीओ) की स्थापना करने और आधुनिक प्रौद्योगिकी का उपयोग कर कालाहांडी जिले में ह्यसब्जी क्रांतिह्ण लाने के लिए किसानों की सराहना की।

और आज उनका ये संघ करोड़ों का कारोबार कर रहा है।आज 200 से अधिक किसान इस संघ से जुड़े हैं, जिनमें 45 महिला किसान भी हैं। उन्होंने कहा, ह्लये लोग मिलकर 200 एकड़ में टमाटर की खेती कर रहे हैं, 150 एकड़ में करेले का उत्पादन कर रहे हैं।

पूर्व IPS अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का निधन, राम

एजेंसी

पटना:विवार को बिहार की राजधानी पटना से दुखद खबर सामने आई है। अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य आचार्य किशोर कुणाल का निधन हो गया है। किशोर कुणाल का हृदय गति रुकने से निधन हुआ है। किशोर कुणाल को आज सुबह कार्डियक अरेस्ट हुआ और उन्हें तुरंत महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। आचार्य किशोर कुणाल महावीर मंदिर न्यास के सचिव थे।आचार्य किशोर कुणाल ने 74 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली है। आचार्य

किशोर कुणाल के पार्थिव शरीर को अस्पताल से उनके आवास लाया गया। यहां उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए कई हस्तियां मौजूद थीं। कई लोगों की आखें वहां नम नजर आईं। किशोर कुणाल बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के समधी भी थे। उनके निधन से अशोक चौधरी भी काफी मर्माहत नजर आए।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्व आईपीएस अधिकारी और महावीर मंदिर न्यास समिति के संस्थापक सचिव आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि आचार्य कुणाल के निधन से प्रशासनिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है।किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को हुआ था।

आरिफ मोहम्मद खान केरल से हुए रवाना, कहा- राज्य के साथ उनका जुड़ाव आजीवन रहेगा

एजेंसी

तिरुवनंतपुरम । केरल के निवर्तमान राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान केरल से रवाना हो गए और कहा कि इस राज्य का उनके दिल में ह्यह्यबहुत विशेष स्थानह्णह्ण रहेगा और राज्य के साथ उनका आजीवन जुड़ाव रहेगा। राज्य छोड़ने से पहले यहां पत्रकारों से बात करते हुए खान ने केरल सरकार और राज्य के लोगों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने अपने संक्षिप्त संबोधन की शुरूआत मलयालम में करते हुए कहा, ह्यह्यमेरा कार्यकाल पूरा हो गया है लेकिन, केरल अब मेरे दिल में एक बहुत ही खास जगह रखता है। और, मेरी भावनाएं, केरल के साथ मेरा जुड़ाव खत्म नहीं होने वाला है। यह अब एक

आजीवन बंधन है। जब पत्रकारों ने विश्वविद्यालयों के कुलपतियों की नियुक्ति समेत विभिन्न मुद्दों पर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) नीत एलडीएफ सरकार के साथ उनके तनावपूर्ण संबंधों के बारे में पूछा, तो खान ने कहा कि इस दौरान कोई उथल पुथल नहीं रहा। खान ने कहा कि उन्होंने केवल उसी अधिकार का प्रयोग किया जो राज्य विधानसभा द्वारा राज्यपाल को कुलाधिपति के रूप में सौंपा गया है। खान ने कहा, ह्यह्यकिसी अन्य मुद्दे पर कोई विवाद नहीं हुआ। और मैं केरल सरकार को भी अपनी शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद है कि वे लोगों के कल्याण के लिए काम करेंगे।जब उनसे राज्य में उनका कार्यकाल पूरा होने के बाद उन्हें कोई आधिकारिक विदाई नहीं दिए जाने के बारे में पूछा गया।

मनीष सिसोदिया ने जंगपुरा विधानसभा क्षेत्र के लिए शिक्षा घोषणापत्र जारी किया

एजेंसी

नई दिल्ली:। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले रविवार को जंगपुरा निर्वाचन क्षेत्र के लिए शिक्षा घोषणापत्र जारी किया।एक बयान में कहा गया है कि घोषणापत्र में शिक्षा के बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, छात्रों के लिए अवसरों में सुधार लाने तथा बच्चों के भविष्य को आकार देने में अभिभावकों और शिक्षकों को शामिल करने के लिए एक व्यापक योजना की रूपरेखा दी

गई है।गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के महत्व पर सिसोदिया ने कहा, ह्लबच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा किसी भी परिवार की प्रगति की कुंजी है। हम सभी चाहते हैं कि हमारे बच्चे बड़े होकर सफल और सम्मानित व्यक्ति बनें। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच अत्यंत महत्वपूर्ण है।ह्व इसमें कहा गया है कि घोषणापत्र में सराय काले खां और हजरत निजामुद्दीन में दो पूर्णतः सुसज्जित नए स्कूलों के निर्माण के साथ-साथ फिरोज शाह कोटला और हरि नगर आश्रम में मौजूदा स्कूलों में सुविधाओं के आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

आचार्य किशोर कुणाल का निधन अत्यंत दु:खद, सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति: योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

अयोध्या/लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर गहरा शोक प्रकट करते हुए रविवार को कहा कि उनका निधन अत्यंत दुःखद और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है। मुख?यमंत्री योगी ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक?स पर एक पोस्ट में कहा, ह्यह्यश्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य, महावीर मंदिर न्यास के सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी का निधन अत्यंत दुःखद

और सामाजिक व धार्मिक क्षेत्र की अपूरणीय क्षति है।योगी ने इसी पोस्ट में कहा, उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि! प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों एवं शुभचिन्तकों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ॐ शांति।ह्लह्ल बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) के पूर्व प्रमुख और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल का रविवार को पटना में हृदयाघात से निधन हो गया।वर्ष 1972 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी कुणाल पटना के प्रसिद्ध महावीर मंदिर ट्रस्ट के सचिव थे।

अब नीतीश के साथ आने का मतलब अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारना;

गठबंधन की अटकलों पर बोले तेजस्वी यादव

एजेंसी

पटना:बिहार की सियासत में बीते कुछ दिनों से अटकलों का दौर जारी है।एक तरफ राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने नीतीश कुमार को गठबंधन का ऑफर दिया, तो वहीं बीजेपी नेताओं के बिहार चुनाव के नेतृत्व को लेकर भी कई विरोधाभासी बयान सामने आए है। हालांकि बाद में भाजपा नेताओं ने सफाई भी दी। इन सबके बीच नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव का बड़ा बयान सामने आना है।एक टीवी चैनल के इंटरव्यू में जब उनसे पूछा गया कि अगर आज की तारीख नीतीश कुमार आपके साथ आते हैं, तो क्या आप उनको माफ कर देंगे, औ सरकार चलाएंगे। जिसके जवाब में नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि अब सवाल ही पैदा नहीं होता है, वो थक चुके हैं। अब उनकी ऐसी स्थिति नहीं रह गई है, कि वो बिहार चला सकें। अब नीतीश कुमार के साथ आने का मतलब अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने के बराबर है।

इससे पहले आरजेडी के ऑफर पर नीतीश कुमार ने भी साफ कर दिया था, कि अब वो गलती नहीं करेंगे।एनडीए के साथ रहकर बिहार और देश का विकास करेंगे। ये बयान मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी में प्रगति यात्रा के दौरान दिया था। इससे पहले राजद विधायक भाई वीरेंद्र ने ये कहकर सियासी गलियारों में हलचल बढ़ा दी थी, कि नीतीश कुमार सांप्रदायिक ताकतों को छोड़कर आएंगे तो हम उनका स्वागत करेंगे।

संवेदनशील अधिकारी थे, बहुत दुख हुआ; सीएम नीतीश और तेजस्वी ने किशोर कुणाल को दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

पटना:पटना हनुमान मंदिर के कर्ता धर्ता और महावीर न्यास के सचिव और अपने अनुशास के लिए प्रख्यात आईपीएस किशोर कुणाल के असामयिक निधन से बिहार में शोक की लहर व्याप्त हो गई है।एक कड़क आईपीएस के साथ उनकी पहचान एक धर्मप्रेमी और मानवता के सेवक के रूप में है।मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उनके निधन पर शोक जताया है।नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने भी उनके निधन पर दुख व्यक्त किया है। दोनों नेताओं ने सोशल मीडिया के माध्यम से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।रविवार को कार्डियाक अरेस्ट का शिकार होने के बाद इलाज के दौरान महावीर वात्सल्य अस्पताल में उनका निधन हो गया।इस अस्पताल की स्थापना उन्होंने ही की थी।सोमवार को उनका अंतिम संस्कार

किया जाएगा। वे अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट में भी सदस्य थे। दरभंगा सस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में भी उन्होंने अपनी जिम्मेदारी निभाई।नीतीश कुमार ने सोशल मीडिया पर संदेश जारी कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम ने कहा कि पूर्व आईपीएस अधिकारी, बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के पूर्व अध्यक्ष और महावीर मंदिर न्यास समिति के संस्थापक सचिव आचार्य किशोर कुणाल जी का निधन दुःखद घटना है। वे एक कुशल प्रशासक एवं संवेदनशील पदाधिकारी थे। उनके निधन से प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति हुई है। दिवंगत आत्मा की चिर शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना है। उन्होंने कहा कि भगवान उनके परिजनों को इस दुख को सहने की शक्ति दे।इधर डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव ने भी आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर अफसोस का इजहार किया। कहा कि पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा पूर्व क्ष्हर आचार्य किशोर कुणाल जी के असामयिक निधन की खबर दुःखद है। आचार्य जी की शैक्षणिक, धार्मिक व सामाजिक क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण भूमिका रही। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करें।

बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी के समाधि एवं सांसद शांभवी के ससुर किशोर कुणाल का निधन, शोक की लहर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। महावीर मंदिर और राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य पूर्व आईपीएस किशोर कुणाल का निधन हो गया है। किशोर कुणाल को आज सुबह कार्डियक अरेस्ट हुआ और उन्हें तुरंत महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। जानकारी के अनुसार पूर्व आईपीएस अधिकारी किशोर कुणाल का रहीवर की सुबह निधन हो गया। जानकारी के अनुसार उन्हें हार्ट अटैक आया था। जिसके बाद तुरंत उन्हें महावीर वत्सला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका निधन हो गया। किशोर कुणाल एक सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं और अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के संस्थापकों में से एक थे। इनके निधन की पुष्टि इनके बेटे ने की है। आईपीएस की सेवा से रिटायर होने के बाद आचार्य किशोर कुणाल सामाजिक कार्यों से जुड़ गये और फिलहाल वो बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष और पटना के चर्चित महावीर मन्दिर न्यास के सचिव भी थे। महावीर मंदिर न्यास बोर्ड पटना में कई स्कूलों और कैंसर अस्पताल का संचालन करती है। आचार्य किशोर कुणाल राजधानी पटना में ज्ञान निकेतन जैसे चर्चित स्कूल के संस्थापक भी हैं। जब देश में वीपी सिंह की सरकार थी तो उस वक्त आचार्य किशोर कुणाल को केंद्र सरकार ने विश्व हिंदू परिषद और बाबरी मस्जिद एक्शन कमिटी के बीच मध्यस्थता के लिए विशेष अधिकारी के तौर पर नियुक्त किए गये थे। किशोर कुणाल का जन्म 10 अगस्त 1950 को हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूलिंग मुजफ्फरपुर जिले के बरुराज गांव से की। 20 साल बाद, उन्होंने पटना यूनिवर्सिटी से इतिहास और संस्कृत में ग्रेजुएशन किया। वे 1972 में गुजरात कैडर से भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के अधिकारी बने और पुलिस अधीक्षक पद पर तैनात हुए। वहां से वे 1978 में अहमदाबाद के पुलिस उपायुक्त बने, वह संस्कृत अध्येता भी है। किशोर कुणाल को 1983 में प्रोमोशन मिला और वे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के पद पर पटना में तैनात हुए। कुणाल ने 1990 से 1994 तक गृह मंत्रालय में ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी के पद पर काम किया। एक आईपीएस अधिकारी के रूप में कुणाल पहले से ही धार्मिक कार्यों में शामिल थे। इसके बाद साल 2000 में पुलिस से रिटायर होने के बाद उन्होंने केएसडी संस्कृत यूनिवर्सिटी दरभंगा के कुलपति का पद संभाला। 2004 तक वे इस पद पर रहे और बाद में वे बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (इरइफ्ळ) के प्रशासक बने और प्रचलित जातिवादी धार्मिक प्रथाओं में सुधार की शुरूआत की।

नहीं रहे सांसद शांभवी के ससुर पूर्व आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल, लोगों ने जताया शोक

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। पुर्व आईपीएस अधिकारी बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के पुर्व अध्यक्ष और महावीर मंदिर न्याय समिति के संस्थापक सचिव सह समस्तीपुर के सांसद शांभवी चौधरी के ससुर आचार्य किशोर कुणाल का निधन पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय शर्मा, प्रवीण कुमार कन्हैया, अखिलेश ठाकुर, कृष्ण गोपाल शर्मा, युवा समाजसेवी अंकित कुमार त्रिवेदी, सुदेश कुशवाहा, प्रभात सिंह सोनू, कल्याणपुर दक्षिणी मंडल विजय शंकर ठाकुर, पश्चिम मंडल ओम प्रकाश कुशवाहा, अरुण सहनी आदि ने शोक व्यक्त किया है। युवा समाजसेवी श्री त्रिवेदी के कहना है वे एक कुशल प्रशासन एवं संवेदनशील पदाधिकारी थे। उनके निधन से प्रशासनिक और सामाजिक क्षेत्र में अपूर्णीय क्षति हुई है, जो निकट भविष्य में पूर्ण होना संभव नहीं।

प्रो. निकहत फातिमा को बनाया गया जन स्वराज महिला मोर्चा का प्रदेश उपाध्यक्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी।शहर के श्री लक्ष्मी किशोरी महाविद्यालय के अंग्रेजी विभाग अध्यक्ष डॉ. प्रो. निकहत फातिमा को जन स्वराज पार्टी के महिला विंग का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। बताते चले की प्रो.फातिमा वर्षों से समाज सेवा के क्षेत्र में काफी सक्रिय एवं जनकल्याण के मुद्दों पर लगातार आवाज उठाती रही है। एवं इसके साथ ही राजनीतिक में भी सक्रिय रही है।पूर्व में भी उन्होंने पार्टी के बेलसंड व सीतामढ़ी अनुमंडल के महिला अध्यक्ष के तौर पर भी कार्य किया है। एवं उन्हें इस अवसर पर प्रदेश के दर्जनों पदाधिकारी के साथ जिलाध्यक्ष नवल किशोर राउत, कार्यालय प्रभारी सरफराज अंजुम, युवा अध्यक्ष मो रजाउल्लाह उर्फ लड्डन, असगर अली चौधरी, महान सिंह कुशवाहा, वीरेंद्र कुमार, पूर्व जिलाध्यक्ष आदित्य मोहन सिंह, महाविद्यालय के प्राध्यापकगण व सभी शिक्छकोत्तर कर्मचारियों ने बधाई एवं शुभकामना दी।

राजद ने चलाया सदस्यता अभियान, 270 लोगों किया सदस्यता ग्रहण

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। रविवार को ताजपुर शहर के डाक बंगला चौक के पास समस्तीपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बघौनी, भैरोखरा, ताजपुर, बाघी तथा आधारपुर की राजद कार्यकताओं की एक बैठक आयोजित की गई। मौके पर राजद का सदस्यता अभियान भी चलाया गया एवं 270 लोगों को राजद का प्राथमिक सदस्य बनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष मो नूर आलम तथा संचालन राजद नगर अध्यक्ष मो अजहर मिकरानी ने किया। बैठक सह सदस्यता अभियान को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक सह बिहार विधान सभा के मुख्य सचेतक अख्तरुल इस्लाम शाहीन ने कहा कि एक - एक कार्यकर्ता को पूरे जिम्मेवारी के साथ सदस्यता अभियान चलाना है और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के हाथों को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि सदस्यता अभियान का जो लक्ष्य है उसे हर हाल में पूरा करना है। सभी को निर्देश दिया कि सभी तन मन से लगकर सदस्यता अभियान में लग जायें। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि 2024 जाने वाला है और 2025 में एनडीए सरकार की भी विदाई तय है। बिहार में पिछली बार ही महागठबंधन की सरकार बन गई थी, लेकिन बेईमानी कर सरकार नहीं बनने दी गई। हमारे प्रत्याशियों को मामूली अंतर दिखाकर हरा दिया गया। इस बार सरकार बनाने से हमें कोई नहीं रोक सकता है। उन्होंने कहा कि आज बिहार में बिजली सबसे महंगी मिल रही है। स्मार्ट मीटर से लोग परेशान हैं। हमलोगों की सरकार बनने के बाद 200 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी। उन्होंने माई बहिन मान योजना की चर्चा करते हुए कहा कि इस महंगाई में महिलाओं को अपना शौक पूरा नहीं हो पा रहा है। वह घर की आवश्यकता की ही पूर्ति मुश्किल से कर पा रही हैं। अगर बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी तो महिलाओं को 2,500 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे, जिससे महिलाएं समृद्ध बनेंगी। उन्होंने इस दौरान महागठबंधन के 17 महीने के कार्यकाल की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए कहा कि उस काल में कई महत्वपूर्ण कार्य किए गये। पांच लाख लोगों को नौकरियां दी गई तो जातीय जनगणना कराई गई। इस आधार पर आरक्षण की भी व्यवस्था की गई थी।

यादगार बन गयी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा: डॉ रंजु गीता

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी. पूर्व मंत्री सह प्रभारी प्रदेश महिला प्रकोष्ठ जदयू डॉ रंजु गीता ने 26 दिसम्बर 2024 को प्रगति यात्रा के तहत पहुंचे सीएम नीतीश कुमार के सभी कार्यक्रमों को सफल व यादगार बताया है. पूर्व मंत्री डॉ रंजु गीता ने कहा है कि आगामी विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता ने एक बार फिर नीतीश कुमार के हाथ में बागडोर सौंपने का मन बना लिया है. कारण है कि गांव से लेकर शहर तक विकास कार्यों को देखकर जनता गदगद है. सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से समाज के सबसे पिछली पंक्ति में खड़े लोगों की आर्थिक स्थिति सुधर रही है. बेघरों को घर मिल रहा है. भूमिहीनों को जमीन देकर बसाया जा रहा है।

आचार्य किशोर कुणाल का प्रशासनिक व सामाजिक जीवन में रही महत्वपूर्ण भूमिका: डॉ अखिलेश प्रसाद

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं ने जताया शोक

पटना. रविवार, 29 दिसंबर, 2024पूर्व आईपीएस अधिकारी और राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के अध्यक्ष रहें आचार्य किशोर कुणाल के आज सुबह कार्डियक अरेस्ट से निधन हो जाने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह सहित वरिष्ठ नेताओं ने गहरा दुःख जताया है।अपने शोक संदेश में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डॉ अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि आईपीएस अधिकारी के रूप में दिवंगत आचार्य किशोर कुणाल ने बेहद ईमानदारी से कार्य किया। साथ ही वें कुशल प्रशासक के तौर पर अयोध्या राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्य, पटना महावीर मंदिर न्यास के सचिव और अपने रिटायरमेंट के बाद दरभंगा संस्कृत विवि के कुलपति के रूप में सेवाओं को हमेशा याद किया जाएगा।आचार्य किशोर कुणाल ने 74 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। उन्होंने महावीर मंदिर ट्रस्ट से कैंसर, शिशु अस्पताल के साथ विद्यालयों का भी संचालन कर आम जनता को लाभ पहुंचाने का काम किया। उनके निधन से राज्य को अपूरणीय क्षति हुई है और आने वाले दिनों में इसकी भरपाई नहीं की जा सकती। इस दुःख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिजनों के साथ है।आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर कांग्रेस विधानमंडल दल के नेता डॉ शकील अहमद खान ,विधानपरिषद में कांग्रेस दल के नेता डॉ मदन मोहन झा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष रामजतन सिन्हा , पूर्व मंत्री कृपानाथ पाठक, प्रेमचंद मिश्रा डॉ समीर कुमार सिंह, ब्रजेश पांडेय ,निर्मल वर्मा ,राजेश राठौड़, लाल बाबू लाल, ब्रजेश प्रसाद मुनन, आनंद माधव , हरखू झा , ज्ञान रंजन , डॉ स्नेहाशीष वर्धन पांडेय आदि ने भी शोक व्यक्त किया है।

चिराग पासवान ने किशोर कुणाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री श्री चिराग पासवान ने किशोर कुणाल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है श्री चिराग ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि महावीर मंदिर धार्मिक न्यास के सचिव एवं पूर्व चर्चित आईपीएस अधिकारी आचार्य किशोर कुणाल जी के निधन की दुखद सूचना से स्तब्ध हूं। उनका जाना मेरे लिए निजी क्षति है। कुछ दिनों पहले हम दोनों एक सार्वजनिक कार्यक्रम में शरीक भी हुए थे। मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि वे अब हम सब के बीच में नहीं है। उनके निधन से आध्यात्मिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक जगत में अपूरणीय क्षति हुई है। वे अयोध्या मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य भी थे तथा महावीर मंदिर धार्मिक न्यास से कई अस्पतालों एवं सामाजिक कार्यों का संचालन गरीबों के लिए करते थे।ईश्वर पुण्यात्मा को अपने श्रीचरणों में उच्च स्थान प्रदान करें और परिजनों व शुभचिंतकों को यह असीम दुख सहने की शक्ति प्रदान करे।

तेजस्वी यादव का कार्यकर्ता सम्मेलन आज जबरदस्त जोश, उत्साह और उमंग देखा जा रहा है : गौहर समी

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी।नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव के कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम सीतामढ़ी के डुमरा एमपी उच्च विद्यालय के फुटबॉल मैदान में 30 दिसम्बर 2024 को आयोजित किया जाएगा की। राजद के जिला कोषाध्यक्ष सह अध्यक्ष सुन्नी वक्फ बोर्ड जिला औकाफ कमिटी गुलाम मुस्तफा उर्फ गौहर समी ने कहा कि कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम के दौरान तेजस्वी प्रसाद यादव सीतामढ़ी और शिवहर जिला के क्रमशः नौ विधानसभा सीतामढ़ी, बाजपट्टी, रूनीसैदपुर, सुरसंड, परिहार, बथनाहा, रीगा, बेलसंड एवं शिवहर विधानसभा क्षेत्रों के कार्यकताओं से कार्यकर्ता संवाद कार्यक्रम के माध्यम से सीधा संवाद स्थापित करेंगे।

गौहर समी ने कहा कि तेजस्वी यादव ने बिहार के आधी आबादी महिलाओं के सशक्तिकरण और खुशहाली लाने के उद्देश्य से महागठबंधन की सरकार बनने पर माई बहिन मान योजना लागू करेंगे और महिलाओं को प्रत्येक माह 2500 रुपया उन्हें देने, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना के लाभार्थियों बृद्ध,विधवा, दिव्यांग पेंशन धारी व्यक्तियों को हर माह मिलने वाली 400 रुपया की पेंशन राशि को बढ़ाकर 1500 रुपया प्रति माह करने प्रत्येक परिवार को 200 यूनिट विजली फ्री में देने का जो प्रण लिया है, उसे निश्चित पूरा करके दिखाएंगे। गौहर समी ने कहा कि उन्होंने अपने 17 महीने के महागठबंधन सरकार में अपने कार्यकाल के दौरान अपने प्रण को पूरा करके दिखाया और बिहार की जनता का विश्वास जीतने के साथ हीं उनकी आशा और उम्मीद बन चुके हैं।

उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव के कार्यकर्ता दर्शन सह संवाद कार्यक्रम को लेकर सीतामढ़ी एवं शिवहर जिला के कार्यकताओं में जबरदस्त जोश,उत्साह और उमंग देखा जा रहा है, जिससे स्पष्ट हो रहा है कि आगामी 2025 की विधानसभा चुनाव में तेजस्वी प्रसाद यादव के नेतृत्व में महागठबंधन की सरकार बननी तय है।

भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के तत्वावधान में नव निर्वाचित अध्यक्ष का सम्मान सह कार्यकर्ता समागम का आयोजन किया गया

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

बखरी (बेगुसराय) ' भारतीय जनता पार्टी नगर मंडल के तत्वावधान में नव निर्वाचित अध्यक्ष का रविवार को दोपहर बारह बजे सम्मान सह कार्यकर्ता समागम का आयोजन राज निकेतन स्थित कौशल विकास केन्द्र में किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राजीव वर्मा ने कहा कि भाजपा में पद नहीं, कार्यकताओं को दायित्व दिया जाता है। पूर्व पार्षद सिधेश आर्य ने कहा कि अति पिछडा वर्ग से आने वाली नव मनोनीत अध्यक्ष कामिनी कंचन जी के नेतृत्व में भाजपा, बखरी में कम्युनिस्टों को परास्त कर कमल खिलाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि आधी आबादी को सम्मान देकर पार्टी ने यह साबित किया है कि महिला मतदाता मात्र वोट बैंक नहीं, नेतृत्व में भी आगे है। पूर्व प्रत्याशी रामशंकर पासवान ने कहा कि नये दायित्ववान कार्यकताओं, नेताओं के नेतृत्व में भाजपा विजय श्री प्राप्त करेगी। वही पूर्व विधायक रामानन्द राम ने कहा कि कभी लेनिनग्राद कहलाने वाली बखरी में कार्यकताओं के सहयोग से उन्होंने कमल खिलाया था। 2025 के विधानसभा चुनाव में पार्टी जिसे भी कमल का फूल देकर भेजेगी, जनता उन्हें विजयी बनाने का काम करेगी।

बिहार भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक श्री मनोज शर्मा ने बयान जारी करते हुए कहा कि

धर्म को सेवा से जोड़कर सनातन धर्म की रक्षा करते थे आचार्य किशोर कुणाल - मनोज शर्मा

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

पटना, 29 दिसंबर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक श्री मनोज शर्मा ने पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट के संस्थापक सदस्य आचार्य किशोर कुणाल के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आचार्य किशोर कुणाल सनातन धर्म की रक्षा में अभूतपूर्व योगदान रहा है। उनके निधन से सनातन धर्म में एक रिक्त स्थान हो गया है। ऐसे महान विभूति को शत-शत नमन। भगवान उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें और परिवार को इस मुश्किल घड़ी में धैर्य प्रदान करें।

श्री मनोज शर्मा ने आगे कहा कि आचार्य किशोर कुणाल बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे। एक साहसी प्रशासनिक अधिकारी होने के साथ-साथ सनातन धर्म और सनातन अनुयायियों की कैसे रक्षा की जाए, इस पर उन्होंने ज्यादा काम किया। साथ ही अब पटना की पहचान बन चुके स्टेशन के महावीर मंदिर को उन्होंने पूरे देश में प्रसिद्धि दिलाई। आचार्य किशोर कुणाल की अद्भुत प्रबंधन का नतीजा रहा है कि उन्होंने धर्म को इस कदर सेवा से जोड़ा है कि अब सनातन धर्म में यदि कोई दान आदि करता है तो उन्हें इस बात पर विश्वास रहता है कि उनके दान की राशि किसी सेवा कर्म में लग रही है। आचार्य किशोर कुणाल ने महावीर मंदिर ट्रस्ट के जरिए पटना में भव्य महावीर कैंसर संस्थान, महावीर वात्सल्य अस्पताल, महावीर नेत्रालय सहित कई सेवा के कार्य किए जा रहे हैं। आचार्य किशोर कुणाल ने अयोध्या में बन रहे भव्य भगवान श्री राम मंदिर के लिए ट्रस्ट के तरफ से सबसे पहले 10 करोड रुपए दिए थे। आज के दिन अयोध्या में हर रोज पटना के महावीर मंदिर ट्रस्ट के तरफ से दरिद्र नारायण भोजन कराया जाता है।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि आचार्य किशोर कुणाल के किए गए कार्यों को सदियों तक लोग याद करेंगे। उन्होंने धर्म के जरिए सेवा का एक अलग अध्याय लिखा है। जब प्रशासनिक अधिकारी रहे तो उन्होंने कई साहसिक कार्य किए थे।

भाजपा कार्यालय में विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव ने अन्य नेताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री के 'मन की बात'

हुसैनगंज संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

■ प्रधानमंत्री ने 'मन की बात' में कुंभ मेले के जरिये दिया एकजुट रहने का संदेश : नन्द किशोर यादव

पटना, 29 दिसंबर। बिहार भाजपा के प्रदेश कार्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जनसंवाद कार्यक्रम 'मन की बात' को आज भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सह बिहार विधानसभा के अध्यक्ष नन्द किशोर यादव समेत तमाम नेता और कार्यकर्ताओं ने बैठकर सुना। भाजपा कार्यालय में मन की बात के 117 वें एपिसोड को सुनने वालों में विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव के अलावा पूर्व मंत्री विनोद नारायण झा, कार्यालय मंत्री प्रवीण राय पटेल, प्रदेश मंत्री रीता शर्मा, राजीव रंजन, संजय चंद्रवंशी, मनोज सिंह, अमरेन्द्र शांडिल्य, ओम प्रकाश भुवन एवं सहित प्रदेश के कई पदाधिकारी, नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरक विचारों को सुना।मन की बात सुनने के बाद विधानसभा अध्यक्ष नन्द किशोर यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इलाहाबाद के संगम तट पर लगने वाले महाकुंभ के जरिये देश मे अनेकता में एकता की बात कहते हुए एकजुट रहने का संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से प्रयागराज में महाकुंभ का आयोजन होने जा रहा है। इस समय संगम तट पर भव्य तैयारियां चल रही हैं। जब हम कुंभ में भाग लें, तो समाज में विभाजन और नफरत की भावना को खत्म करने का संकल्प लें। कहीं कोई भेदभाव नहीं है, कोई बड़ा नहीं है, कोई छोटा नहीं है। इसलिए हमारा कुंभ एकता का महाकुंभ भी है।विधानसभा अध्यक्ष ने बिहार के लोगों से भी महाकुंभ में जाने की अपील की। विधानसभा अध्यक्ष श्री यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने संविधान का भी गौरवगान किया है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह गौरव की बात है कि 2025 में 26 जनवरी को हमारे संविधान को लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहा है। हमारे संविधान निमार्ताओं ने हमें जो संविधान सौंपा है, वो समय की हर कसौटी पर खरा उतरा है।

स्थानीय लोगों ने एक बदमाश को पकड़कर पुलिस को किया सुपुर्द

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
चंद्रकिशोर पासवान

चेरिया बरियारपुर विधायक राजवंशी महतो के पुत्र से बसही पुल स्थित नवनिर्मित घर बनाने के दौरान बदमाशो ने मांगा एक लाख रुपए की रंगदारी

भगवानपुर (बेगूसराय)तेयाय ओपी क्षेत्र अंतर्गत बसही गांव में चेरियाबरियारपुर विधायक राजवंशी महतों के पुत्र सह युवा राजद के जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार से रंगदारी के रूप में एक लाख रुपये मांगने का मामला प्रकाश में आया है। इस बाबत पीड़ित राकेश कुमार ने तेयाय ओपी में आवेदन देकर बताया है कि रसलपुर निवासी धर्मेंद्र चौधरी के पुत्र प्रियांशु कुमार उर्फ बादशाह

ने 28 दिसंबर को दिन के दस बजे बसही पुल के पास जब मैं अपना घर बनवा रहे थे। तभी बदमाशो ने अपने बुलेट मोटरसाइकिल से आया और मुझे गाली गलौज कर कहा की राकेश कुमार को आज गोली मार देंगे नहीं तो रंगदारी के रूप में एक लाख रुपये मेरे घर पर पहुंचा दो। इसी दौरान वहां मौजूद लोगों द्वारा उस बदमाशों को पकड़ लिया गया। मौका देख इसके साथ अन्य एक बदमाश फरार हो गया। तत्पश्चात डायल 112 को कॉल करके ऊक्त बदमाश को तेयाय ओपी पुलिस को सुपुर्द कर दिया गया। पीड़ित ने थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है। वही ओपी प्रभारी नूतन कुमारी ने बताया कि मामले की छानबीन की जा रही है।

हुसैनगंज में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के तत्वावधान में हुआ महिला जागरुकता महारैली का आयोजन,

मंच पर फूलों की माला पहनाकर कार्यकताओं द्वारा मुख्य अतिथि व मंत्री ओमप्रकाश राजभर को किया स्वागत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

रविवार को सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के तत्वावधान में हुसैनगंज प्रखंड मुख्यालय के खेल मैदान में महिला जागरूकता महारैली का आयोजन किया गया. मुख्य अतिथि सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह कैबिनेट मंत्री पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, हज और वक्फ उत्तर प्रदेश सरकार ओमप्रकाश राजभर ने रैली को सम्बोधित करते हुए कहा कि बिहार में गंडा राज कायम हो गया है. उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं एक समान शिक्षा और एक समान चिकित्सा सभी नागरिकों को मिले. बिहार में वंचित, शोषित समाज के हरेक लोगों को 200 युनिट बिजली फ्री में मिले.पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव सह पूर्व राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार डा० अरबिन्द राजभर ने युवाओं को आगे आकर पार्टी को मजबुत करने का आह्वाहन किया. उन्होंने कहा कि अगर हम बिहार सरकार में आते हैं तो हर युवा को उनकी भागदारी सभी क्षेत्रों में सुनिश्चित करायेंगे.युवाओं को कमाने के लिए बिहार से अन्य राज्यों में नहीं जाना पड़ेगा. यहाँ कल कारखानों की व्यवस्था कि जायेगी. पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष उदय नारायण राजभर ने कहा कि हम जब तक समाज के लोगों को सत्ता में नहीं बैठा देगें तब तक पार्टी के हीत के लिए कार्य करते रहेंगे.मेरे शरीर का खून का एक एक कतरा पार्टी के विकास के लिए समर्पित है. बिहार महिला मंच की अध्यक्षा अंजली राजभर ने कहा कि जब तक महिला को उनका अधिकार राजनैतिक हिस्सेदारी नहीं मिल जाती जब तक संघर्ष जारी रहेगा. पार्टी के बिहार प्रमुख प्रवक्त मुन्ना मंडल ने कहा कि पार्टी को सत्ता में पहुँचाने के लिए मैं अपनी पुरी शक्ति लगा दूँगा.जब तक पार्टी सत्ता में पहुँच नहीं जाती जब तक संघर्ष जारी रहेगा.पार्टी के संगठन मंत्री संजय कुशवाहाने कहा कि युवा आगे आकर पार्टी को मजबुत करे.प्रदेश महासविच आमोद यादव ने सभी जाति के लोगों को उनका हक दिलाने के लिए संघर्ष करते रहेगें.पार्टी के जिला दलित प्रकोष्ठ अध्यक्ष सुरेन्द्र राम ने भी अपना विचार रखते हुए कहे कि पार्टी में अपनी जाति के लोगों को अधिक से अधिक संख्या में जोडने का काम राजभर ने भी अपनी बातों को करेगे.सिवान जिला अध्यक्ष लोगिकर संतोष सीत एवं शयानन्द राजभर ने मंच की अध्यक्षता व मंच का संचालन किया. सभा को संबोधित करने वालों में प्रदेश कोळनेर, परशुराम राजकारी, सुखद्र रजवार, सनी देनी, राजूराम वंशी, तीस देनी भोला राम, रमिया देवी राजभर सहित अन्य थे.

पूर्ववर्ती मिलन छात्र समारोह हुआ आयोजित

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
मो.अबु बकर सिद्दीकी

सीतामढ़ी।पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय में पूर्ववर्ती छात्र मिलन समारोह का आयोजन अत्यंत धूम-धाम से किया गया।जिसमें विद्यालय के प्राचार्य अंजुम अर्शी मुख्य अतिथि के रुप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम 11:00 बजे प्रारंभ हुआ जिसमें विद्यालय की छात्राओं द्वारा मुख्य अतिथि एवं छात्रों को पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया गया` मुख्य अतिथि एवं छात्रों द्वारा दीप प्रज्वलन के बाद कार्यक्रम प्रारंभ हुओ विद्यालय के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (अंग्रेजी) राहुल कुमार सिन्हा द्वारा संचालित कार्यक्रम के प्रारंभ में छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया उसके पश्चात स्वागत गीत गाकर अतिथियों का स्वागत किया` कार्यक्रम में पुरा छात्र डॉ. संजीव कुमार, रोमन कुमार, डॉ. शिवम कुमार, डॉ. उमेश, विपुल रमन, ललित किशोर, संजीव कुमार, विजय कुमार, शशि एवं अन्य पुरा छात्रों द्वारा अपने अनुभव एवं विचार छात्रों के साथ साझा किए गए।उन्होंने विद्यालय के अनुशासन तथा परीक्षा परिणाम की प्रशंसा की तथा जीवन में नैतिक मूल्यों के विकास पर बल दिया।अंत में विद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. ललन ने आए हुए आगंतुकों तथा मुख्य अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया `कार्यक्रम के सफल संचालन में विद्यालय के सभी शिक्षकों-शिक्षकेत्तर कर्मचारियों का अभूतपूर्व योगदान रहा` कार्यक्रम में युगल किशोर चौधरी, गौतम कुमार यादव, ललित कुमार झा, एस के झा, एस के सिंह, राजकुमार सिंह, राजेश, कुमार,आलोक कुमार, रामपुकार प्रसाद,अकबर अली आजाद,रश्मि कुमारी,अभिषेक मिश्र,अमन यादव समेत अन्य शिक्षकों मौजुद थे।

मशरक में चौकीदारी परेड के दौरान शराबबंदी पर रहा फोकस

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक(सारण)मशरक थाना परिसर में रविवार को चौकीदारी परेड का आयोजन किया गया। उक्त परेड में शामिल चौकीदार व दफादारों को थानाध्यक्ष अजय कुमार ने क्षेत्र में विधि-व्यवस्था बनाये रखने व गुपचुप तरीके से शराब का धंधा करने वाले धंधेबाजों, शराबियों व असमाजिक तत्वों पर नकेल कसने को लेकर सजग रहने के लिए कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिया। इस क्रम में उन्होंने कहा कि क्राइम कंट्रोल में चौकीदारों की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। चौकीदार सजग रहे तो कोई भी आपराधिक घटना नहीं हो सकती। उन्होंने चौकीदारों से कहा कि आप लोग अपने अपने क्षेत्र में आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने में सक्षम है। ईमानदारी से अगर आप ड्यूटी करेंगे तो ग्रामीण इलाकों में आपराधिक घटनाओं पर विराम लग जाएगा। थानाध्यक्ष ने चौकीदारों को निर्देश दिया कि अपने-अपने क्षेत्र में अपराधियों पर नजर रखें तथा उनकी सूचना अविलंब दें।उन्होंने कहा कि सभी चौकीदार रात में अपने अपने क्षेत्र में सख्ती से गश्ती करेंगे। इसके अलावा बैंक समेत महत्वपूर्ण स्थानों के आसपास भी नजर रखेंगे। कोताही बरतने वालों के खिलाफ सख्त विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

डुमरा के चित्रगुप्त मंदिर में नई कमिटी का गठन

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। डुमरा प्रखंड के कैलाशपुरी स्थित चित्रगुप्त मंदिर में अखिल भारतीय चित्रगुप्त सेवा समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें नई कमिटी के गठन पर सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। बैठक में चर्चा हुई कि पुराने कार्यकाल का समापन 31 दिसंबर को हो रहा है, जिसके बाद नई कमिटी का गठन आवश्यक है। इस दौरान उपस्थित समिति के कार्यकारिणी सदस्यों ने सर्वसम्मति से निर्णय लेते हुए वर्तमान अध्यक्ष आशुतोष कुमार वर्मा को दोबारा अध्यक्ष पद के लिए चुना। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों में संजय कुमार को उपाध्यक्ष, अरुण कुमार को सचिव, मणी भूषण शरण को कोषाध्यक्ष, सुशील कुमार को अंकेक्षक और ब्रजेश कुमार को संयुक्त सचिव बनाया गया। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नई कमिटी के गठन पर खुशी जताई और समिति के भविष्य की योजनाओं पर चर्चा की। इस दौरान सभी ने समिति के कार्यों को अधिक प्रभावी और समर्पित तरीके से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। नई कमिटी के चयन से स्थानीय समुदाय में उत्साह का माहौल है।

बथनाहा विधायक ने साहियारा से मटियार तक जाने वाली सड़क का किया शिलान्यास

विधायक ने कहा की आने वाले दिनों मे एक सौ से अधिक अबादी वाले मोहल्ले भी सड़को से जोड़े जाएंगे

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

सीतामढ़ी। बथनाहा विधानसभा अंतर्गत प्रखंड के बहू-प्रतीक्षित सड़क साहियारा से मटियार तक जाने वाली सड़क जिसको 142 लाख की लागत से 2 किलो मीटर सड़क का शिलान्यास किया।बथनाहा विधायक अनिल कुमार राम ने कहा की विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत सड़क पुल पुलिया का जाल बिछाया गया है जितने भी सड़क पुल पुलिया का काम बचा है वो मार्च से पहले खत्म कर दिया जाएगा। लगभग 80% सड़क पुल पुलिया, विद्यालय के विकास हेतु चारदीवारी, स्वास्थ्य उपकेंद्र का निर्माण, छठ घाट का निर्माण, सामुदायिक भवन का निर्माण कराया गया है अभी जल्द ही मेजरगंज में पावरग्रिड के एक्सटेंशन एवं सहियारा में नए पावर ग्रिड की स्थापना किया जाएगा सरकार से स्वीकृति मिल चुकी है जल्द ही इस कार्य का भी शिलान्यास किया जाएगा एनडीए की सरकार लगातार गरीब बुढ़वा किसानों ,महिलाओं समाज के सभी वर्गों के हित में काम कर रही है।विकास कार्य के आधार पर ही 2025 में पुनः एनडीए की सरकार बिहार में बनेगी मौके पर बथनाहा मंडल अध्यक्ष कोदई सहनी, सत्येंद्र सिंह, जितेंद्र बैठा, धर्मेंद्र मंडल, रूपेश झा,राजेश, संतोष एवं सैकड़ो कार्यकर्ता स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने रेडियो पर सुना प्रधानमंत्री की मन की बात

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। जिले के कल्याणपुर विधानसभा के उत्तरी मंडल के बूथ संख्या 101 पर किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष सह उत्तरी मंडल प्रभारी की अध्यक्षता में मन की बात का 117 वां एपिसोड सुना गया, श्री शर्मा ने उपस्थित लोगो से कहा अपने जीवन मे दैनिक रूटीन में लाये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर एक भारत वासी के लिए सोचते हैं और कार्यक्रम का उदेश्य ही सबका साथ सबका विकास। मनकी बात सुनने वालों में बलिराम शर्मा, सुशील गुप्ता, प्रभाकर शर्मा, कमोद यादव, विन्देश्वरी राय, मोहन मण्डल, टेक नारायण शर्मा, धीरज कुमार, रौशन कुमार, शशि भूषण शर्मा, मृदुला शर्मा, नगीना देवी, शैल देवी, आशा शर्मा, उमेश चंद्र प्रसाद कुशवाहा आदि का नाम शामिल है।

पत्रकारों की सुरक्षा और स्वतंत्रता पर सरकार दे विशेष ध्यान: मोहम्मद जहाँगीर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

नई दिल्ली: लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में पत्रकारिता समाज की आवाज को बुलंद करने और प्रशासन को जवाबदेह बनाने का सबसे प्रभावी माध्यम है। लेकिन वर्तमान समय में पत्रकारों को अनेक कठिनाइयों और चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद जहाँगीर ने पत्रकारों की इन समस्याओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सरकार से अपील की है कि वह उनकी सुरक्षा और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने के लिए विशेष कदम उठाए।

पत्रकारों को झेलनी पड़ रही चुनौतियां

मोहम्मद जहाँगीर ने बताया कि देश के कई हिस्सों में पत्रकारों को जान से मारने की धमकियां मिलती हैं।ऐसे कई मामले सामने आए हैं जहां पत्रकारों को अपने जीवन की कीमत पर सच उजागर करना पड़ा।उन्होंने कहा कि छोटे और मझोले समाचार संस्थानों में काम करने वाले पत्रकार बेहद कठिन परिस्थितियों में काम करते हैं।उनके पास न तो स्थिर आय होती है और न ही भविष्य की कोई सुरक्षा।

उन्होंने कहा, "देश के कई हिस्सों में पत्रकारों को उनके काम के लिए न केवल धमकियां दी जाती हैं, बल्कि उन्हें हिंसा का शिकार भी बनाया जाता है। यह स्थिति लोकतंत्र और निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए बेहद चिंताजनक है।निष्पक्ष

पत्रकारिता पर बढ़ता दबाव

जहाँगीर ने बताया कि कई बार पत्रकारों पर दबाव डाला जाता है कि वे सिर्फ. विशेष दृष्टिकोण से जुड़ी खबरें प्रकाशित करें। उन्होंने कहा, "इस प्रकार के दबाव पत्रकारिता की निष्पक्षता को खत्म कर देते हैं।पत्रकार का काम जनता को सच्चाई दिखाना है, लेकिन जब उनके हाथ बांध दिए जाते हैं, तो समाज सच्चाई से वंचित हो जाता है।

सरकार से मुख्य मांगें

इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन के राष्ट्रीय महासचिव ने सरकार से निम्नलिखित कदम उठाने की अपील की है:

विशेष सुरक्षा कानून:
पत्रकारों की सुरक्षा के लिए एक विशेष कानून बनाया जाए ताकि उन्हें किसी भी प्रकार की धमकी या हिंसा से बचाया जा सके।

आर्थिक सहयोग और योजनाएं:
छोटे और मझोले समाचार संस्थानों में काम करने वाले पत्रकारों को आर्थिक मदद और योजनाएं दी जाएं ताकि उनका भविष्य सुरक्षित हो।

कानूनी संरक्षण:
पत्रकारों पर लगने वाले झूठे मुकदमों से बचाने के लिए उन्हें कानूनी सहायता उपलब्ध कराई जाए।

स्वतंत्र कार्यक्षेत्र:
पत्रकारों को बिना किसी दबाव के निष्पक्ष तरीके से काम करने का अवसर मिलना चाहिए।

स्वतंत्र पत्रकारिता की आवश्यकता

मोहम्मद जहाँगीर ने जोर देकर कहा कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता लोकतंत्र की रीढ़ है।उन्होंने कहा, "जब पत्रकार स्वतंत्र होंगे, तभी जनता को सही जानकारी और प्रशासन की पारदर्शिता सुनिश्चित हो पाएगी। पत्रकारों को उनकी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए न केवल सुरक्षा की जरूरत है, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण भी चाहिए जहां वे निडर होकर काम कर सकें।"

उन्होंने यह भी बताया कि इंडियन रिपोर्टर्स एसोसिएशन पत्रकारों की भलाई के लिए हमेशा तत्पर है।"हमारे संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के अधिकारों और उनकी सुरक्षा की रक्षा करना है। इसके लिए हम सरकार से लगातार संवाद कर रहे हैं और हर स्तर पर प्रयासरत हैं।

पत्रकारों का सशक्तिकरण समाज का सशक्तिकरण

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक घायल ,सदर रेफर

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

मशरक के बंगरा गांव में अनियंत्रित अज्ञात वाहन की टक्कर से एक शख्स को घायल हालत में इलाज के लिए सीएचसी मशरक में भर्ती कराया गया। घायल बंगरा गांव निवासी स्व शिवनाथ राय का 52 वर्षीय पुत्र भरत राय हैं। ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक डॉ एस के विधार्थी ने प्राथमिक उपचार किया।घायल के परिजनों ने बताया कि अनियंत्रित अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गए हैं ग्रामीणों के द्वारा सूचना मिलने पर पहुंचकर इलाज के लिए सीएचसी मशरक लाया गया जहां से सदर अस्पताल छपरा रेफर कर दिया गया।

जमीन पर कब्जा करने और सैकड़ों हरा पेड़ काटने पर मशरक डीएसपी से शिकायत

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ

तरैया थाना क्षेत्र के डीह छपिया गांव में जमीन पर फजी तरीके से कब्जा करने की नियत से जमीन पर लगें सैकड़ों पेड़ काटने के मामले में पीड़ित ने मशरक डीएसपी कार्यालय पहुंच शिकायत दर्ज कराई। मौके पर तरैया थाना क्षेत्र के डीह छपिया गांव निवासी अमोद कुमार सिंह पिता श्याम बहादुर सिंह ने बताया कि उनकी जमीन पर गांव के ही वीरेंद्र सिंह, कृष्णा सिंह समेत अन्य ने दबंगई से कब्जा करने के नियत से सैकड़ों की संख्या में शीशम का पेड़,नीम का 2,सेमल का 2 और जंगली पेड़ काट दिया गया और ट्रैक्टर पर लाद कर ले जाया गया। वहीं जमीन पर कब्जा किया जा रहा है जिसका विरोध करने पर मारपीट और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने बताया कि उसने मढ़ौरा एसडीओ, मशरक डीएसपी समेत अन्य को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

प्रताप कुमार सिंह बने सरायरंजन के थाना अध्यक्ष वही राज किशोर राम बने सिंघिया के थाना अध्यक्ष

जिला संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
एम नईमुद्दीन आजाद

समस्तीपुर। ज़िलें के नगर थाना में पदस्थापित अपर थानाध्यक्ष प्रताप कुमार सिंह को पुलिस अधीक्षक अशोक मिश्रा ने सरायरंजन थाना कि कमान सौंपी है, वहीं दलसिंहसराय में पदस्थापित राज किशोर राम को सिंघिया थाना कि नई जिम्मेदारी दी गई है।दोनो थाना अध्यक्ष सोमवार को अपना अपना पदभार संभालेंगे।इधर उनके थानाध्यक्ष के रूप मे पोस्टिंग को लेकर एक तरफ जहाँ आम आवाम में हर्ष का माहौल कायम है। आशा व्यक्त किया जाता है कि नए थाना अध्यक्ष के आने पर दोनों थाना क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लग सकती है।

नितीश कुमार के नेतृत्व में बिहार आगे बढ़ रहा है और बेटियों को सम्मान हर क्षेत्र में मिला खेल मंत्री सुरेंद्र मेहता

संवाददाता
रोजनामा इंडो गल्फ
साहिल अंसारी

प्रखंड क्षेत्र के नर नारायण सिन्हा उच्चविद्यालय मे बिहार राज्य खेल प्राधिकरण व बिहार कुस्ती संघ के द्वारा आयोजित मल्ल युद्ध प्रतियोगिता के समापन के अवसर पर बिहार सरकार के खेल मंत्री सुरेन्द्र मेहता ने कहा की माननीय मुख्य मंत्री श्री नितीश कुमार जी के नेतृत्व मे बिहार मे खेल को बिकाश की गति पर अग्रसर करना है। बिहार की बेटा व बेटियों को अब खेल का प्रशिक्षण लेने बिहार से बाहर नहीं जाना पड़ेगा हम बिहार मे ही खेल के प्रशिक्षन केंद्र का निर्माण करेंगे।उन्होंने मंसूरचक मे एकलव्य प्रशिक्षन केंद्र स्थापित करने की बात कही।उन्होंने कहा की आज इस तरह के खेल के आयोजन से बिहार मे बच्चों के बीच खेल के प्रति प्रतिस्पर्धा की भावना जागेगी और इस से बिहार के खिलाड़ी भी इस क्षेत्र मे बिहार का नाम रौशन करेंगें।उन्होंने बेगूसराय मे फिर से इस प्रकार के आयोजन करवाने की बात कही उन्होंने सभी जनप्रतिनिधि व अधिकारियो का इस आयोजन मे सहयोग के लिए धन्यवाद कहा।उन्होंने कहा की आप लोगों ने देखा की बेगूसराय की बेटियों ने यहाँ कमाल का खेल दिखाते हुए दिखा दिया की बेटियां भी अब किसी से काम नहीं हैं।इस समापन समारोह के मौके पर खेल विभाग के सचिव श्री वी राजेंद्र, खेल विभाग के महानिदेशक रविंद्रन शंकरण, खेल विभाग के निदेशक श्री महेन्द्र कुमार, स्थानीय जान प्रतिनिधि के आलावा, सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

बिहार में सरकार नहीं, सीएम फैसले लेने लायक नहीं रहे

तेजस्वी बोले- नीतीश का चेहरा आगे कर चंद रिटायर्ड अधिकारी और नेता चला रहे सरकार

पटना। में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर सरकार और नीतीश कुमार पर हमला बोला है। उन्होंने राबड़ी आवास के बाहर मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि 'बिहार में अब कोई सरकार है ही नहीं। यहां जो सरकार चल रही है, वह अब होश में नहीं है। अब स्थिति ऐसी हो गई है कि चर्चा करनी पड़ रही है कि राज्य में सरकार है भी की नहीं।' तेजस्वी ने ये भी कहा कि 'अगर यहां सरकार है तो मुख्यमंत्री को लीड करना चाहिए, लेकिन वे तो कोई भी निर्णय लेने लायक बचे ही नहीं है। यहां सरकार कुछ रिटायर्ड अधिकारी, पटना और दिल्ली के 2 नेता चला रहे हैं। मुख्यमंत्री यात्रा पर निकल रहे हैं, लेकिन उनकी ओर से कोई संवाद नहीं किया जा रहा है। ना सदन में कोई बात कर रहे हैं और ना हमारे चिट्ठी का जवाब दे रहे हैं।' बिहार में नहीं होगा खेला बीते कुछ दिनों से बिहार में फिर खेला होने की अटकलों पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि- 'ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला है, ये सब बेकार की बातें हैं। इसमें कहीं कोई भी सच्चाई नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है।' पूरा पेपर रद्द होना चाहिए बीपीएससी को लेकर उन्होंने कहा कि 'अगर पेपर लीक हुआ है तो पेपर रद्द होना चाहिए। री-एग्जाम होना चाहिए। एक सेंटर की परीक्षा को बीपीएससी ने रद्द किया है। इसके साथ ही बाकी सेंटर की भी परीक्षा रद्द होनी चाहिए। शिकायतें हर जगह से आ रही हैं। इसके बाद भी सरकार कुछ नहीं कर रही है। 17 महीने सरकार में रहने के बाद लोगों के चेहरे पर खुशी थी, जो अब दुख में बदल चुकी है।' एक साल में एक भी नौकरी नहीं तेजस्वी को राजनीतिक अनुभव नहीं- बीजेपी तेजस्वी यादव के बयान को लेकर भाजपा प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा कि 'उनमें संस्कार का आभाव है। उन्हें बड़ों के मान-सम्मान का ध्यान तक नहीं है। बिहार सरकार और एनडीए में सारा आदेश सीएम का होता है।

बिहार में नहीं होगा खेला

बीते कुछ दिनों से बिहार में फिर खेला होने की अटकलों पर नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि- 'ऐसा कुछ भी नहीं होने वाला है, ये सब बेकार की बातें हैं। इसमें कहीं कोई भी सच्चाई नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह कोई मुद्दा ही नहीं है।

तेजस्वी यादव ने कहा-

पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल ने उनको चिट्ठी लिखी थी, लेकिन इसका जवाब उन्होंने नहीं दिया। उनकी जगह उनके मंत्री संजय झा जवाब दे रहे है। इन लोगों ने सीएम नीतीश कुमार को कैद करके रखा हुआ है। अब इस बात को कोई माने चाहे ना माने, लेकिन यही सच्चाई है।

कटिहार में महापौर ने किया समीक्षा बैठक

कटिहार। के नगर निगम कार्यालय में शनिवार को महापौर की अध्यक्षता में नगर निगम के कनिय अभियंता, सहायता अभियंता, योजना सहायकों के साथ समीक्षा बैठक हुई। जिसमें महापौर उषा देवी अग्रवाल ने शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। साथ ही शहर के विभिन्न वार्डों में रुके पड़े कामों को जल्द चालू कराने और पूर्ण होने वाले विभिन्न योजनाओं को जल्द पूरा करने का निर्देश दिया।

मौके पर नगर निगम के कनिय अभियंता अजय सिंह, अमित कुमार, आशीष कुमार, वरुण कुमार और अन्य पदाधिकारी गण मौजूद रहे।

तेजस्वी यादव दोबारा बनेंगे पापा

पटना। RJD नेता तेजस्वी यादव एक बार फिर पिता बनने वाले हैं। उनके घर फिर से किलकारी गूंजेगी। उनकी पत्नी राजश्री प्रेग्नेंट हैं। वह कोलकाता में रेस्ट कर रही हैं। इस नई खबर से लालू-राबड़ी परिवार में खुशी है। सबसे ज्यादा खुश लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी हैं। इधर, तेजस्वी यादव सियासी यात्रा के बाद पत्नी के पास जाने वाले हैं। वह न्यू ईयर अपनी पत्नी के साथ कोलकाता में मनाएंगे। कल (रविवार को) पत्नी के पास जाएंगे। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, तेजस्वी यादव जल्द कोलकाता जाना चाहते थे, लेकिन

राजनीतिक कार्यक्रम पहले से तय था। मार्च 2023 में तेजस्वी यादव पहली बार पिता बने थे। उस वक्त एक बेटी का जन्म हुआ था, जिसका लालू यादव ने कात्यायनी नाम रखा। उस वक्त तेजस्वी नीतीश सरकार में डिप्टी सीएम थे। तब परिवार लैंड फॉर जॉब्स केस में ED और CBI की पूछताछ का भी सामना कर रहा था। 9 दिसंबर 2021 को तेजस्वी यादव ने राजश्री यादव से शादी की थी। दिल्ली के साकेत स्थित मीसा भारती के सैनिक फार्म हाउस पर विवाह समारोह संपन्न हुआ था। पहले दोनों की सगाई हुई। उसके बाद परिवार के समक्ष तेजस्वी-रेचल (राजश्री) ने अग्नि के सात फेरे लिए थे। कार्यक्रम में पिता लालू प्रसाद यादव, मां राबड़ी देवी, बहन मीसा भारती, भाई तेजप्रताप यादव और वढ के पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी पत्नी डिंपल के साथ शामिल हुए थे।तेजस्वी यादव और उनकी पत्नी की दोस्ती बचपन की है। दोनों साथ में उद्धर, आरके पुरम में पढ़ते थे। वहीं, 2014 से करीब आ गए थे।

दोस्ती प्यार में बदली और दोनों एक-दूसरे के हो गए।

संक्षिप्त डायरी

दो स्कूल की छात्राओं के बीच जमकर हुई मारपीट

मुजफ्फरपुर। शहर के बालूघाट रोड 2 में छात्राएं आपस में भिड़ गईं। इस दौरान दोनों तरफ से गाली-गलौज होने के साथ जमकर लात-घुसे चले। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जो शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे की बताई गई है। पूरे मामले को ोकर लोगों ने बताया गया है कि मारपीट की घटना बॉयफ्रेंड के विवाद में हुई। जिसमें एक गुट सरकारी हाई स्कूल और दूसरा मिडिल स्कूल का था। छात्राएं जंगली माई स्थान व अखाड़ाघाट बांध रोड की रहनेवाली हैं। बताया गया कि छुट्टी होने के बाद विवाद तू-तू, मैं-मैं से शुरू हुआ जो गाली-गलौज होते-होते हाथापाई तक पहुंच गया। स्थानीय लोगों की डांट-फटकार के बाद लड़कियां वहां से चली गईं, पर नाला रोड में जाकर फिर भिड़ गईं। वहां जमकर मारपीट हुई। बीच-बचाव करने आई एक छात्रा की मां और भाई के साथ भी दूसरे गुट की छात्राओं ने मारपीट की। कुछ देर के लिए वहां अफरातफरी मच गई। कई छात्राएं हल्की रूप से चोटिल हुईं। जिसे पास की दवा दुकान में इलाज कराया गया। स्थानीय लोगों ने हस्तक्षेप कर दोनों गुटों के छात्राओं को समझाकर शांत कराया। पूरे मामले का वीडियो किसी व्यक्ति ने चुपके से बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। सिकंदरपुर थानेदार रमन कुमार ने बताया कि इस संबंध में अब तक कोई शिकायत नहीं मिली है। वीडियो की जानकारी हुई है। शिकायत होने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लखीसराय में विवाहिता की संदिग्ध मौत

लखीसराय। के पीरीबाजार थाना क्षेत्र के महिसोनी गांव में शनिवार को एक विवाहिता की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई। मृतक की पहचान महिसोनी गांव निवासी सुभाष कुमार की पत्नी नीलकमल कुमारी (30) के रूप में हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। मृतका के भाई हेमंत कुमार ने बताया कि नीलकमल को ससुराल पक्ष के लोग लगातार दहेज के लिए प्रताड़ित कर रहे थे।साथ ही उन्होंने दावा किया कि पैसे की मांग पूरी न होने के कारण उसकी हत्या कर दी गई। उनकी बहन को कई बार ससुराल वालों ने मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान किया था। बता दें कि मृतका अपने पीछे दो मासूम बच्चे है। परिजनों ने पुलिस से अपील की है कि वे इस मामले में त्वरित और निष्पक्ष जांच करें, ताकि उन्हें न्याय मिल सके। पीरीबाजार थानाध्यक्ष ने बताया कि अभी मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मृतका के परिवार ने अभी तक आवेदन नहीं दिया है। मायके पक्ष के लगाए गए आरोपों की

योगी बोले: 9000 सफाई कर्मचारी देते हैं, लगते 4000 ही

भाजपा विधायक और पार्षद के सामने सीएम ने कहा: कंबल तक पूरे नहीं बांटते हैं

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में सफाई के लिए 9000 सफाई कर्मचारी प्रतिदिन दिए जाते हैं, लेकिन सफाई में केवल 4000 कर्मचारी ही लगते हैं। बाकी पांच हजार सफाई कर्मचारियों का पैसा ये पार्षद बांट लेते हैं। इतना ही नहीं सर्दी में बांटने के लिए जो कंबल दिए जा रहे हैं, वह भी पूरे नहीं बांटे जा रहे हैं। लखनऊ के व्यापारियों की मौजूदगी में सीएम योगी ने लखनऊ उत्तर के भाजपा विधायक नीरज बोरा और नगर निगम के पार्षद अनुराग मिश्रा के सामने यह बात कही। 25 दिसंबर को लखनऊ के व्यापारियों ने मुख्यमंत्री आवास पर सीएम योगी से मुलाकात की। मुलाकात में व्यापारियों ने शहर की सफाई, स्ट्रीट लाइट सहित नगर निगम से जुड़ी समस्याएं रखी। सीएम योगी ने लखनऊ नगर निगम में हो रही गड़बड़ी की गहन जानकारी खुद बताना शुरू किया तो

विधायक नीरज बोरा और पार्षद अनुराग मिश्रा सन्न रह गए। भाजपा विधायक नीरज बोरा ने कहा कि मुख्यमंत्री जी को नगर निगम की एक-एक जानकारी है। वह पार्षदों की कार्यशैली और नगर निगम के भ्रष्टाचार को लेकर नाराज थे, सीएम चाहते हैं कि लखनऊ भी स्वच्छता में पहला स्थान प्राप्त करे, उसमें पार्षदों का सहयोग नहीं मिल रहा है, इसलिए सीएम ने नाराजगी जाहिर की। सीएम ने कहा कि पार्षद खुद सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार में डूबे है। स्थिति यह है कि शहर में 9 हजार सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं, लेकिन मौके पर मुश्किल से 4 हजार कर्मचारी काम कर रहे है। शेष पांच हजार का पैसा बांट लिया जाता है। पार्षद अनुराग मिश्रा ने सफाई देते हुए कहा कि वह तो ऐसा नहीं करते, सीएम ने कहा कि उन्हें पता है पूरे प्रदेश में नगर निगम का यही हाल है। सीएम ने कहा कि आखिर शहर कैसे साफ होंगे, जनता आखिर इन्हें चुनाव क्यों जीताती है। सीएम ने कहा कि सर्दी में बांटने के लिए कंबल भेजे जाते हैं, लेकिन वह भी पूरे नहीं बांटे जाते। लखनऊ व्यापार मंडल के एक पदाधिकारी ने बताया कि निगमों में होने वाली सभी तरह की गड़बड़ियों की जानकारी सीएम को दी। उन्होंने कहा कि जनता ऐसे भ्रष्ट पार्षदों को जीता क्यों रही है। सीएम ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षा और सहूलियत के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है। कानून व्यवस्था में सुधार के साथ यातायात व्यवस्था को भी दुरुस्त किया जा रहा है। सीएम ने व्यापारियों से कहा कि आप लोग भी टैक्स समय से जमा कराएं, दूसरे व्यापारियों को भी जीएसटी समय से जमा कराने के लिए प्रोत्साहित करें। व्यापार मंडल के प्रतिनिधियों ने सीएम को बताया कि जीएसटी के अधिकारी परेशान करते है। व्यापारियों को पोर्टल पर सिर्फ ई-वे - बिल कैन्सिल की सूची देखकर नोटिस जारी किया जा रहा है, जबकि ऑनलाइन सिस्टम होने पर जीएसटी पोर्टल पर देखा जा सकता है कि बिल एवं ई-वेबिल के सापेक्ष में कौन सा बिल कितनी देर में बनाया गया है। फिर भी अधिकारी नोटिस जारी कर रहे हैं। अधिकारी फैक्ट्री मालिकों के गेट एवं फैक्ट्री पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे के एक्सेस की मांग कर रहे हैं इससे व्यापारियों में रोष है। व्यापारियों ने बताया कि 2017 में जीएसटी लागू हुई थी, राज्य में अभी राज्यकर के ट्रिब्यूनल का गठन भी नहीं हो पाया है जिससे छोटे-छोटे व्यापारियों को हाईकोर्ट में केस दायर करना पड़ रहा है। व्यापारियों की समस्या समाधान के लिए ट्रिब्यूनल गठित किया जाना चाहिए ताकि छोटे-छोटे मामलों का ट्रिब्यूनल में निस्तारण हो सके। व्यापारियों ने उत्तर प्रदेश में बाकी राज्यों की तरह मंडी गेट पास समाप्त करने की मांग की। प्रतिनिधि मंडल में से चेयरमैन राजेन्द्र कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष अमरनाथ मिश्र,अनिल वमार्नी , कोषाध्यक्ष देवेंद्र गुप्ता, महामंत्री विनोद अग्रवाल, अनुराग मिश्र, अभिषेक खरे, उमेश शर्मा, जितेंद्र सिंह चौहान, युवा अध्यक्ष मनीष गुप्ता मौजूद थे।

कांग्रेसजनों ने जताया पूर्व प्रधानमंत्री मन मोहन सिंह के निधन पर शोक

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री, अर्थ शास्त्री मन मोहन सिंह के निधन पर कांग्रेसजनों ने शोक प्रकट किया है। कसया नगर में पार्टी कार्यालय पर शोक सभा आयोजित कर पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

वक्ताओं ने कहा कि वह कुशल राजनेता और कुशल शासक थे। उनके कार्यो को देश हमेशा याद रखेगा। अध्यक्षता ब्लाक अध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने किया। इस दौरान पंचानंद मिश्रा, जिलाउपाध्यक्ष राधा कृष्ण शर्मा, ओमप्रकाश तिवारी, कांग्रेस के ओबीसी पिछड़ा वर्ग विभाग के महासचिव रविन्द्र विश्वकर्मा उर्फ राधे विश्वकर्मा, रमजान अली एडवोकेट, जाकिर हुसैन, अंशु मणि, वारिस अली, सैफ पठान, अनुज मिश्रा आदि मौजूद रहे। कांग्रेस पार्टी के निवर्तमान जिला महामन्त्री जितेंद्र पटेल ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री सिंह का निधन से पूरा देश शोक में डूब गया है। वह देश में आर्थिक सुधारों, मनरेगा, खाद्य सुरक्षा कानून, डीबीटी के लिए जाने जाते हैं। नगरपालिका परिषद कुशीनगर के सिसवा - महन्थ स्थित श्री राधा कृष्ण इंटर कालेज में प्रधानाचार्य रामप्रवेश यादव, श्रीदुर्गा जी इंटर कालेज में प्रबन्धक महेश पासवान, भगवान बुद्ध समाज कल्याण प्रावि व पुमावि अनिरुद्धवा में प्रबन्धक प्रभुनाथ सिंह, बुध्द इंटरमीडिएट कालेज कुशीनगर में प्रधानाचार्य उमेश कुमार उपाध्याय व अन्य विद्यालयों में प्रधानाचार्यों व प्रधानाध्यापक गण के नेतृत्व में शोक सभा आयोजित कर दो मिनट का मौन रख पूर्व प्रधानमंत्री स्व0 सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

नथुनी सिंह बालिका जूनियर हाईस्कूल में

स्काउट गाइड का हुआ समापन

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के नथुनी सिंह बालिका जूनियर हाईस्कूल में चल रहे तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर के समापन समारोह के अवसर पर शिविरार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सबका मन मोह लिया। अंत में सभी शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र और मेडल दिया गया। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त आरटीओ अजय त्रिपाठी ने शिवरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्काउट गाइड का शिविर जीवन में अनुशासन, नेतृत्व और सेवा भावना विकसित करने की प्रेरणा देता है। जिससे शिविराथियों में सकारात्मक सोच के साथ सुंदर विचार का आरम्भ हो जाता है। इस शिविर में बताए गए बातों को आत्मसात कर आप अपने जीवन को सुंदर और अनुशासित बना सकते हैं। विशिष्ट अतिथि

तहसीलदार तमकुहीराज चंदन शर्मा ने कहा कि यहां अनुशासन में रहकर शिक्षा लेने वाले छात्र निश्चित सफलता पाते है। उन्होंने कहा कि आप अपने लक्ष्य को तय कर आगे बढ़े तो सफलता आपके कदम चूमेगी। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि राजन शुक्ला ने कहा कि स्काउट गाइड जीवन जीने की कला सिखाता है। कार्यक्रम को सेंट जोसेफ स्कूल के संस्थापक सीओ जोश, पूर्व प्रधान विनय तिवारी,मनीष तिवारी ,मजीबुल्लाह राही आदि ने सम्बोधित किया। इसके बाद अतिथियों ने टोलियों का निरीक्षण किया।शिविर में प्रशिक्षक एमडीआई खान और जेपी रावत ने छात्रों को विभिन्न प्रकार की कौशल और तरकीबें सिखाईं, जिनमें प्राथमिक उपचार, अनुशासन, और नेतृत्व क्षमता का विकास शामिल था। शिविर में प्रथम ,द्वितीय और तृतीय स्थान लाने वाले टोलियों का मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कवि व पत्रकार मनंजय तिवारी निर्मल ने किया। अंत में कालेज के प्रबधंक विकास सिंह भोलू व प्रधानाचार्य कांतिपति नंदलाल सिंह ने आये हुए आगंतुकों के प्रति अभार प्रगट किया। इस दौरान अम्बरीश दीक्षित, प्रमोद सिंह, नागमणि, तृप्ति, रियाजुद्दीन, स्वत्रंत सिंह, रविन्द्र सिंह, रजनीश उपाध्याय, नर्वदेश्वर मिश्रा उपस्थित रहे।

लखनऊ में श्रीराम कथा का आयोजन

लखनऊ । मोती महल लॉन में श्रीराम कथा के दूसरे दिन रामकथा मर्मज्ञ स्वामी राघवाचार्य महाराज ने कहा- भगवान के भीतर पाप नष्ट करने की जितनी क्षमता है, उतनी मनुष्य के भीतर पाप करने की नहीं। स्वामी ने भक्ति को नम्रता का पर्याय बताया।

उन्होंने कहा- जो व्यक्ति जितना विनम्र है, वह उतना बड़ा भक्त है। उन्होंने मानव जीवन में विनम्रता के महत्व को बताया। श्रीराम कथा आयोजन समिति के संयोजक डॉ. सप्तर्षि मिश्र और अधिवक्ता संजीव पाण्डेय ने लखनऊवासियों से कथा में शामिल होने का आग्रह किया। उन्होंने कहा- श्रीराम कथा पंडाल उत्तम चरित्र गढ़ने का केंद्र बन गया है। यहां पूज्य संतों के आशीर्वचन से भक्तजन प्रेरणा और आनंद प्राप्त कर रहे हैं।

आज की कथा के मुख्य यजमान डॉ. सुशील कुमार त्रिवेदी और अरुण मिश्र थे।

लखनऊ में अवैध प्लॉटिंग पर भड़कीं कमिश्नर

लखनऊ। सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायतों पर शनिवार को कमिश्नर अचानक सदर तहसील पहुंची। कमिश्नर डॉ. रोशन जैकब ने ग्राम सभा लोनापुर और लौलाई का निरीक्षण किया। सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा देखकर भड़क गईं। मौके पर ही लेखपाल दिलीप बाथम को फटकार लगाई। लंबे समय से लखनऊ में तैनात लेखपाल दिलीप बाथम के खिलाफ मंडल आयुक्त को एक्शन लेने के निर्देश दिए। ग्राम सभा लोनापुर में सरकारी गाटा संख्या 372, 373 और 377 पर प्रॉपर्टी डीलर अभिषेक मिश्रा ने अवैध प्लॉटिंग की थी। जांच में पता चला कि जमीन को कब्जा मुक्त कराने के निर्देश दिए गए थे। लेकिन राजस्व लेखपाल दिलीप बाथम ने लापरवाही और शिथिलता बरती। इसपर कमीश्नर डॉ. रोशन जैकब ने लेखपाल दिलीप बाथम के खिलाफ

आरोप पत्र जारी किया। कमिश्नर ने कहा कि अगर लेखपाल ने कार्यशैली में सुधार नहीं लाया, तो उन्हें सस्पेंड कर दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान अन्य भू-माफिया की अवैध गतिविधियों पर भी मंडलायुक्त ने सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। बिल्डर अभिषेक मिश्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने और सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने की भी बात कही। वहीं माधव ग्रीन सिटी कॉलोनी के प्रोपराइटर मथुरेश श्रीवास्तव पर भी एफआईआर दर्ज कराने का आदेश दिए। मुकेश श्रीवास्तव ने ग्राम सभा लौलाई की सरकारी भूमि गाटा संख्या 75/5, 62/7 और 69स पर अवैध प्लॉटिंग की थी। रिजवान और राजेंद्र यादव के खिलाफ सरकारी गाटा संख्या 62 और 62/7 पर कब्जा करने के मामले में एफआईआर दर्ज कराने और भूमि को मुक्त कराने के निर्देश। मंडलायुक्त ने कहा कि सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे हटाने को लेकर जिलेभर में व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। भूमि पर किए गए अतिक्रमणों की पहचान के लिए जीएस मैपिंग और पैमाइश की जा रही है। मंडलायुक्त ने अधिकारियों से कहा कि सरकारी भूमि पर कब्जा हटाने के बाद अगर दोबारा कब्जा होता है, तो संबंधित के खिलाफ नामजद त्रक्रफ दर्ज की जाएगी। भू-माफियाओं को संरक्षण देने वालों पर भी कठोर कार्रवाई की जाएगी। मंडलायुक्त ने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त करने के बाद उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। भूमि पर स्वामित्व बोर्ड लगवाकर उसे संरक्षित किया जाए। मंडलायुक्त ने नियमित समीक्षा करने और कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए।

क्रिकेट में इलाहाबाद को हरा दिल्ली पहुंची सेमीफाइनल

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर के पावानगर महावीर इण्टर कालेज के राज मालती स्टेडियम में आयोजित 19वीं अखिल भारतीय शहीद मेजर अमिय त्रिपाठी क्रिकेट प्रतियोगिता के पूल बी के दूसरे मैच में दिल्ली चैलेंजर्स दिल्ली की टीम ने इलाहाबाद एकादश प्रयागराज को एकतरफा मुकाबले में पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गई। दिल्ली के आईपीएल खिलाड़ी अनुरीत सिंह को आल राउंड प्रदर्शन के लिए मैन आफ द मैच चुना गया। शनिवार को दस बजे से शुरू हुए इस प्रतियोगिता में दिल्ली के कप्तान अंकित त्रिपाठी ने टांस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी प्रयागराज की टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। निर्धारित 30 ओवरों के खेल सत्रहवें ओवर में सभी विकेट गंवाकर मात्र 79 रनों का स्कोर खड़ा किया। जिसने शशांक मेहरोत्रा ने 27गेंदों पर दो छक्के, तीन चौकों के मदद 33 रन, और अखिल कुमार कश्यप ने 18 रनों का योगदान दिया। प्रयागराज के सात खिलाड़ी 65 रन के स्कार पर पेवेलियन लोट गए थे जबकि चार खिलाड़ी बिना खाता खोले ही आउट हो गए। दिल्ली के तरफ से गेंदबाजी करते हुए अनुरीत सिंह, शिवम शर्मा, मुहम्मद आसिफ मंसूरी, विजन पांचाल ने दो - दो विकेट तथा पंकज जायसवाल ने एक विकेट लिया वहीं ओपनर बल्लेबाज एक रन के स्कोर पर रनआउट हो गए। लक्षय का पीछा करने उतरी

दिल्ली की टीम ने आठवें ओवर के पहले गेंद पर पांच विकेट गंवाकर मैच को जीत लिया। दिल्ली के तरफ से गेंदबाजी करते हुए अनुरीत सिंह 23 गेंदों का सामना करते हुए तीन छक्के, तीन चौकों के मदद से 32 रन, विजन पांचाल ने पांच गेंदों पर दो छक्के एक चौका के मदद से 16 रन तथा अजय शुक्ला ने 10 रनों का योगदान देकर टीम को जीत दिला दिया। प्रयागराज के तरफ से गेंदबाजी करते हुए विशाल यादव, शशांक मेहरोत्रा, अन्नू राजा तथा सुमित पाण्डेय को एक- एक सफलता मिली। दिल्ली के खिलाड़ी अनुरीत सिंह के 32 रनों की पारी खेलते हुए दो विकेट लेने पर मैन आफ द मैच का पांच हजार का नगद पुरस्कार आयोजन समिति के संरक्षक और उ.प्र.फुटबाल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अजय त्रिपाठी ने प्रदान किया। मैच की अम्पायरिंग यूपीसीए पैनल के अंपायर पवन यादव व संतोष कुमार सिंह ने किया।

जबकि थर्ड अंपायर अशोक शर्मा रहे। स्कोरिंग यूपीसीए पैनल के स्कोरर भूषण मिश्रा ने किया।मैच के रेफरी सतीश पाण्डेय रहे।मैच का कमेंट्री मुहम्मद आलम तथा गुड्डू पाण्डेय के साथ अंतरराष्ट्रीय भोजपुरी कमेंटेटर सुमित मिश्रा गुलाब हुसैन रिजवी जीओ सिनेमा ने किया। मैच का लाइव प्रसारण सचिन यादव और उनके टीम द्वारा किया जा रहा है। मैच का शुभारंभ खिलाड़ियों से परिचय प्राय कर टीएन राय ने किया।

इस दौरान शासकीय अधिवक्ता अभय त्रिपाठी, सेंट जोसेफ स्कूल के संस्थापक सीओ जोश, सामाजिक कार्यकर्ता केदार सिंह,डा.केपी सिंह, राजन शुक्ला, विनीत कुमार बंटी, प्रदीप सिंह,मीडिया प्रभारी दिनेश सिंह, आजाद अंसारी, वैभव पांडेय, अनुराग पांडेय,उदयभान सिंह, मंजूर आलम, गुड्डू चौहान, सुनील सिंह, मनोज चौबे, गणेश त्रिपाठी, गोविन्द यादव, कविंद्र सिंह, खुर्शीद आलम, चन्दन दुबे, सत्यम त्रिपाठी, शिवम त्रिपाठी, भास्कर राय, पंकज ओझा, पिंटू सिंह, गुड्डू सिंह, पिंटू राय आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात आज, तैयारी पूरी

संवाददाता

कुशीनगर। प्रधानमंत्री मोदी रविवार 29 दिसंबर को सुबह 11 बजे 'मन की बात' कार्यक्रम में विभिन्न विषयों और मुद्दों पर अपने विचार साझा करेंगे। 'मन की बात' कार्यक्रम आकाशवाणी और दूरदर्शन के सभी नेटवर्क, ऑल इंडिया रेडियो, समाचार वेबसाइट और न्यूज ऑन एआईआर मोबाइल एप पर प्रसारित होगा इसके साथ ही मन की बात कार्यक्रम का सीधा प्रसारण आकाशवाणी, दूरदर्शन, प्रधानमंत्री कार्यालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर प्रसारित किया जाएगा। यह जानकारी जिलाध्यक्ष दुर्गेश राय के हवाले से जिला मीडिया प्रभारी विश्वरंजन कुमार आनन्द ने दी। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी के जनप्रतिनिधि, वरिष्ठ नेता, प्रदेश/क्षेत्र तथा जिला पदाधिकारी अपने आवंटित बूथों पर स्थानीय पदाधिकारी के साथ प्रधानमंत्री के मन की बात सुनेंगे तथा नवनिर्वाचित बूथ समिति के सदस्यों को सम्मानित करेंगे। इसी तरह मोर्चा, विभाग, प्रकोष्ठ,मण्डल शक्ति केंद्र व बूथ पदाधिकारी अपने अपने बूथों पर आम जनता के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम सुनेंगे। मन की बात कार्यक्रम के जिला संयोजक व जिला मंत्री विवेकानंद शुक्ल ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी द्वारा जनपद के सभी बूथों पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का प्रसारण किया जाएगा,जिसकी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

जल भराव को लेकर किया प्रदर्शन

बलरामपुर । हिडुलीकलां गांव में जल जीवन मिशन के तहत सप्लाई की जा रही पानी की पाइपलाइन के लीकेज से जलभराव की समस्या पैदा हो गई है। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने प्रदर्शन कर जिलाधिकारी से उचित प्रबंध और सप्लाई में हुई अनियमितताओं की जांच की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि छह महीने पहले शुरू हुई इस सप्लाई में घटिया पाइप का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते यह दिक्कत उत्पन्न हुई। हिडुलीकलां के रेहार पुरवा में पानी टंकी से सप्लाई के दौरान पाइप लीकेज हुआ। इसके चलते गांव के मुख्य मार्ग पर पानी भर गया। ग्रामीण छेदीराम और लक्ष्मण के घरों में दीवारें गिरने और दरारें आने की शिकायतें हैं। घरों में 1-2 फीट तक पानी भरने से सामान खराब हो गया। मुख्य मार्ग पर पानी भरने से आवागमन बाधित हो गया है। स्थानीय ग्रामीण सोनपाल, राजेश, अलखराम और अन्य ने कार्यकारी संस्था पर मानक विहीन पाइपलाइन बिछाने का आरोप लगाया। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 40 घरों में पानी घुस गया, जिससे किचन, बेडरूम तक पानी भर गया। तेज फोर्स से पानी बाहर आने से अनाज, कपड़े और अन्य सामान खराब हो गए। मामले पर अधिशासी अभियंता संदीप सिंह ने कहा कि पाइप लीकेज की वजह से पानी घरों में गया। ग्रामीणों की शिकायत पर जांच की जा रही है। मानक विहीन काम पाए जाने पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह की घटनाओं पर त्वरित कार्रवाई जरूरी है ताकि भविष्य में ऐसी दिक्कतें न हों। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से इस मामले में हस्तक्षेप कर जांच कराने और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही, उन्होंने खराब पाइपलाइन को जल्द बदलने और जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान निकालने की अपील की है।

बाघ ने 100 मीटर दौड़ाकर गाय की गर्दन मरोड़ी

लखनऊ । रहमानखेड़ा क्षेत्र के बुधड़ियां गांव में बाघ ने गाय का शिकार किया। शनिवार सुबह बाघ ने गाय और उसके बछड़े को दौड़ा लिया। करीब 100 मीटर दौड़ाकर टाइगर ने गाय की गर्दन मरोड़ दी। गाय का बछड़ा भी गायब है। सूचना के बाद वन विभाग की टीम पहुंची। वन विभाग के अधिकरियों ने बताया कि शिकार वाले एरिया में कॉम्बिंग बढ़ा दी गई है। वहां एक पिंजरा भी लगाया जाएगा। इसके अलावा जल्द ही हाथियों को भी इस इलाके में लाया जाएगा। बुधड़िया गांव के महेश रावत ने बताया कि बाघ शनिवार सुबह अचानक आम के बाग में आया। यहां चर रही गाय और बछड़े को दौड़ा लिया। करीब 100 मीटर तक गाय का पीछा करने के बाद बाघ ने उसे गले से पकड़कर गिरा दिया। मारने के बाद पीछे का हिस्सा खा गया। महेश रावत ने बताया- मैं बाग में खाद डालने गया था। बाघ देखकर घबरा गया और गांव की ओर भागा। लोगों को सूचना दी। इसके बाद वन विभाग की टीम को मौके पर बुलाया गया। गांव के लोगों के साथ वापस बाग जाकर देखा तो बाघ जा चुका था। मृत गाय पड़ी थी, लेकिन बछड़ा गायब था। डीएफओ डॉ. सितांशु पांडेय ने बताया कि गाय के शिकार वाली जगह पग चिह्न मिले हैं। कॉम्बिंग बढ़ाई गई है। मीठे नगर जाने वाले खड़ंजे पर पुलिया के नीचे जहां बाघ ने जंगली सुअर का शिकार किया था। वहां पर भी एक पिंजरा लगाया जाएगा। 1 जनवरी को हाथियों को भी बुलाया जाएगा। इधर, शाहपुर गांव में शुक्रवार को भी बाघ दिख था। वन विभाग टीम ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया। वन विभाग को शनिवार सुबह गांव के आस-पास बाघ के नए पग चिह्न नहीं मिले हैं। शाहपुर के रहने वाले गोविंद ने बताया कि गुरुवार रात खेत में पानी लगा रहे था। तभी सामने से एक बड़ा जानवर निकला। मैं घबराकर पास ही झाड़ियों में छिप गया। सुबह देखा तो बाघ के पग चिह्न थे। पास में ही किसान सकटु के खेत में भी बाघ के पग चिह्न मिले हैं। वन विभाग की टीम दिन में जांच करने पहुंची थी।

भक्ति और शक्ति के समन्वयक गुरु गोबिंद सिंह जी

डॉ सुरिन्दर कौर नीलम

भक्ति की लहर पर जब अनीति और अन्याय का तूफान भारी पड़ने लगे तो महापुरुषों के लिए भक्ति के साथ शक्ति का समन्वय करना आवश्यक हो जाता है ताकि अन्याय पर विजय प्राप्त की जा सके। सिखों के दसवें गुरु गोबिंद सिंह जी के समय औरंगाजेब के अत्याचारों के विरुद्ध लड़ने के लिए भक्ति के साथ शक्ति का समन्वय कर उन अत्याचारों पर विजय प्राप्त कर देश और कौम की रक्षा करने का श्रेय गुरु गोबिंद सिंह जी को जाता है।

गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म पटना साहिब में 22 दिसम्बर 1666 ई को हुआ था। गुरु जी के जीवन उद्देश्यों और वाणी से भक्ति और शक्ति का मेल प्रत्यक्ष दृष्टिगोचर होता है। गुरु जी के अनुसार भक्ति हमेशा शक्ति से अग्रणी है। भक्ति से आत्मिक, शारीरिक और मानसिक शक्ति प्राप्त हो सकती है परन्तु शक्ति द्वारा भक्ति उत्पन्न नहीं हो सकती। हां! शक्ति, भक्ति में सहायक जरूर हो सकती है। शक्ति का स्थायित्व उतनी ही देर तक रहता है जब तक भक्ति कायम है।

गुरु जी ने भक्ति का अर्थ केवल ईश्वर स्तुति से नहीं लिया है बल्कि उनका आशय शुभ कर्मों और उच्च नैतिक मूल्यों से है। किसी देश और कौम में आचरण संबंधी पवित्रता होनी चाहिए। अपने शुभ कर्मों के प्रति पूर्ण समर्पण की भावना ही भक्ति है। गुरु जी ने शुभ गुणों की मांग करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा है

देहि शिवा वर मोहे इहै
शुभ करमन ते कबहुं न टरौं।
न टरौं अरसों जब जाए लरौं,
निश्चय कर अपनी जीत करौं।।

भक्ति और शक्ति दोनों से ओतप्रोत होने के कारण गुरु जी को संत सिपाही कहा जाता है। एक निपुण फौजी होने के कारण उन्होंने 1699 ई में ₹ खालसा₹के रूप में संत सिपाहियों के जज्बे के साथ अन्याय से लड़ने हेतु खालसा सेना तैयार की और उनमें शारीरिक तथा आत्मिक दोनों बल भरा।

गुरु गोबिंद सिंह जी का साहित्य भी भक्ति रस और वीर रस का समन्वय है। गुरु जी को संस्कृत सहित अनेक भाषाओं का ज्ञान प्राप्त था। वे उच्च कोटि के साहित्यकार थे। उनकी वीर रस की रचनाओं में भी धार्मिक उपदेश झलकते हैं। उनके युद्ध भी धर्म युद्ध होते थे। अपनी प्रसिद्ध रचना ₹ विचित्र नाटक₹ में उन्होंने ईश्वर को तेग रूप कहकर नमस्कार किया है और अपना आदर्श मार्ग अहिंसा को बनाया है। उनके अनुसार हिंसा भी कभी अहिंसा होती है और अहिंसा भी कभी हिंसा। बहुत बार परोपकार के लिए भी हिंसा करनी पड़ती है। भक्ति से शक्ति उत्पन्न होती है परन्तु यह शक्ति कब और कहां उपयोग में लायी जाए,इसका ज्ञान भक्ति द्वारा होता है। भक्ति से उत्पन्न शक्ति द्वारा ही राजसी शक्ति भी प्राप्त होती है।

कोऊ किसै को राज न दे है,
जो ले है निज बल से ले है।

गुरु जी के व्यवहार, आदर्श, साहित्य इत्यादि सभी में भक्ति और शक्ति दोनों को साथ - साथ रखा गया है। एक महान योद्धा में गहरी भक्ति के गुण विरले ही मिलते हैं।

आज आवश्यकता है एक ऐसी शक्ति की, जिससे हम अपने अंदर की इंसानियत को पहचान सकें और अपनी भक्ति और शक्ति का सदुपयोग कर विश्व शांति और एकता स्थापित करने में अपना योगदान दे सकें।

उलझी उलझी सी जिंदगी

सुदीप्ता सेठी राउत

उलझी उलझी सी जिंदगी सब की है यहां।
सुकून और चैन किसी को मिलता है कहां?
सबकी अपनी-अपनी है संघर्ष की कहानी
जाने किस्मत की लकीरों ने क्या है लिखा?
कभी क्रोध हावी हो जाए
कभी लालच मन में जग जाए
कभी भक्ति के सामने सबकुछ लुप्त हो जाती
और जीवन की गाड़ी नियति से चलती जाती
कोई देश के लिए करता प्राण न्योछावर
कोई घूम घूम बन जाता यायावर
कोई कम में ही संतोष पा जाता
कोई अभाव का रोना गाता
कभी कांटों भरा रहता सफर
जिसे गुजारना पड़ता हंसकर।
कभी बदसूरत कभी खूबसूरत लगता यह जहां।
इससे रूठ कर भी हम जाएं कहां
उलझी उलझी सी जिंदगी सब की है यहां
सुकून और चैन सबको मिलता है कहां

हमारी सासु माँ

प्रतिभा प्रसाद 'कुमकुम'

मेरी शादी हुए ज्यादा दिन नहीं हुआ था। फिर भी एक बेटा था गोदी में। मेरी बड़ी बहन जमशेदपुर में ही साक्ची में रहती थी। रविवार को जीजा जी, दीदी और बच्चों की छुट्टी रहती थी। बस क्या था यदि मैं पहुँच गई तो मजलिस जम जाती थी। साक्ची में ही टीएमएच का डिस्पेंसरी था। अतः दवा लेने जब-जब साक्ची जाती दीदी के घर चक्कर लगा आती थी। रात को खाना खाकर ही आना होता था। मैं शाम में चार बजे घर से जाती थी और रात नौ या दस बजे तक लौटती थी। अतः रात का खाना माँ को ही बनाना पड़ता था। यह एक महिने में एक बार हो ही जाता था। एक बार क्या हुआ। बेटे के लिए दवा लाना जरूरी था तो माँ ने कहा कि तुम मेरे बेटे के साथ जाओ मेरा पोता मेरे साथ घर पर ही रहेगा। लेकिन सात बजे तक आ जाना।

हम दोनों तैयार होकर निकलने लगे तो बाहर ग्रील में और घर के पीछले दरवाजा में ताला बंद था और चाभी ननद रानी के पास। उन्होंने ने मुझे और सासु माँ को चुनौती दी कि देखते हैं तुम्हारे बहू बेटा कैसे घुमाने जाता है? न तो बाहर ग्रील खुलेगा न पीछे दरवाजे का ताला। मैं रुआंसी सी अपने कमरे में आकर बैठ गई। आधे घंटे बाद सासु माँ आंईं और बोली चुपचाप आओ।

मैं उनके पीछे-पीछे। छत पर जाने वाले सीढ़ी से आधा उपर चढकर बोलीं स्टूल पर चढ़ कर बगल घर में कूद जाओ। पूछने पर कहना अस्पताल जाना जरूरी है चाभी भूल गया है। तुम्हारा पति छज्जे से कूदकर बाहर तुम्हारा इंतजार कर रहा है। मैं भी कूदकर चली गई।

अस्पताल से दवा लेकर दीदी के घर गई। वहाँ थोड़ी देर बैठी फिर बोली कि नहीं आज बच्चे का तबीयत खराब है, जल्दी जाना है। बातों-बातों में सारी घटना बताई। सभी का हँस-हँसकर बुरा हाल था।

लौटने पर घर में युद्ध का अखाड़ा देखने को मिला। सासु माँ अपनी बेटी से कह रही थी शादी के दस बरस बाद भगवान एगो बेटी दिए। बेटी के नौ बरस बाद दंतामंत्ता से बेटा हुआ। बेटा बत्तीस बरस का हुआ तब बहू देखें। अगर घूमने ही गई है तो भी जाएगी। अपने दुल्हा के साथ गई है। तुम को काहे मिर्ची लग रहा है। हाँ हम दीवाल तड़पाएं हैं। स्टूल लेकर हम गए थे। क्या कर लोगी करो। मेरे लाश पर से गुजरना पड़ेगा। मेरा बेटा सासु माँ की गोद में रोने लगा तभी मैं जाकर उसे गोद में ले ली। आज भी वो घटना याद आती है तो रुलाई आ जाता है। माँ बोलतीं थी एक समय कोई रोकने वाला नहीं होगा लेकिन तब कहीं जाने का मन नहीं करेगा। यहीं समय है। सास ननद होती किसलिए हैं। आज तुम घूमों, कल वो भी घूमेगी। इसमें चिल्ला-चिल्ली क्यों?

पूस पीठा

सत्या सिन्हा

पूरा घर महक उठता,
जब आजी नया धान कूटती।
सारी मेहनत वो अकेले करती,
मैं तो बस आगे पीछे घूमती।
पूस की कटकटाती ठंड में,
आजी संग रजाई में छिपना।
जागते सोते स्वप्न में भी,
गुड़ - पीठा की लालसा करना।
बड़ी नेमत से चावल चुनती धोती,
किस्से - कहानियां सुना रिश्ते संजोती।
घेरकर बैठ जाता सारा परिवार,
लगता मानो मन रहा कोई त्यौहार।
मुंह में पानी लाता गुड़ - दूध पीठा,
पोसतू भरवा संग खाते गोटा आचार,
गिन - गिन थाली में सजती आजी,
घेरकर बैठा रहता पूरा परिवार।
यूं तो आज भी बनाती हूं पीठा,
पेट भर जाता है पर वो स्वाद नहीं।
हर साल आता है पूस,
सबकुछ तो है पर वो परिवार नहीं।

लाजवंती

रंजना वर्मा उन्मुक्त

एक हफ्ता हो गया था, हमेशा नियमित रहने वाले अमरनाथ जी का आज भी दर्शन नहीं हुआ तो उनकी प्रातः कालीन मित्र मंडली चिंतित हो उठी। कोई आए चाहे ना आए वह सुबह अपने नियत समय पर पार्क में उपस्थित हो जाते थे। उनके प्रयास से ही सुबह टहलने वालों की एक मंडली बन गयी थी, जो टहलने के साथ साथ एक साथ बैठकर योगा और प्राणायाम भी करते थे। अमरनाथ जी दिल से सच्चे देशभक्त और हिंदी के पुजारी थे। कहते, अगर हम भारतीय ही हिंदी की इज्जत नहीं करेंगे तो दूसरे लोग क्यों उसकी इज्जत करेंगे या उसे अपनाएंगे।

वे लोग आपस में बातें कर रहे थे, उसी समय एक लड़का जो अपने कुत्ते के साथ पार्क में आया हुआ था,उसने अपने कुत्ते को पुकारा, ₹ब्राउनी, कम कम, कम ऑन।

सभी उधर ही देखने लगे। उनमें से एक व्यक्ति बोल उठा, अभी अमरनाथ जी होते तो कहते; देखो कैसे सब कुत्तों का विलायती नाम रखते हैं और उनसे अंग्रेजी में ही बातें करते हैं। बहुत ताज्जुब की बात है कि इसमें वो अपनी शान समझते हैं।

सच में हम लोगों का इस ओर ध्यान जाता ही नहीं था। अमरनाथ जी के रहने से हमें अच्छी अच्छी शिक्षाप्रद बातें सुनने को मिलती है। पता नहीं वह क्यों नहीं आ रहे हैं।

₹इधर एक दिन वह फोन पर किसी से बातें कर रहे थे कि लाजवंती की तबीयत खराब है मैं उसके लिए चिंतित हूं। लाजवंती जी जरूर उनकी पत्नी का नाम होगा। लगता है उनकी तबीयत ज्यादा खराब है। इसलिए वह पार्क नहीं आ रहे हैं। हम लोगों को उनके घर जाकर लाजवंती जी की तबीयत पता करनी चाहिए।

सभी अमरनाथ जी के घर पहुंचे। अमरनाथ जी उन्हें बाहर गार्डन में ही मिल गए। उनके साथ एक विदेशी लड़की भी थी। अमरनाथ जी अपने प्रातः कालीन मित्र मंडली को देखकर खुशी से खिल उठे। उन सभी का स्वागत करते हुए बोले,₹ आइए आइए .....आप सभी का मेरे घर में स्वागत है। मिलिए, यह मेरी बहू लूसी है।

नमस्ते ;मैं जर्मनी से आई हूं। शादी के बाद पिताजी से फोन पर बहुत सारी बातें होती थी। पिताजी की बातों से इतनी प्रभावित हुई कि मैं इंडिया हिंदी सीखने और भारत दर्शन करने के लिए आई हूं। आप लोग बैठे, मैं आप लोगों के लिए चाय लेकर आती हूं।

वह घर के अंदर चली गई।

अमरनाथ जी, आप पार्क में नहीं आ रहे थे। हम लोगों को चिंता हो रही थी। उस दिन हम लोगों ने आप को फोन पर बातें करते सुना कि लाजवंती जी की तबीयत खराब है। हमें लगा उनकी तबीयत ज्यादा खराब हो गई है इसलिए आप नहीं आ रहे हैं। अतः हम लोग लाजवंती जी को देखने के लिए यहां आए हैं। अब उनकी तबीयत कैसी है?

अब लाजवंती की तबीयत ठीक है। अब आए हैं तो उससे मिल लीजिए। लाजवंती...... लाजवंती... उन्होंने बड़े प्यार से लाजवंती को पुकारा।... मेरी लाजवंती बड़ी शर्मीली है, सबके सामने आना नहीं चाहती है

थोड़ी देर में एक दूध सी सफेद बिल्ली धीरे-धीरे इठलाती हुई आई और अमरनाथ जी के पास आकर बैठ गयी। सभी आंखें फाड़े बिल्ली को देख रहे थे।

यह है मेरी लाजवंती।... अमरनाथ जी मुस्कुराते हुए कहा।

सभी हंस पड़े।

उड़ान

रीना सिन्हा सलोनी

सारी जरूरी चीजें
सूटकेस के भरकर चला वो,
तेज-तेज चाल... फिर एक ऊँची उड़ान,
और आ गया परदेश...
सपनों का देश...परियों का देश...
पर कुछ गैर जरूरी चीजें
जो सूटकेस में न आ पाईं,
वो छूट गईं ...

छूट गए मौसम के रंग,
तीज त्योहारों की हँसी ठिठोली,
दिवाली की रंगोली,
अपनी मीठी बोली...
पुरखों की हवेली
माटी का अँगना
बचपन का पालना,
दोस्तों संग लड़ना,
नीम पेड़ का झूला

छूट गई
सर्दी की शाम को
नुक्कड़ की टपरी पर
गर्म चाय वाली गपशप
पड़ोस का मुंडेर वाला घर,
गलियों में घूमते फेरीवालों की आवाजें,
मुहल्ले की पुरानी परचून की दुकान

क्या हुआ जो छूट गए
बाबूजी के झुके कंधे
माँ के आँखो की चमकती खुशी
अपने लोग... रिश्ते नाते...
बस इतना ही तो छूटा...

कोई बात नहीं...
रुपयों की गड्डी से जेबें तो भर गई
पर इन पैसों से न आ सकी
छूटी हुई एक भी चीज...

चाय, चाय, चाय, चाय, चाय ...

पूनम शर्मा स्नेहिल

जिधर देखो बस एक ही चर्चा, हर घर के आंगन में मिल जाती है यह चाय। वास्तविकता में यह चाय क्या है? सबके नजर और नजरिये से इसने अपने अलग-अलग रूप बनाए हैं।

कहीं पर यह दोस्तों के बीच की वह कड़ी बन जाती है। जिसके बिना मुलाकात अधूरी सी लगती है, और कहीं पर यह जश्न की वजह बन जाती है।

वास्तविकता में चाय बड़ी खूबसूरत सी एक वजह है जो दो लोगों को आपस में जोड़ कर रखती है। कुछ पल के लिए कुछ छड़ों के लिए एक जुड़ाव जो प्याली के खत्म होने तक सिलसिले को बनाए रखती है। चाहें प्याली छोटी हो या बड़ी।

मुझे चाय की कोई खास तालाब नहीं है या यूँ कह लूँ कि अगर कोई मिल गया तो चाय पी- ली नहीं तो मैं नहीं पीती चाय।

जब थोड़ा बारीकी से इसे महसूस करने की कोशिश की तो अहसास हुआ कि यह चाय हर इंसान के लिए एक साथी के रूप में हर किसी के पास मौजूद है। वह साथी जो अकेलेपन में आपका साथ निभाता है। आपकी मन की हर बात को मौन रहकर सुन जाता है। जब तक आपके हाथ में होता है। इसने कभी आपकी राय के ऊपर अपनी राय नहीं रखी है। यह आपको आपके विचारों के साथ स्वतंत्र जीने की आजादी देता है। यह बात उन सभी लोगों के लिए है जो घर के आंगन में बैठकर अकेले चाय पीते हैं। और कहते हैं हमें चाय बहुत पसंद है। मैं अपनी बात में गलत भी हो सकती हूं इंसान हूं तो वाजिब है कुछ गलतियां होना...

परंतु वास्तविकता में जैसा समय चल रहा है यहां एक विचार दूसरे विचार से मेल खाता हुआ हो यह बहुत कम होता है जहां मेल खाते हैं वहां विचार गपशप का रूप ले लेते हैं, और वही गपशप में ठहाके लगाकर जहाँ हम अपनी बातों को रखते हैं। वहीं पर यह चाय की चुस्कियाँ उसमें और रस और रंग घोल देती हैं। चीज सिर्फ एक चाय जो विभिन्न जगहों पर विभिन्न तरीकों से अपना किरदार निभाती जाती है। स्वाद भी इसके कई सारे होते हैं।

परंतु असर सिर्फ और सिर्फ एक, सामने वाले को राहत और संतोष के कुछ पल प्रदान करना।

हर तपके के लोग इसे बेहद ही पसंद करते हैं गली की नुक्कड़ से लेकर फाइव स्टार होटल तक यह आपको मिल जाती है। क्योंकि इसे सबका अकेलापन दूर करना होता है। कितनी प्यारी सी बात है ना हर किसी के लिए उसके हिसाब से मौजूद रहती है यह चाय। हर चीज को ढूंढने के लिए जगह और स्थान का पता करना होता है परंतु यह चाय आपको हर जगह मिल जाती है।

इसलिए इस साथी का मान सम्मान और इज्जत करना तो बनता ही है। किसी भी चीज की आती बुरी होती है इसलिए जरूरत से ज्यादा मात्रा में इसका भी सेवन करना हानिकारक माना जाता है। तो दोस्तों थोड़ा-थोड़ा अपने साथ ही से मिलते रहे परंतु जरूर से ज्यादा इसके करीब ना जाए क्योंकि परिवार में और भी रिश्ते हैं समाज में और भी लोग हैं शायद जिन्हें आपकी जरूरत है।

तो वक्त - वक्त पर इस चाय की प्याली का लुफ्ट उठाते रहिए, खुश रहिए, हंसाते रहिए, मुस्कुराते रहिए...

रिटायर

सविता सिंह मीरा

कहने को तो हो रही हो रिटायर,
बट जस्ट चिल अब लगा देना फायर।

पर इस दिल से जाने की नहीं है इजाजत,
बेरोकटोक खटकायेंगे दरवाजे
हम भी अब छोड़ देंगे शराफत।

तुम अब हो रही हो आजाद
कितने दिन तक सहा तुमने अघात|
वह कॉपियों की करेक्शन,
वह प्रिंसिपल की किच किच,
स्कूल की वो तकलीफदेह घंटियां,
सुबह की अफरा तफरी मिच मिच।

अब जिंदगी में नो टेंशन
नहीं होगा अब कोई समर सेशन.
अब जब भी सुबह बजेगा अलार्म
घड़ी को बंद करके सो जाओगी चद्दर तान।

जियोगी अब तुम सुख चैन से,
खुशियां छलकेंगी तेरे दोनों नैन से,
यह बात है याद आओगी तुम
टिफिन तुम्हारी जो रहेगी गुम।

अब जा सिमरन जी ले अपनी जिंदगी
कल से करना जी भर कर दिल्लगी।

अब कुछ वर्षों के बाद
हम भी आ जाएंगे तेरे साथ|
फिर जब हम मिलेंगे सब यार
हंसी खुशी की बरसेगी फुहार।

भिक्षा देना उचित है या नहीं ?

छाया प्रसाद

भिखारियों को भीख देना कहां तक सही है, यह प्रश्न हमेशा मन को बैचेन करता है। जब छोटे-छोटे बच्चें भीख मांगते हुए, दिखते है या वैसी औरते और मर्द जो शारीरिक रूप से बिल्कुल स्वस्थ नजर आते है, तो मन बहुत व्यथित होता है और थोड़ा गुस्सा भी आता है, गुस्सा इसलिए कि ये लोग चाहे तो मेहनत, मजदूरी कर पैसे कमा सकते है, ऐसे मर्द या औरतें खुद तो भीख मांगते है और अपने बच्चो से भी भीख मंगवाने है।ऐसे में भारत का नागरिक होने के नाते हमलोगो को ये कर्तव्य बनता है कि हम इन्हें भीख मांगने से रोकें।

इसके लिए हम सबको सर्वप्रथम, भीख देना बंद करना होगा और उनलोगो को जागरूक करना होगा कि मेहनत कर पैसे कमाए और इज्जत की जिन्दगी जिये क्योकि भीक्षा कभी इज्जत की नजर से नही देखी जाती है।

अतः हम सभी को इनको इज्जत की जिन्दगी देने के लिए, इनके काम का भी इंतजाम करना होगा इनके व्यक्तित्व के गुणों को देखते हुए जीविकोपार्जन का इंतजाम करना होगा जैसे जो बेचारे पढ़े लिखे नही होते, जिनके पढ़े लिखे होने का सवाल ही पैदा नही होता वो तो साफ-सफाई का काम कर सकते है। माली का काम, दूकानो में माल ढ़ोने का, इत्यादि कई काम है, जो करके पैसे कमा सकते है। साथ ही बच्चों को पढ़ने के लिए प्रेरित करें। ये बच्चें आसानी से सरकारी स्कूलों पढ़ सकते है क्योकि शिक्षा निशुल्क दी जाती है और बच्चों खाना भी दिया जाता है,बस उन्हे शिक्षा के प्रति प्रेरित कर स्कूल भेजना होगा। भीक्षा सिर्फ उन्ही को दे, जो शारीरिक रूप से जीविका पालन के लिए सक्षम नही हो,वृद्ध हो असाध्य रोग से ग्रसित हो। इनके अलावे जो भिक्षा मांगने वाले स्वस्थ और बच्चे हो उन्हे भिक्षा देकर कमजोर और आलसी ना बनाये वो जानते है कि भीख मांगना बहुत आसान काम है,मनुष्य का स्वभाव है कि आसान काम की ओर अग्रसर होता है।ऐसे बच्चे बचपन से देखते है कि मेरे मां-बाप भिक्षा मांगते है तो मुझे भी यही करना चाहिए।

ऐसा पाया गया है कि कई भीक्षा मांगने वाले आर्थिक रूप से पूरी तरह सक्षम है लेकिन फिर भी भीख मांग कर जीविकोपार्जन कर रहे है। इसके कई उधारण आजकल सुनने को मिलते है। कई भिक्षा मांगने वाले तो अपने को दिन-हीन दिखाकर भिक्षा मांगना चाहते हैं उन्हें लोगों के द्वारा उपयोगी बस्तु देने पर भी अपनी दैयनिये स्थिति बना कर ही भिक्षा मांगना चाहते हैं उन्हें ऐसा लगता है कि ऐसी स्थिति मे ही हमे लोगों से भीख मिल सकती है। इसी वजह से, इंदौर की सरकार ने, कानून बनाया है कि जो व्यक्ति भीक्षा देते पाया जायगा, उस पर एफ, आइ, आर होगी।

अतः गहरी सोच समझ के बाद, मैंने यह महसूस किया है जो कि मेरा व्यक्तिगत विचार है कि भिक्षा देकर उन्हें और कमजोर और निकम्मा ना बनाएं ऐसा में चाहती हूं, और लोगों से भी, अपेक्षा करती हूं कि वो भी ऐसा ही करें।

जल बिन सूना

पुष्पा पाण्डेय

जल ही से यह जीवन चलता, बिन पानी सब सून।
पंच तत्व में इक है आता, इसकी महिमा गून।
जीवन रक्षक रहा अंबु यह, बचे इसी से प्राण।
नर ही नहीं जगत यह सारा, बन जाए पाषाण।
दाता है यह वन उपवन का, देता तोय सुकून।
पंच तत्व में इक है आता, इसकी महिमा गून।।
निकल पड़ेगा भू छाती से, पावक बन वह नीर।
ज्वालामुखी बनी यह वसुधा, हो जाओ गम्भीर।
सभी जीव की प्यास बुझाता, कैसे गूँथे चून।
पंच तत्व में इक है आता, इसकी महिमा गून।।
जल से भरा कलश रखते हैं, होती पूजा गेह।
वरुण देव की पूजा करते, जीवन से है नेह।
फूल खिले जीवन उपवन में, रहता यही जुनून।
पंच तत्व में इक आता है, इसकी महिमा गून।।
सृष्टि का अस्तित्व ही जल से, यह जीवन का प्राण।
सुधा भी वारि पीछे आती, यह है सत्य प्रमाण।
अनुशासित हो सब माने अब, कुदरत का कानून।
पंच तत्व में इक आता है, इसकी महिमा गून।।

आजादी की कविता

मनीषा सहाय 'सुमन'

एक उड़ता पक्षी उँचे गगन में
उड़ता छूने को आसमान!
खोल हवा में
पंखो को
फड़फड़ाते दूर
निकल जाता
भरने आकाश
का खालीपन!
पिंजड़े में बैठा
पंक्षी !
सलाखों की ओट
से
चुपचाप एकटक आँखों से
निहारता अंतहीन ये गगन
कह नही पाए वेदन अपनी!
भूल चूका है आकाश का स्पर्श!
क्योंकि ! बाँध दिये गये उसके
पैर!!
कतर कर उसके सुंदर पंख!
रोक दी गई है, उसकी उड़ान
बेड़ियों के बंधन में जकड़कर!
सुख, सुरक्षा की बेरहम जंजीरों
में!
जकड़ा आज छटपटा रहा है
देख उँचे आकाश में
उड़ते स्वछंद नभचरों को
और
पिजड़े से ही दर्द भरी
आवाज में गाता है वह
आजादी के कुछ नये गीत
अब चाहता है !
संघर्ष से भरे कुछ लम्हें
स्वछंद भरना को तैयार एक
उड़ान
जो दे उसे जिंदगी की नई
पहचान!
आजादी ! आजादी !आजादी!
केवल पिजड़े से नही
बल्कि मानसिक गुलामी से !
हर सलाख को तोड़ने की
आजादी!
इसलिये गा रहा पिजड़े से
गीत आजादी के !
तोड़ दे अब हर बंधन
बना एक नई पहचान
लिख आजादी की एक कविता!
जो सदियों तक रचे इतिहास!

होशियारों के लिए होशियार

अनामिका मिश्रा

चाँद छूने के लिए रिश्वत यहाँ देना पड़ा,
कुछ सियासी राह पर बेशर्म हो चलना पड़ा।
है बहुत शातिर बताते आम को इमली हमें,
चँद सपनों के लिए खुद को जिन्हें बिकना पड़ा।
अब हुनर बेकार है बाजार इसकी भी लगी,
जो सबर को छोड़ दूजा रास्ता चुनना पड़ा।
बस उलझा कर रह गया सारा जहाँ नफरत लिए, जो सुलझना चाहता हसरत लिए घुसना पड़ा।
है सियासत बस यहाँ कुछ भी बचा लगता नहीं, चैन खुशियों के लिए भी बेवजह झुकना पड़ा।
प्यार दिल में था भरा खुशियाँ लुटा चलते रहे,
वर सह सह के हमें नफरत जरा भरना पड़ा।
मत 'अना' नादान बन कुछ होशियारी भी रखो,
होशियारों के लिए होशियार भी बनना पड़ा।

नरेश अग्रवाल

2024 में विदेशी निवेशकों ने कम किया निवेश, अगले साल सुधार की उम्मीद

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजारों में 2023 में मजबूत निवेश के बाद विदेशी निवेशकों ने 2024 में निवेश कम कर दिया। इस साल शुद्ध प्रवाह पांच हजार करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। उच्च घरेलू मूल्यांकन और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों का ज्यादा सतर्क रुख अपनाना इसकी मुख्य वजह रही। एक शोध प्रमुख ने कहा कि 2025 में भारतीय शेयर में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के प्रवाह में सुधार आ सकता है। इसे कॉर्पोरेट आय में चक्रीय उछाल से समर्थन मिलेगा खासकर पूंजीगत वस्तुओं, विनिर्माण व बुनियादी ढांचे जैसे घरेलू-उन्मुख क्षेत्रों में।

डिपॉजिटरीज के पास उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक अब तक विदेशी एफपीआई ने भारतीय शेयर बाजारों में 5,052 करोड़ रुपए से ज्यादा और ऋण बाजार में 1.12 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। इससे पहले 2023 में शेयर बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया गया था, जो भारत के जुझारू आर्थिक बुनियादी ढांचे के बारे में आशा की किरण रहा। इसके विपरीत 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों की आक्रामक दर वृद्धि के कारण 1.21 लाख करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा शुद्ध बिकवाली दर्ज की गई थी।

वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद भारत में इस साल जनवरी से अब तक औसतन मासिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 4.5 अरब डॉलर से ज्यादा है। देश की एनडीए सरकार के देश में निवेशक अनुकूल उपायों को बढ़ावा देने से 2025 में यह रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है। निवेशक-अनुकूल नीतियां, निवेश पर मजबूत रिटर्न, कुशल कार्यबल, कम अनुपालन बोझ, छोटे उद्योग-संबंधी अपराधों को दूर करना, सुव्यवस्थित अनुमोदन और मंजूरी के लिए राष्ट्रीय एकल खिड़की प्रणाली और उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजनाएं विदेशी निवेशकों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए प्रमुख उपायों में से हैं।

ई-कॉमर्स कंपनियां बढ़ती मांग को पूरा करने बढ़ा रही श्रमिकों की संख्या

-नई नौकरियां देने में गुरुग्राम और कोयंबटूर देश में बड़ा केंद्र बनकर उभरे

नई दिल्ली।

देश में उपभोक्ता खपत तेजी से बढ़ रही है। बड़े शहरों को छोड़ दें तो देश के बाकी शहरों में फास्ट मूविंग कंज़्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) की मांग में तेजी आई है। ऐसे में ई-कॉमर्स कंपनियां क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के जरिए अपनी क्षमता को बढ़ा रही है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने मासिक रिपोर्ट में दावा किया है कि ई-कॉमर्स कंपनियां बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए श्रमिकों की संख्या बढ़ा रही है।

एफएमसीजी व अन्य कंपनियां भी उत्पाद क्षमता को बढ़ाने के लिए लोगों को रोजगार दे रही हैं। 2024 में देशभर में इन कंपनियों द्वारा नौ करोड़ लोगों को अस्थाई और अनुबंध के आधार पर नौकरी दी गई। नई नौकरियां देने के मामले में गुरुग्राम और कोयंबटूर बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। रिपोर्ट कहती हैं कि नौकरी देने की प्रक्रिया में अब भौगोलिक बदलाव दिखाई दे रहा है।

बड़े शहरों को छोड़ गुरुग्राम और कोयंबटूर जैसे शहर रोजगार के केंद्र बन रहे हैं, क्योंकि ई-कॉमर्स कंपनियां अपनी सारी सेवाओं को इन शहरों से संचालित कर रही है।

उपभोक्ता को समय पर डिलीवरी देने अब ई-कॉमर्स कंपनियों ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर काम कर रही है।

देश की जानी-मानी कंपनियां कोयंबटूर और गुरुग्राम जैसे शहरों में अपनी ऑपरेशनल क्षमता को बढ़ा रही हैं।

इससे इन शहरों में रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसे आर्थिक विकास की भाषा में गिग अर्थव्यवस्था भी कहा जाता है। रिपोर्ट कहती है कि खपत बढ़ने से नियुक्तियों में सकारात्मक तेजी देखने को मिली है। भारत में अब लॉजिस्टिक, ईवी, ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर, कृषि, एग्रोकेमिकल्स और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्रों में सबसे ज्यादा अवसर पैदा हो रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर देखा जाए तो प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं विकास में उच्च कौशल वाली नौकरियां पैदा हो रही हैं, लेकिन भारत में उच्च कौशल के साथ ही निम्न और मध्यम कौशल श्रेणी में रोजगार के अवसर मिल रहे हैं।

आरबीआई की मानना है कि आगामी साल 2025 में देश भर में सेमीकंडक्टर उद्योग और उससे

जुड़े अन्य उद्योगों के जरिए देशभर में 80 हजार नई नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। सरकार द्वारा संचालित सेमीकंडक्टर मिशन के तहत 1.25 लाख करोड़ का निवेश किया जा रहा है, जिससे पूरे उद्योग में संगठित और असंगठित क्षेत्र की नौकरियां पैदा होंगी।

रिपोर्ट कहती है कि जीडीपी की गति आने वाले वित्तीय वर्ष में 6.7 फीसदी या उससे थोड़ा ऊपर रहने का अनुमान है, लेकिन तमाम क्षेत्रों में रोजगार के अवसर पैदा होने की बड़ी संभावना है। वहीं, महंगाई दर 3.8 तक रहेगी।

साल 2022 में नीति आयोग ने ई-कॉमर्स कंपनियों से जुड़कर सेवाएं देने वाले गिग वर्करों को लेकर अध्ययन किया था। उसमें कहा गया था कि वर्तमान में गिग वर्क की संख्या देश में 77 लाख है, जो 2029-30 तक 2.35 करोड़ हो जाएगी, लेकिन अब आंकड़ों से पता चलता है कि यह संख्या कहीं तेजी से बढ़ रही है। अगर एक साल में नौ करोड़ वर्कर जुड़ रहे हैं तो अगले पांच साल में यह संख्या तेजी से बढ़ेगी।

लावा ने भारत में नया स्मार्टफोन लॉन्च किया

- कीमत 10000 रुपये से कम

नई दिल्ली।

लावा ने भारत में युवा सीरीज का नया स्मार्टफोन लॉन्च कर दिया है। लावा युवा 2 5जी में 50एमपी डुअल रियर कैमरा सेटअप है। इसमें यूनिसोक टी 760 चिपसेट, 5000 एमएएच बैटरी और 6.67 इंच एचडी स्क्रीन है। लावा युवा 2 5जी स्मार्टफोन के 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज वेरियंट की कीमत 9,499 रुपये है। फोन रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। मार्बल ब्लैक और मार्बल व्हाइट कलर वेरिएंट्स उपलब्ध हैं। इसमें एक साल की वारंटी और डोरस्टेप सर्विस फ्री ऑफर भी है। लावा युवा 2 5जी में 4 जीबी रैम और 128 जीबी स्टोरेज है। फोन ऐंड्रॉयड 14 ओएस के साथ आता है। 50 एमपी एआई प्राइमरी रियर कैमरा और 8 मेगापिक्सल फ्रंट सेंसर दिए गए हैं। फिंगरप्रिंट सेंसर भी है। लावा युवा 2 5जी फोन ऑनलाइन और रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। इसकी बिक्री शुरुआत

के दौरान फोन की डिमांड में इजाफा हो सकता है। यह फोन युवा जनेशन को ध्यान में रखते हुए डिज़ाइन किया गया है और यह उनकी कमजोरियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

छोटे शहरों में बढ़ गए आर्थिक अवसर, बड़े शहरों की ओर जाने की गति हुई धीमी

नई दिल्ली।

भारत में प्रवासियों के आंकड़ों का अध्ययन किया गया है। नई रिपोर्ट में कहा है कि देश में प्रवास की गति धीमी हो रही है और देश में प्रवासियों की कुल संख्या में 2011 की जनगणना की तुलना में 11.78 प्रतिशत की कमी आई है। रिपोर्ट के मुताबिक छोटे शहरों में बेहतर आर्थिक अवसरों की वजह से भारत में माइग्रेशन की गति धीमा हो रही है। पेपर में लिखा है, हम परिकल्पना करते हैं कि शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी जैसी बेहतर सेवाओं की मौजूदगी या उसके आस-पास बेहतर आर्थिक अवसरों की वजह से यह गति धीमी हुई है।

काउंसिल के मुताबिक जहां जनगणना 2011 में प्रवासियों की कुल संख्या 45.57 करोड़ थी, वहीं 2023 तक देश में प्रवासियों की कुल संख्या 40.20 करोड़ होने का अनुमान है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि जनगणना 2011 के अनुसार प्रवास की दर जो 37.64 प्रतिशत थी, जो अब घटकर 28.88 प्रतिशत हो गई है।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद यानी इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल टू प्राइम मिनिस्टर ने हाल ही में एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट को पीएम आर्थिक सलाहकार समिति के पूर्व अध्यक्ष बिबेक देबरॉय और फिलहाल इस परिषद में निदेशक के रूप में तैनात आईआरएस अधिकारी देवी प्रसाद मिश्रा ने मिलकर तैयार किया है। उनके मुताबिक यह रिपोर्ट इंटरनल माइग्रेशन खास तौर पर ब्लू कॉलर माइग्रेशन का विश्लेषण करने के लिए आंकड़े इकट्ठा करने की एक कोशिश है। प्रवासियों को आकर्षित करने वाले टॉप पांच राज्यों की संरचना भी बदल गई है। इस लिस्ट में पश्चिम बंगाल और राजस्थान ने जगह बनाई है। वहीं आंध्र प्रदेश और बिहार एक पायदान नीचे पहुंच गए हैं। इस टॉप-5 की लिस्ट में यूपी, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश भी शामिल हैं। महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश ऐसे राज्य हैं जहां कुल प्रवासियों के हिस्से का प्रतिशत कम हो गया है।

जेएसडब्लू ने रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में किया बड़ा अधिग्रहण

- 12468 करोड़ में सौदा पक्का

नई दिल्ली । जेएसडब्लू एनर्जी लिमिटेड ने स्वीडन और सिंगापुर की संयुक्त उद्यम वाली एक बड़ी कंपनी का कब्जा करने के लिए 12,468 करोड़ रुपये की डील फाइनल की है। इस डील के बाद ओटू पावर जेएसडब्लू एनर्जी की हो जाएगी, जो भारत के सात राज्यों में सोलर एनर्जी प्रोजेक्ट का संचालन कर रही है। ओटू पावर एक बड़ी रिन्यूएबल एनर्जी कंपनी है जो 4,696 मेगावाट की परियोजना का संचालन करती है और जून 2025 से इसके उत्पादन को शुरू किया जाएगा। सब्सिडियरी कंपनी जेएसडब्लू नियो एनर्जी लिमिटेड ने ओटू पावर के साथ एक एग्रीमेंट पर साइन किया है। यह अधिग्रहण कंपनी के लिए सबसे बड़ा माना जा रहा है और इससे भारतीय रिन्यूएबल एनर्जी सेक्टर में मजबूती आएगी। प्रक्रिया में बाकी औपचारिकताएं पूरी हो रही हैं और कंपीटिशन कमीशन ऑफ इंडिया की मंजूरी के लिए आवेदन किया गया है। जेएसडब्लू एनर्जी की ओर से ओटू पावर के अधिग्रहण के लिए एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए जा चुके हैं, बाकी औपचारिकताओं को पूरी करने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है।

डॉलर के मुकाबले कमजोर होता रुपया..........कैसे आपकी जेब पर डालेगा असर

नई दिल्ली । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया कमजोर होता जा रहा है। शुक्रवार को रुपया और कमजोर होकर सबसे निचले स्तर पर आ गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 23 पैसे की गिरावट के साथ रुपया 85.50 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। आंकड़ों से साफ तौर पर पता चलता है कि देश में इंपोर्टेड सामानों का इस्तेमाल बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसमें सबसे ज्यादा उछाल सोने में देखने को मिला है। यह इस साल नवंबर के महीने में 50 फीसदी से बढ़कर 49.08 अरब डॉलर पहुंच गया है। भारत सरकार ने जैसे ही कस्टम ड्यूटी 15 से घटाकर 6 प्रतिशत कर दी। इसके बाद सोने के आयात में काफी तेजी देखने को मिली है। रुपये में गिरावट के कारण इकोनॉमी पर भी काफी दवाब बढ़ रहा है। जैसे-जैसे रुपये में गिरावट आ रही है, वैसे-वैसे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की टेंशन बढ़ सकती है। रुपये को और ज्यादा लुढ़कने से रोकने के लिए आरबीआई को पिछले कुछ महीनों के दौरान करेंसी बाजार में बार-बार दखल देनी पड़ी है। इस वजह से विदेशी मुद्रा भंडार में तेजी से गिरावट दिखाई दी है। 4 अक्टूबर से 6 दिसंबर 2024 के बीच, आरबीआई का विदेशी मुद्रा भंडार 704.885 अरब डॉलर से घटकर 654.857 अरब डॉलर ही रह गया। उदाहरण के तौर पर 100 डॉलर कीमत वाले किसी उत्पाद के आयात के लिए अगर एक साल पहले 8300 रुपये देने पड़ते, अब 8,500 रुपये चुकाना होगा। डॉलर महंगा होने का सीधा असर आयात होने वाले कच्चे तेल पर भी पड़ता है। अगर इसके कारण तेल की कीमतों में बढ़ोतरी होती है, तब परिवहन की लागत भी काफी बढ़ती है और बाकी चीजें महंगी होने के भी आसार होते हैं।

बजट में मिडिल क्लास को मिल सकती है बड़ी राहत

- 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों को मिल सकता है लाभ

नई दिल्ली । केंद्र सरकार आगामी बजट में मिडिल क्लास को राहत देने के लिए इनकम टैक्स दरों में कटौती करने की योजना बना रही है। हालांकि, टैक्स छूट किस सीमा तक दिया जाएगा इसका निर्धारण अभी नहीं हुआ है। इस पर आखिरी फैसला 1 फरवरी 2025 को बजट पेश किए जाने से पहले लिया जाएगा। अनुमान लगाए जा रहे हैं कि मिडिल क्लास को राहत देने के लिए केंद्र सरकार आगामी बजट 2025-26 में 15 लाख रुपए तक की इनकम वाले व्यक्तियों के लिए इनकम टैक्स में कटौती कर सकती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के इस कदम का मकसद धीमी विकास दर के बीच अर्थव्यवस्था में कंजम्पशन को बढ़ावा देना है। देश के कई बड़े जानकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नागरिकों पर आर्थिक बोझ को कम करने के लिए इनकम टैक्स के रेट्स में कटौती करने भी आग्रह किया है। पीएम मोदी ने नीति आयोग की एक बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स से मुलाकात कर आगामी बजट के लिए उनके विचार और सुझाव सुने। बैठक में इकोनॉमिस्ट्स और क्षेत्रीय एक्सपर्ट्स ने कथित तौर पर सरकार को आगामी बजट में इनकम टैक्स में कटौती, कस्टम ड्यूटी को रेशनलाइज करने और निर्यात को समर्थन देने के उपायों को शामिल करने का सुझाव दिया है।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई ।

बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखने को मिला। बुधवार 25 दिसंबर को क्रिसमस के अवसर पर शेयर बाजार बंद रहे, जिसकी वजह से शेयर बाजार में सप्ताह में केवल चार दिन ही कारोबार हुआ। वहीं वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों और विदेशी निवेशकों की बिकवाली को नजरअंदाज करते हुए डीआईआई की खरीदारी ने बाजार में जोश भरने का काम किया जिससे शुक्रवार को शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 628.34 अंक उछलकर 78,669.93 पर खुला और 498.58 अंकों की बढ़त के साथ 78,540.17 पर बंद हुआ। जबकि निफ्टी 219 अंक बढ़कर 23,806.50 पर खुला और 165.95 अंक बढ़कर 23,753.45 पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन भी तेजी देखी गई। पिछले हफ्ते की भारी गिरावट से उबरते हुए लगातार दूसरे दिन मंगलवार को भी बाजार हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 192.03 अंक चढ़कर 78,732.20 पर खुला और 67.30 अंक गिरकर 78,472.87 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 44.65 अंक चढ़कर 23,798.10 पर खुला और 25.80 अंक गिरकर 23,727.65 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में हासिल हुई बढ़त दिन चढ़ने के साथ गंवा बैठे। इस दौरान बाजार में उतार-चढ़ाव के दौर हावी हो

गया। सेंसेक्स 8.74 अंक टूटकर 78,465.86 पर खुला और अंक गिरकर 78,472.48 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 2.11 अंक फिसलकर 23,725.55 पर खुला और 22.55 अंक की बढ़त के साथ 23,750.20 अंक पर बंद हुआ। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को एक बार फिर हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 311.48 अंक चढ़कर 78,783.96 पर खुला और 226.59 अंक चढ़कर 78,699.07 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 98.1 अंक चढ़कर 23,848.30 पर खुला और 63.20 अंक बढ़कर 23,813.40 अंक पर बंद हुआ।

मैक्स एस्टेट्स ने नोएडा में 67 लग्जरी फ्लैट 845 करोड़ में बेचे

कंपनी ने बेची गई इकाइयों की संख्या और फ्लैट की कीमतों का खुलासा नहीं किया

नई दिल्ली । रियल्टी फर्म मैक्स एस्टेट्स लिमिटेड ने मांग में तेजी के दौरान नोएडा की अपनी परियोजना में 67 लग्जरी आवासीय इकाइयां 845 करोड़ रुपये में बेचीं। मैक्स एस्टेट्स ने शेयर बाजार को दी एक सूचना में कहा कि उसकी अनुषंगी मैक्स एस्टेट्स 128 प्राइवेट लिमिटेड ने नोएडा में अपनी आवासीय परियोजना 'एस्टेट 128' के दूसरे चरण की शुरुआत की है। इस चरण की पेशकश के एक सप्ताह के भीतर ही 845 करोड़ रुपये का बिक्री-पूर्व बुकिंग मूल्य प्राप्त हुआ है। हालांकि कंपनी ने 845 करोड़ रुपये में बेची गई इकाइयों की संख्या और फ्लैट की कीमतों का खुलासा नहीं किया। मैक्स एस्टेट्स के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि इस परियोजना के दूसरे चरण को बाजार से बहुत अच्छी प्रतिक्रिया मिली है।

इरडा की रिपोर्ट, 11 प्रतिशत को बीमा कंपनियों ने रद्द कर दिया

मुंबई । भारत में 2023-24 के दौरान सभी स्वास्थ्य बीमा दावों में से 11 प्रतिशत को बीमा कंपनियों ने रद्द कर दिया, जबकि मार्च 2024 तक 6 प्रतिशत दावे अभी भी लंबित थे, यह जानकारी भारतीय बीमा नियामक प्राधिकरण (इरडा) की ताजा रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि इस वर्ष स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम उच्च बने रहने की संभावना है। इरडा द्वारा जारी रिपोर्ट में पूरे बीमा उद्योग का एक व्यापक चित्र प्रस्तुत किया गया है, जिसमें जीवन और सामान्य बीमा दोनों शामिल हैं। भारत में बीमा पैठ 2023-24 में लगातार दूसरे साल घटकर 3.7 प्रतिशत रह गई, जबकि पिछले वर्ष यह 4 प्रतिशत थी और 2021-22 में कोविड महामारी के कारण 4.2 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। यह गिरावट वैश्विक प्रवृत्ति के विपरीत है। रिपोर्ट में बताया गया कि सामान्य बीमा में स्वास्थ्य बीमा का वैश्विक प्रीमियम में लगभग आधा हिस्सा है। इसी प्रवृत्ति को देखते हुए, आईआरडीएआई का अनुमान है कि 2024 में स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में 3 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि हो सकती है।

बीमा नियामक का कहना है कि वेतन और स्वास्थ्य देखभाल खर्चों में सीपीआई मुद्रास्फीति से अधिक वृद्धि होने के कारण, स्वास्थ्य बीमा की कीमतें उच्च रह सकती हैं। प्रीमियम की कीमतें महत्वपूर्ण हैं क्योंकि कुल स्वास्थ्य बीमा पॉलिसियों में से केवल 10 प्रतिशत व्यक्तिगत रूप से खरीदी गई हैं।

क्लेम-सेटलमेंट रेट

2023-24 में बीमा कंपनियों ने कुल दावों का लगभग 83 प्रतिशत निपटाया। कंपनियों ने 11 प्रतिशत दावे रद्द किए, जबकि मार्च 31, 2024 तक 6 प्रतिशत दावे निपटान के लिए लंबित थे। विशेषज्ञों का कहना है कि पॉलिसी खरीदते समय अपूर्ण या गलत जानकारी का खुलासा, चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, दावों के रद्द होने में योगदान करता है।

दावे का औसत भुगतान

2023-24 में प्रति दावे का औसत भुगतान 31,000 रुपए से थोड़ा अधिक था। पिछले वित्तीय वर्ष में, बीमा कंपनियों ने कुल 2.69 करोड़ स्वास्थ्य बीमा दावों का निपटान किया और कुल 83,493 करोड़ रुपये का भुगतान किया। स्वास्थ्य बीमा व्यवसाय ने गैर-जीवन बीमा में कुल प्रीमियम का 40.29 प्रतिशत योगदान दिया, जो 2022-23 में 38.02 प्रतिशत था।

महिलाओं के लिए लॉन्च किया जीवन बीमा उद्योग का पहला हेल्थ प्रोडक्ट

रांची : आईसीआईसीआई प्रू लाइफ इंश्योरेंस ने 'आईसीआईसीआई प्रू विश' नामक नया हेल्थ प्रोडक्ट लॉन्च किया है, जो विशेष रूप से महिलाओं के लिए बनाया गया है। इस बीमा से गंभीर बीमारियों, जैसे- स्तन, गर्भाशय, गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर और हृदय रोगों के निदान पर तुरंत 100% तक का कवरेज प्रदान करता है।

इस पॉलिसी की खासियत इसकी प्रीमियम 30 साल तक एक समान रहता है, जिससे ग्राहकों को अपने खर्चों की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलती है। इसके अलावा, ग्राहक को 'प्रीमियम हॉलिडे' का विकल्प भी मिलता है, यानी वे किसी भी समय 12 महीने के लिए प्रीमियम भुगतान से छूट ले सकते हैं। इस प्रोडक्ट में ग्राहकों को मातृत्व से जुड़ी जटिलताओं और नवजात शिशुओं की जन्मजात बीमारियों से संबंधित कवर लेने का विकल्प भी मिलता है। इंश्योरेंस के चीफ प्रोडक्ट एंड डिस्ट्रीब्यूशन ऑफिसर, अमित पाल्टा ने कहा, यह पहला हेल्थ प्रोडक्ट है, जिसे खासतौर पर महिलाओं की स्वास्थ्य जरूरतें और गंभीर बीमारी के निदान पर एकमुश्त भुगतान उन्हें ऐसी कठिन परिस्थितियों का सामना करने के लिए वित्तीय शक्ति प्रदान करता है।

ट्रांसरेल लाइटिंग के शेयर में 28 फीसदी से अधिक तेजी

- बीएसई में शेयर निर्गम मूल्य से 35.45 प्रतिशत उछलकर 585.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ

नई दिल्ली । ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड का शेयर शुक्रवार को कारोबार के पहले दिन 432 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 28 प्रतिशत से अधिक बढ़त के साथ बंद हुआ। बीएसई में शेयर निर्गम मूल्य से 35.45 प्रतिशत उछलकर 585.15 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कारोबार के दौरान यह 39.81 प्रतिशत बढ़कर 604 रुपये पर पहुंच गया। अंत में यह 28.07 प्रतिशत की तेजी के साथ 553.30 रुपये पर बंद हुआ। एनएसई में कंपनी का शेयर 36.57 प्रतिशत की बढ़त के साथ 590 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। अंत में यह 28.13 प्रतिशत की तेजी के साथ 553.55 रुपये पर बंद हुआ। इसके साथ कंपनी का बाजार मूल्यांकन 7,428.39 करोड़ रुपये रहा। ट्रांसरेल लाइटिंग के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को सोमवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 80.80 गुना अभिदान मिला था।

शाह बानो के आंसू रुलाते ही रहेंगे कांग्रेस को

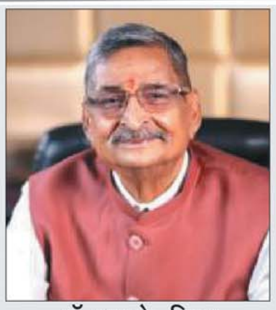

-डॉ. आर.के. सिन्हा

दरअसल शाह बानो केस भारत की राजनीति और कानूनी प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। यह मामला 1985 में सामने आया था और इसने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी थी। शाह बानो इंदौर की एक मुस्लिम महिला थीं, जिन्हें उनके पति ने तलाक दे दिया था। उन्होंने गुजारा भत्ता (भरण-पोषण) की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन, उनके पति ने इस फैसले को मानने की बजाय सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली थी। सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया।

इंदौर की बेबस तलाकशुदा शाह बानो भारत में मुसलमान औरतों की बेबसी के प्रतीक के रूप में 1980 के दशक में सामने आईं थीं। उसके बाद के कालखंड में जब भी ऐसा लगने लगता है कि देश उन्हें भूल रहा है, तब ही उनकी फिर से किसी न किसी रूप में चर्चा प्रारंभ हो जाती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में संसद में संविधान के 75 साल पूरा होने पर हुई चर्चा के दौरान शाह बानो मामले का ज़िक्र किया। उन्होंने कहा, " सुप्रीम कोर्ट से शाह बानो को हक मिला था। राजीव गांधी ने सुप्रीम कोर्ट की उस भावना को, नकार दिया। उन्होंने वोट बैंक की राजनीति की खातिर संविधान की भावना को बलि चढ़ा दिया। " यह सच है कि इंसाफ के लिए तड़प रही एक महिला की बजाय राजीव गांधी ने इस्लामिक कट्टरपंथियों का खुलकर साथ दिया था। संसद में अपनी बहुमत के बल पर आनन फानन में कानून बनाकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को एक बार फिर पलट दिया गया था।

दरअसल शाह बानो केस भारत की राजनीति और कानूनी प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मोड़ था। यह मामला 1985 में सामने आया था और इसने देश में एक बड़ी बहस छेड़ दी थी। शाह बानो इंदौर की एक मुस्लिम महिला थीं, जिन्हें उनके पति ने तलाक दे दिया था। उन्होंने गुजारा भत्ता (भरण-पोषण) की मांग करते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया। निचली अदालतों ने उनके पक्ष में फैसला सुनाया। लेकिन, उनके पति ने इस फैसले को मानने की बजाय सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे डाली थी। सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया। अदालत ने कहा कि दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 125 के तहत, तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को भी गुजारा भत्ता पाने का अधिकार है। अदालत ने यह भी कहा कि यह कानून सभी धर्मों के लोगों पर लागू होता है।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने देश में एक राजनीतिक भूचाल सा ला दिया। मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने इस फैसले का विरोध किया और इसे अपने धार्मिक कानूनों में हस्तक्षेप माना। उन्होंने सरकार पर मुस्लिम पर्सनल लॉ में बदलाव करने का आरोप लगाया। वे किसी भी रूप में शाह बानो के हक में खड़े होने के लिए तैयार नहीं थे। शाह बानो एक बुजुर्ग औरत थीं। उसका साथ देने के लिए कोई भी मुस्लिम संगठन खडा नहीं हुआ। उन्होंने उसे अपनी हाल पर मरने के लिए छोड़ दिया था।

तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी की सरकार ने इस मामले में एक अत्यंत ही विवादास्पद कदम उठाया। उन्होंने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 पारित किया। इस अधिनियम ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया और तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता देने की जिम्मेदारी उनके पति के बजाय उनके परिवार या वक्फ बोर्ड पर डाल दी। वक्फ बोर्ड जैसे महा भ्रष्ट संगठन ने किसकी किसकी कब मदद की, यह बात न राजीव गांधी को पता थी और न उनके करीबियों को। राजीव गांधी सरकार के फैसले की व्यापक आलोचना हुई। कई लोगों ने इसे अल्पसंख्यक तुष्टीकरण और लैंगिक न्याय के खिलाफ माना। जो सच भी था। इस मामले ने भारतीय राजनीति में धार्मिक और लैंगिक मुद्दों को केंद्र में ला दिया।

शाह बानो केस ने धार्मिक आधार पर भारतीय समाज को ध्रुवीकृत भी कर दिया। इसने भारत में महिला अधिकारों और लैंगिक न्याय पर एक नई बहस छेड़ दी। शाह बानो केस ने राजनीतिक दलों की भूमिका और अल्पसंख्यकों के प्रति उनके दृष्टिकोण को उजागर किया। देश के आम अवाम को समझ आ गया कि कांग्रेस मुसलमानों के वोट हासिल करने के लिए किसी भी हदतक समझौता कर सकती है। बेशक, शाह बानो केस भारतीय इतिहास में एक महत्वपूर्ण घटना बनी हुई है, जो आज भी प्रासंगिक है। यह मामला बताता है कि कैसे धार्मिक और राजनीतिक मुद्दे सामाजिक न्याय और समानता को प्रभावित कर सकते हैं। शाह बानो केस में मुस्लिम संगठनों का असली चेहरा सामने आ गया। वे तलाकशुदा मुस्लिम महिला को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने का हकदार नहीं मानते थे। उनका तर्क था कि यह फैसला मुस्लिम पर्सनल लॉ में हस्तक्षेप करता है। इसके बाद ही, राजीव गांधी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को पलट दिया था।

कांग्रेस ने इस मामले में मुस्लिम समुदाय को खुश करने के लिए तुष्टिकरण की नीति अपनाई। इसके चलते कांग्रेस को देश ने नकारना शुरू कर दिया। शाह बानो केस में कांग्रेस के स्टैंड से नाराज सख्त नाराज होकर वरिष्ठ कांग्रेस नेता और केंद्रीय मंत्री आरिफ मोहम्मद खान ने पार्टी छोड़ी थी। आरिफ साहब की पहचान मुस्लिम और हिंदू धर्म ग्रंथों के विद्वान एवं एक स्वतंत्र विचारों के व्यक्ति के रूप में रही है। वे मुस्लिम होने के बावजूद कट्टर नहीं हैं। बल्कि उदार और बुद्धिजीवी व्यक्ति हैं। आरिफ मोहम्मद खान राजीव गांधी की कैबिनेट में होने के बावजूद शाहबानो मामले में उनसे भिड़ गए थे और मंत्रिपद से इस्तीफा देकर विरोध में खड़े हो गए थे।

राजीव गांधी के तुष्टिकरण ने शाहबानो की रूह को बुरी तरह कुचल दिया था सर्वोच्च न्यायालय के उस फैसले को पलट कर जिसमें तलाकशुदा शाहबानो को गुजारा भत्ता दिए जाने का निर्देश दिया गया था। इसके लिए उन्हें नया कानून बनाना पड़ा। उद्देश्य था : कट्टरपंथी मौलवियों को खुश करना। और अर्थ था : संविधान के ऊपर शरीयत की वरीयता। बोलना तो पड़ेगा, विशेषकर कांग्रेस को और उसमें भी ज्यादा राहुल गांधी को, जो हर मौके पर हाथ में संविधान की प्रति लेकर खतरा खतरा चिल्लाते रहते हैं। उन्हें फैसला करना पड़ेगा कि वो संविधान के पक्ष में हैं या शरीयत के? मुल्ला मुस्लिम पर्सनल लॉ के या तलाकशुदा महिलाओं के गुजारा भत्ते के?

बड़ी मुश्किल डगर है एक तरफ कुआं, दूसरी तरफ खाई, किधर जाएगी कांग्रेस? सच यह है कि वक्त आने पर मुसलमान औरतों के हक में तीस्ता सीतलवाड़ से लेकर वे तमाम लेखक और कैंडल मार्च निकालने वाले बुद्धिजीवी भी नदाराद रहते हैं, जो बात-बात पर दीन-हीन मुसलमान औरतें के हक में सोशल मीडिया पर लिखते-बोलते रहते हैं।

दूसरी तरफ, भाजपा को हर वक्त बुरा-भला कहने वाले यह भी जान लें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने ही अपने कार्यकाल में अभी तक मुसलमान औरतों के हक में तमाम बड़ी योजनाएं लागू की हैं। मोदी सरकार की ही पहल पर मुसलमान औरतों को तीन तलाक से मुक्ति मिली। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला आया। इसने मुसलमान औरतों को तीन तलाक की बर्बर कुप्रथा से मुक्ति दिलवा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने' इस दौरान तीन तलाक पर रोक लगा दी। हालांकि, कट्टरपंथी मुस्लिम संगठन ट्रिपल तलाक को जारी रखने की पुरजोर वकालत कर रहे थे। यह वही लोग थे, जिन्होंने शाह बानो की लड़ाई का विरोध किया था।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

संपादकीय

'आर्थिक आजादी' के शिल्पकार

भारत की 'आर्थिक आजादी' के शिल्पकार, लगातार 10 साल तक देश के प्रधानमंत्री रहे, कई 'मील-पत्थर' योजनाओं के सूत्रधार, महान अर्थशास्त्री डॉ. मनमोहन सिंह दिवंगत हो गए। उन्होंने 92 साल की भरी-पूरी जिंदगी जी और देश को 'दूसरी आजादी' दिलाई, इससे ज्यादा एक जिंदगी में और क्या किया जा सकता था? लिहाजा उनका देहावसान उनकी पार्थिव नियति ही है। भारत आजाद देश था, लेकिन औसत भारतीय के स्वप्न और आर्थिक आयाम अपेक्षाकृत आजाद नहीं थे। हम एक गरीब और कर्जदार देश थे। बहरहाल आज विकासशील देश हैं और 'विकसित' बनने का लक्ष्य तय किया है। 1991 के दौर में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार मात्र एक अरब डॉलर रह गया था, लिहाजा आयात का घोर संकट था। तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार को पेट्रोलियम और उर्वरक के आयात के लिए 40 करोड़ डॉलर जुटाने के लिए 46.91 टन सोना इंग्लैंड और जापान के बैंकों में गिरवी रखना पड़ा था। उस दौर में कांग्रेसी प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने डॉ. मनमोहन सिंह को वित्त मंत्री बनाया और उसी के साथ आर्थिक उदारीकरण ने भारत की 'दूसरी आजादी' का अध्याय लिखना आरंभ कर दिया। हालांकि डॉ. सिंह के पहले बजट के मसविदे को प्रधानमंत्री राव ने खारिज कर दिया था। उनकी उम्मीदें लीक से हटकर थीं। डॉ. सिंह के सामने आर्थिक चुनौतियां रखी गईं और बहुत थोड़े से वक्त में उन्होंने ऐसा बजट तैयार किया, जिसने भारत के 'आर्थिक भाग्य' को ही संकटों और अभावों से मुक्त कर दिया। अर्थव्यवस्था खोल दी गई। विदेशी निवेशकों और कंपनियों के लिए देश के दरवाजे खोल दिए गए। डॉ. सिंह कहा करते थे-भारत किसी से, क्यों डरे? हम विकास के ऐसे चरण में पहुंच चुके हैं, जहां विदेशियों से डरने के बजाय हमें उनका स्वागत करना चाहिए। हमारे उद्यमी किसी से कमतर नहीं हैं। हमें अपने उद्योगपतियों पर पूरा भरोसा है।' अंततः 24 जुलाई, 1991 के उस बजट ने आर्थिक उदारीकरण का जो दौर शुरू किया, उसके दो साल के भीतर ही विदेशी मुद्रा भंडार 10 अरब डॉलर, यानी 10 गुना अधिक, हो गया। लाइसेंस और इंस्पेक्टर राज का दौर समाप्त हुआ और 34 क्षेत्रों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का ऑटोमैटिक रूट तैयार कर दिया गया। कंपनियों पर कई पाबंदियां उठा ली गईं।

चिंतन-मनन

मानव जीवन की गरिमा

नालंदा तक्षशिला जैसे अनेक विश्वविद्यालय इस देश में थे। देश की शिक्षा व्यवस्था की पूर्ति तो स्थानीय गुरुकुल ही कर लेते थे। उच्च स्तरीय एवं अंतरराष्ट्रीय शिक्षा व्यवस्था का प्रबंध यह विश्वविद्यालय करते थे। देश-देशांतरों की भाषाएं वहां पढ़ाई जाती थीं, जिनमें पारंगत होकर अपने को विश्व सेवा के लिए समर्पित करने वाले महामानव विश्व के कोने-कोने में पिछड़े क्षेत्रों को पिछड़े वर्ग को हर दृष्टि से ऊंचा उठाने के लिए अपनी अहैतुकी सेवा भावना की अजस्त्र वर्षा करते थे। न केवल धर्म और अध्यात्म वरन कृषि, पशुपालन, वृक्षारोपण, शिल्प उद्योग, नौकायन, चिकित्सा, वास्तु, रसायन आदि भौतिक विज्ञान की अनेकानेक धाराओं से संसारवासियों को परिचित प्रवीण कराने के लिए अथक परिश्रम किया गया। फलतः मानव जाति को अपनी पिछड़ी हुई, अभावग्रस्त एवं विपन्न स्थिति से छुटकारा मिला। अन्न, वस्त्र निवास और शिक्षा की आरंभिक आवश्यकताएं पूरी होने पर प्रगति के अन्यान्य मार्ग खुले।

मनुष्य जीवन की गरिमा दो पहिये के रथ पर चढ़कर गतिशील होती है। एक पहिया है आत्म निर्माण, दूसरा लोक-निर्माण। यही दो लक्ष्य भारतीय संस्कृति के दो अविछिन्न अंग रहे हैं। गुण, कर्म, स्वभाव की दृष्टि से इस देश के निवासी निरंतर प्रयत्नशील रहे कि उनका व्यक्तित्व सद्भावनाओं और सत्प्रवृत्तियों से परिपूर्ण हो। उसे आदर्श और अनुकरणीय माना जाए। यहीं थी उन दिनों व्यक्तिगत जीवन की आध्यात्मिक महात्वाकांक्षा। भौतिक दृष्टि से हर व्यक्ति समुन्नत, सुव्यवस्थित और साधन संपन्न जीवन जीता था और उत्कृष्ट चिंतन और आदर्श कर्त्तव्य हर किसी के लिए प्रगति का मापदण्ड बना हुआ था। भारतीय जीवन का दूसरा लक्ष्य था- लोक निर्माण। वह मनुष्य क्या जो अपनी उपलब्धियों से केवल अपने शरीर और परिवार को ही लाभान्वित करे. पीड़ा और पतन के गर्त से गिरे हुए- पिछड़े हुए और असमर्थ लोग जिससे कुछ भी प्रकाश एवं सहयोग प्राप्त न कर सके.

उन दिनों यही लोक मान्यता थी कि हर समुन्नत व्यक्ति को अपनी सम्पत्ति एवं विभूतियों को एक बड़ा भाग समाज की उन्नति में-सुख शांति की अभिवृद्धि में लगाना चाहिए. आत्मोष्कर्ष की तरह लोक कल्याण भी मनुष्य का लक्ष्य होना चाहिए. प्राचीन काल में प्रत्येक भारतवासी की वैसी मान्यता, निष्ठा और रीति-नीति थी।

विश्वः विश्व युद्ध की आशंका के बादल

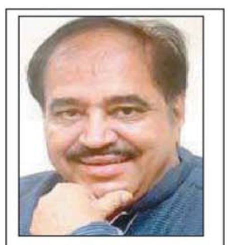

संजीव ठाकुर

बाइडेन जाते-जाते यूक्रेन को सामरिक तथा आर्थिक मदद का पैकेज देकर रूस के खिलाफ विश्व युद्ध की चिंगारी भड़का कर जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद भी रूस-यूक्रेन और इस्त्राइल-हमास युद्ध रुकने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। रूस- यूक्रेन युद्ध को 2 वर्ष से अधिक समय हो चुका है वहीं इस्त्राइल-हमास और फिलिस्तीन युद्ध को भी एक वर्ष से अधिक हो चुका है। अमेरिका और यूरोपीय देश यूक्रेन की आर्थिक तथा सामरिक मदद करके विश्व युद्ध की आशंका बनाए हुए हैं। ये देश यूक्रेन को रूस के खिलाफ लगातार भड़काते भी आ रहे हैं, और यही वजह है कि विश्व युद्ध की भीषण विभीषिका से इनकार नहीं किया जा सकता।

अमेरिकी विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में स्पष्ट कहा है कि इस सभा में सबको विदित है कि कुख्यात आतंकी संगठन हमास, हिजबुल्ला और फिलिस्तीन इस्लामिक जिहाद को कई वर्षों से ईरान प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से आर्थिक सामरिक सहायता कर इस्त्राइल का विरोध करवाता आ रहा है। ब्लिंकन ने कहा कि हमास के इस्त्राइल पर हमले में अमेरिका पूरी तरह से इस्त्राइल के साथ खड़ा है और वह किसी अन्य देश के हमले से इस्त्राइल की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात पूरी दुनिया को मालूम है कि हमास के पीछे ईरान और मिडिल ईस्ट के कई देश शामिल हैं, और ईरान के पीछे ड्रैगन तथा रूस का खुला समर्थन है। चीन और रूस ने फिलिस्तीन तथा हमास को अपने समर्थन का ऐलान किया है। रूस चाहता है कि अमेरिका का ध्यान रूस-यूक्रेन युद्ध से हट जाए और वह यूक्रेन को नष्ट कर अपने देश की सीमा में शामिल कर ले।

इसी तरह की चाहत चीन ने भी पाल कर रखी है। वह ताइवान के मामले में अमेरिकी हस्तक्षेप से परेशान है और चाहता है कि अमेरिका का ध्यान इस्त्राइल-हमास युद्ध में लगा रहे और वह इसी दौरान आक्रमण कर-के ताइवान को अपनी प्रभु सत्ता में शामिल कर ले। चीन और रूस में खुले तौर पर ईरान को भड़का कर हमास हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद को सहायता करने तथा आक्रमण करने की इजाजत दे दी थी तब जाकर ईरान ने हमास को सीधे-सीधे इस्त्राइल पर आक्रमण करने का निर्देश भी दिया। 7 अक्टूबर, 23 को हमास के आक्रमण से लगभग 1200 से 1500 इस्त्राइली नागरिक सैन्य अधिकारी बच्चे तथा स्त्रियों की सरेआम हत्या कर दी गई। जवाब में इस्त्राइल ने फिलिस्तीन के गाजा पट्टी पर हमला कर हमास के ख्टंलाइन आतंकवादियों को खत्म कर दिया है।

इस हमले से क्रुद्ध खाड़ी देशों के सभी मुस्लिम राष्ट्र, जिनकी संख्या लगभग 57 है, एक हो गए हैं, और इस्त्राइल के साथ लगभग 87 देश समर्थन में जुड़ गए हैं। अब मुख्य मुद्दा यह है कि हमास द्वारा 200 नागरिकों को बंधक बना लिया है जिनको वह मुक्त करने के मूड में नहीं दिखाई दे रहा है। इस्त्राइल का लगातार आक्रमण करना इस बात का दबाव है कि पहले वह बंधकों को इस्त्राइल के हवाले करे, फिर इस्त्राइल अपना आक्रमण रोकेगा। ऐसी स्थिति में पूरी गाजा पट्टी तबाह हो जाएगी और लगभग 20 लाख फिलिस्तीन नागरिक शरणार्थी बन चुके और बेघर भी हो चुके हैं। ईरान ने हमास को इस्त्राइल पर आक्रमण के आदेश देने के समय तक नहीं सोचा था कि स्थिति यहां तक बिगड़ जाएगी।

भारत को भी हमास-इस्त्राइल युद्ध से चौंकन्ना रहने की आवश्यकता होगी क्योंकि हमारा पड़ोसी पाकिस्तान भी हमास जैसे आतंकवादियों को पनाह देने का कई वर्षों से मुजरिम है और कभी भी आतंकवादियों के माध्यम से भारत में हमला कर सकता है। भारत ने अपनी नीति स्पष्ट करके रखी है, उसने हमास के आतंकवादियों का विरोध किया है पर फिलिस्तीन का समर्थन करता आया है। भारत ने हमास का विरोध और इस्त्राइल का समर्थन किया, लेकिन गाजा पट्टी पर निर्दोष लोगों के मारे जाने का विरोध भी किया है।

कई खाड़ी भारत से उम्मीद लगाए बैठे हैं कि वह जॉर्डन, लेबनान, मिस्त्र, ईरान, इराक और इस्त्राइल, अमेरिका, ब्रिटेन के नेताओं से चर्चा कर युद्ध विराम पर प्रभावी कदम उठाए। सबकी नजर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर है क्योंकि मोदी के संबंध सभी राष्ट्र प्रमुखों से मधुर हैं और भारत की नीति ही शांति संदेश देने की रही है।

नया साल सिर्फ.जश्न नहीं, आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी...

31 दिसम्बर की आधी रात को हम 2024 को अलविदा कह देंगे और कैलेंडर 1 जनवरी यानी 2025 के नए साल के दिन के लिए अपना नया पन्ना खोलेगा। उतार-चढ़ाव, मजेदार पल और कुछ खास नहीं-यह सब अब अतीत की बात हो जायेंगे। हम एक नए साल के मुहाने पर खड़े हैं, जो हमारे सामने आने वाली हर चुनौती का सामना करने के लिए तैयार है। हवा में उत्साह और चिंतन की गूंज है, जैसे पुरानी यादों और उम्मीदों का एक बेहतरीन मिश्रण। बुद्धिमान लोग कहते हैं कि जीवन विरामों के बीच में ज़िया जाता है-जैसे कि सांस छोड़ने के ठीक बाद और सांस लेने से पहले। हर अंत बस एक और शुरूआत है। वास्तव में इसे महसूस करने के लिए साल के पहले दिन से बेहतर कोई समय नहीं है...

एक नया साल एक नई शुरूआत है। यह एक नए जन्म की तरह है। नया साल शुरू होते ही हमें लगता है कि हमें अपने जीवन में बदलाव करने, नई राह पर चलने, नए काम करने और पुरानी आदतों, समस्याओं और कठिनाइयों को अलविदा कहने की जरूरत है। अक्सर हम नई योजनाएँ और नए संकल्प बनाने लगते हैं। हम उत्साहित, प्रेरित और आशावान महसूस कर सकते हैं, लेकिन कभी-कभी आशंकित भी होते हैं। कवियों और दार्शनिकों ने अक्सर दोहराया है कि भविष्य में जो कुछ भी करना है, उसमें जीवन ने जो सबक हमें सिखाया है, उसे लागू करना जरूरी है। लेकिन यह कहना जितना आसान है, करना उतना ही मुश्किल है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएँ देते हैं। संदेश, ग्रीटिंग कार्ड और उपहारों का आदान-प्रदान नए साल के जश्न का अभिन्न अंग है। मीडिया कई नए साल के कार्यक्रमों को कवर करता है, जिन्हें दिन के अधिकांश समय प्राइम चैनलों पर दिखाया जाता है। जो लोग घर के अंदर रहने का फैसला करते हैं, वे मनोरंजन और मौज-मस्ती के लिए इन नए साल के शो का सहारा लेते हैं।

नया साल सिर्फ.जश्न मनाने का समय नहीं है, बल्कि आत्म-परीक्षण और सुधार का अवसर भी है। अतीत की गलतियों से सीखते हुए हमें अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का प्रयास करना चाहिए। आइए हम अपने लक्ष्यों को स्पष्ट करें और उन्हें प्राप्त करने की योजना बनाएँ। आइए हम नकारात्मकता को पीछे छोड़ें और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाएँ। आइए हम जरूरतमंदों की मदद करके समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी निभाएँ। आइए हम आत्म-विकास के लिए प्रयास करते रहें और नई चीजें सीखते रहें। लोग रंग-बिरंगे कपड़े पहनते हैं और मौज-मस्ती से भरी गतिविधियाँ करते हैं जैसे गाना, खेलना, नाचना और पार्टियों में जाना। नाइट क्लब, मूवी थिएटर, रिसॉर्ट, रेस्टोरेंट और मनोरंजन पार्क हर उम्र के लोगों से भरे हुए हैं। आने वाले साल के लिए नए संकल्पों की योजना बनाने की सदियों पुरानी परंपरा आम है। कुछ सबसे लोकप्रिय संकल्पों में वजन कम करना, अच्छी आदतें विकसित करना और कड़ी मेहनत करना शामिल है। आज के समय में, जब पर्यावरण के मुद्दे एक गंभीर चिंता का विषय हैं, तो पर्यावरण के प्रति संवेदनशील तरीकों से नए साल का जश्न मनाना हमारी जिम्मेदारी बन जाती है। पटाखों का उपयोग कम करना, पेड़ लगाना और जल संरक्षण इस दिशा में सकारात्मक कदम हो सकते हैं।

नया साल हमें अतीत की कड़वाहट को भूलकर नए रिश्ते शुरू करना सिखाता है। आइए हम एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सद्भावना व्यक्त करें। आइए हम उन लोगों को सही रास्ते पर लाने का प्रयास करें जो अपना रास्ता भूल गए हैं। भगवद गीता में भगवान कृष्ण की शिक्षाएँ हमें याद दिलाती हैं कि हमें अपना काम करना चाहिए और परिणाम भगवान पर छोड़ देना चाहिए। नया साल सिर्फ. कैलेंडर बदलने के बारे में नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन को एक नई दिशा देने का अवसर है। यह नई ऊर्जा, उत्साह और सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का समय है। आइए हम सब मिलकर इस नए साल को अपने और समाज के लिए बदलाव का साल बनाएँ। अब, सभी चमक-दमक के बीच, नए साल का दिन कुछ गंभीर सोच-विचार का भी समय है। हाँ, हम आत्मनिरीक्षण के बारे में बात कर रहे हैं-पिछले साल को पीछे देखते हुए और यह पता लगाते हुए कि हमने क्या सीखा है। क्या हमने आखिरकार मकड़ियों के डर पर विजय प्राप्त की? क्या हमने उन लोगों के साथ पर्याप्त समय बिताया जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं? यह कुछ हद तक हमारे जीवन की मुख्य घटनाओं को स्क्रॉल करने और यह सोचने जैसा है, ₹वाह, क्या मैंने वाकई ऐसा किया?₹ एक पेड़ लगाएँ, अपने भविष्य के लिए एक पत्र लिखें, या बोर्ड गेम का लुत्फ उठाएँ। इसे अपने लिए अनोखा बनाएँ और हर साल इसका इंतजार करें।

अब, इस तरह से आप एक परंपरा की शुरूआत कर सकते हैं! नए साल के दिन सोच-समझकर उपहार देकर प्यार फैलाएँ। यह कीमत के बारे में नहीं बल्कि इशारे के पीछे की भावना के बारे में है। एक हस्तलिखित नोट, एक व्यक्तिगत ट्रिंकेट, या एक हार्दिक संदेश दुनिया भर में अंतर ला सकता है जब आप उन लोगों के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त करते हैं जो सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। अक्सर, हम या तो इसे महसूस नहीं करते या इसे स्वीकार करने से इनकार करते हैं और एक ऐसी कहानी लिखने की कोशिश करते हैं जो पहले ही खत्म हो चुकी है। ऐसे समय में हमें याद रखना चाहिए कि कभी-कभी कलम को नीचे रखना ठीक होता है। बंद दरवाजे से जूझना ठीक नहीं है। इससे चिपके रहने से आप दूसरी तरफ की खिड़की को देख नहीं पाते। जैसा कि माइंडफुलनेस प्रैक्टिशनर कहते हैं, सबसे बड़ी सच्चाई यह है कि नए सिरे से शुरूआत करने के लिए आपके पास मौजूद पल से बेहतर कोई समय नहीं है। नए साल की सुबह, सबसे अच्छी स्थिति में, केवल सही सेटिंग ही बना सकती है; बाकी, जैसा कि वे कहते हैं, सब आपके भीतर है। हालाँकि, आप नए साल के दिन 2025 को धूम मचाने का फैसला करते हैं, इसे यादगार बनाते हैं। ऐसे नाचें जैसे कोई देख नहीं रहा हो, ऐसे हँसें जैसे यह अब तक का सबसे अच्छा मजाक हो और अपने दोस्तों को ऐसे गले लगाएँ जैसे आपने उन्हें एक दशक से नहीं देखा हो। क्योंकि अंदाजा लगाइए क्या? 2025 आपका चमकने का साल है। तो, आइए इसे यादगार बनाएँ, इसे यादगार बनाएँ और इसे खास बनाएँ! नई शुरूआत के जादू के लिए चीयर्स!

-प्रियंका सौरभ

स्वामी, प्रकाशक और मुद्रक डा0 सरवर जमाल ने आर0 डी0 प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स प्रा0 लि0 प्लाट नं0 16-17 पाटलिपुत्रा इंडस्ट्रीयल एरिया, रोड नं0 झ्र 09 पटना झ्र 800013 से छपवाकर कार्यालय 203 बी, ब्लाक रंजीत रेसीडेंसीज, साकेतपुरी, मछली गली, राजा बाजार पटना- 800014 से प्रकाशित किया ।सम्पादकः श्रीमती शबाना प्रवीन पी0 आर0 बी0 एक्ट के तहत खबरों की जिम्मेवार मैनेजिंग एडिटरः डा0 राजीव कुमार, स्थानीय सम्पादकः डा0 नूतन कुमारी, उप सम्पादकः तबस्सुम नवाज PRGI NO:- BIHHIN/2023/86924 E-mail- Newsindogulf730@gmail.com,Mob-9472871824/8544031786 समस्त विवादों का निवारण पटना न्यायालय के अधीन ही होंगे।

नवीन पोलीशेट्टी की आगामी फिल्म में मीनाक्षी चौधरी ने श्रीलीला को किया रिप्लेस

नवीन पोलीशेट्टी साउथ के एक प्रतिभाशाली अभिनेता हैं। हालांकि, लंबे समय से वह किसी बड़ी फिल्म में नजर नहीं आए हैं। उनकी आखिरी फिल्म मिस शेट्टी मिस्टर पोलीशेट्टी को रिलीज हुए काफी समय हो चुका है। अब, अभिनेता के फैंस के लिए एक खुशखबरी आई है। नवीन की आगामी फिल्म अनगनगा ओका राजू नाम की फिल्म को फिर से शुरू किया गया है।

श्रीलीला हुईं फिल्म से बाहर

पहले इस फिल्म को कुछ कारणों से रद्द कर दिया गया था, लेकिन अब यह फिर से बन रही है। इसका टीजर आज रिलीज होने वाला है। फिल्म में शुरुआत में श्रीलीला को मुख्य अभिनेत्री के रूप में कास्ट किया गया था, लेकिन शेड्यूल के टकराव के कारण उन्होंने इस प्रोजेक्ट को छोड़ दिया।

लकी भास्कर से लूटी वाहवाही

इसके बाद फिल्म में उनकी जगह मीनाक्षी चौधरी को कास्ट किया गया है। मीनाक्षी को हाल ही में लकी भास्कर में देखा गया था। फिल्म में उनकी अदाकारी को लोगों ने काफी सराहा था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। फिल्म में दुलकर सलमान ने मुख्य भूमिका निभाई थी। बड़े पर्दे के बाद इस फिल्म को ओटीटी पर भी खूब पसंद किया गया था।

लकी भास्कर की सफलता के बाद हाथ लगी एक और फिल्म

इस फिल्म की सफलता के बाद अब उनके हाथ एक और फिल्म आ गई है। नवीन पोलीशेट्टी के साथ इस फिल्म से उनके करियर को नई उड़ान मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

श्रुति हासन ने किया खुलासा

क्यों नहीं करना चाहतीं शादी

श्रुति हासन अक्सर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। उनसे शादी को लेकर हमेशा सवाल पूछे जाते हैं। अब अभिनेत्री ने आखिरकार इन सवालों का जवाब दे दिया है। उन्होंने हाल ही में यह साफ किया कि वह शादी के बजाय रिलेशनशिप में रहना पसंद करती हैं।

शादी क्यों नहीं कर रहीं श्रुति?

बातचीत करते हुए जब श्रुति से उनके शादी न करने के बयान के बारे में पूछा गया तो इस पर जवाब देते हुए उन्होंने अपनी स्थिति को फिर से स्पष्ट किया। श्रुति ने कहा, मुझे नहीं पता। मुझे रिलेशनशिप बहुत पसंद हैं और मुझे रोमांस भी पसंद है। मैं रिश्ते में रहना पसंद करती हूं, लेकिन किसी से इतना ज्यादा जुड़ना मुझे थोड़ा डराता है।

कई सफल शादी देखी, फिर भी नहीं बदला नजरिया

श्रुति ने यह भी कहा कि उनका शादी के प्रति यह दृष्टिकोण उनके व्यक्तिगत विश्वासों पर आधारित है, न कि किसी अतीत के अनुभवों पर। उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपने दोस्तों के सफल विवाह देखे हैं, लेकिन इन सकारात्मक उदाहरणों के बावजूद उनका नजरिया नहीं बदला।

फैंस पूछ चुके हैं कई बार सवाल

यह पहली बार नहीं है जब श्रुति ने शादी पर बात की है। एक बार इंस्टाग्राम पर एक प्रशंसक ने उनसे शादी के प्लान के बारे में पूछा तो उन्होंने मजाक में जवाब देते हुए का था, यह सवाल पूछना बंद करें।

इन फिल्मों में दिखेंगी श्रुति

श्रुति ने कुछ समय पहले ही अपने बॉयफ्रेंड संतानु हजारिका से अपना रिश्ता समाप्त किया था। ऐसा कहा जाता था कि दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में थे। वर्क फ्रंट की बात करें तो श्रुति जल्द ही कुली फिल्म में रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म लोकेश कनगराज निर्देशित कर रहे हैं। इसमें नागार्जुन अक्किनेनी, उपेन्द्र राव, सौबिन शाहिर प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसके अलावा उनके पास बहुप्रतीक्षित सालार- पार्ट 2 शौर्यंगा पर्वम भी है, जिसमें प्रभास और पृथ्वीराज सुकुमारन अहम भूमिका में हैं।

फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में दिखेंगे कार्तिक आर्यन

र्तिक आर्यन को पिछली बार भूल का मुलेया 3 में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ तृप्ति डिमरी भी लीड रोल में थीं। ये बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी। अब कार्तिक को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वे जल्द ही तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी में दिखाई देंगे। कार्तिक की फिल्म में फिलहाल एक्ट्रेस की घोषणा नहीं की गई है। मेकर्स ने इसका एक प्रोमो रिलीज किया है। इसमें कार्तिक की आवाज में डायलॉग सुनाई दे रहा है। इसमें वे कह रहे हैं... मेरे तीन ब्रेकअप हुए हैं ये सब जानते हैं लेकिन कोई ये नहीं जानता कि मुझसे जुदा होने के बाद मेरी एक्स का हाल बेहाल, जीना दुश्वार हो गया। चौथी वाली के साथ ऐसा न हो इसलिए मैं जी जान लगा दूंगा कि कोई उसे मुझसे जुदा न कर पाए। उसे जुदा होने का फोमो मैं उसे होने नहीं दूंगा। मम्मी कसम खाई है मैंने और मम्मी की खाई कसम ये मम्मास बॉय पूरी करके ही रहता है। इस फिल्म का निर्देशन समीर विद्वांस कर रहे हैं। फिल्म के मेकर्स में करण जौहर के साथ आदर पूनावाला और अपूर्वा मेहता का नाम भी शामिल है। इसके अलावा कार्तिक फिल्म पति पत्नी और वो 2 में भी दिखाई देंगे।

सैयामी खेर ने ऑस्ट्रेलिया में अपना बचपन का ख्वाब पूरा किया

अभिनेत्री सैयामी खेर ने ऑस्ट्रेलिया यात्रा से जुड़ी दिलचस्प बात साझा की। उन्होंने इसे ख्वाब पूरा करने वाली ट्रिप का नाम दिया। सैयामी ने खुलासा किया कि इस यात्रा ने उन्हें वह सब कुछ करने का मौका दिया, जिसका उन्होंने बचपन में सपना देखा था। अभिनेत्री ने बताया कि यह उनके जीवन का एक कभी ना भूल पाने वाला हिस्सा बन गया। जिसमें गाबा में भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच देखने से लेकर खूबसूरत वन्यजीवों की खोज करने और सर्फिंग और डाइविंग करने तक सब कुछ शामिल था। अपनी यात्रा के बारे में अभिनेत्री ने बताया, मुझे ऑस्ट्रेलिया आना बहुत पसंद है। यहां आना हमेशा बहुत खास होता है। 'घूमर' का अंतरराष्ट्रीय प्रीमियर यहीं हुआ था और तब से मैं तीन बार यहां आ चुकी हूं। इस यात्रा में मुझे वह सब कुछ करने का मौका मिला, जिसका मैंने बचपन में सपना देखा था। गाबा में बहुत ही शानदार अनुभव था, यहां के खूबसूरत वन्यजीवों की खोज करना, सर्फिंग और डाइविंग करना, कोआला को गोद में लेना और कंगारुओं को खाना खिलाना बहुत ही प्यारा था। मैं यहां से ढेर सारी खुशनुमा यादें ले जा रही हूं! सैयामी खेर सारा तेंदुलकर, ईशान खट्टर, कबीर खान, मिनी माथुर, प्राची देसाई, जहीर खान और सागरिका घाटगे सहित अपने दोस्तों के साथ रोमांचक भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया तीसरे टेस्ट मैच देखने पहुंची। सैयामी क्रिकेट के मैदान से बाहर भी दोस्तों के साथ अनमोल पल बिताती दिखीं। उन्होंने इसे जीवन का खास अनुभव बताया। सैयामी खेर के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेत्री हाल ही में फिल्म 'अग्नि' में नजर आई थीं। फिल्म में उन्होंने एक फायर फाइटर की भूमिका निभाई थी। फिल्म निर्माता राहुल ढोलकिया के निर्देशन में तैयार फिल्म 'अग्नि' में सैयामी खेर के साथ प्रतीक गांधी और दिव्येंदु शर्मा, साई ताम्हणकर, जितेंद्र जोशी, उदित अरोड़ा और कबीर शाह ने भी अहम भूमिका निभाई थी। 'अग्नि' का प्रीमियर 6 दिसंबर को प्राइम वीडियो पर हुआ था।

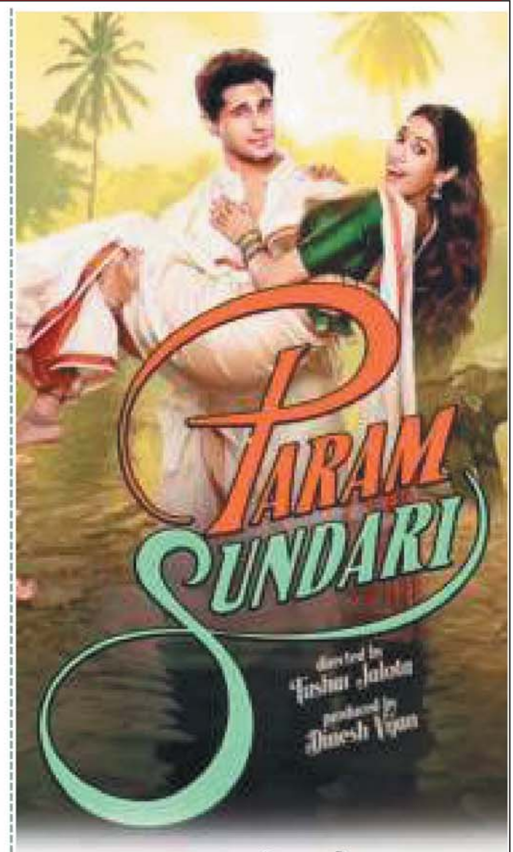

'परम सुंदरी' में नजर आएगी जान्हवी सिद्धार्थ की जोड़ी

दिनेश विजान के मैडॉक फिल्म्स की मूवी 'परम सुंदरी' काफी समय से चर्चा में बनी हुई है। इसमें जान्हवी कपूर और सिद्धार्थ मल्होत्रा की जोड़ी नजर आने वाली हैं। हाल ही में इस फिल्म की रिलीज डेट का भी पता चल गया है। फिल्म 'परम सुंदरी' के डायरेक्शन की जिम्मेदारी दिनेश विजान ने तुषार जलोटा को दी है। यह फिल्म अगले साल 25 जुलाई 2025 को रिलीज होगी। फिल्म एक लव स्टोरी है, लेकिन इसमें कहानी को जरा अलग अंदाज में कहा जाएगा। कहा जा रहा है कि फिल्म 'परम सुंदरी' की कहानी दर्शकों के दिलों को छू लेगी।

नॉर्थ-साउथ के मिलन की कहानी

फिल्म 'परम सुंदरी' की एक फ्रेश लव स्टोरी को दिखाया जाएगा। इसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा परम नाम का किरदार निभा रहे हैं, जो कि उत्तर भारत से बिलॉन्ग करता है, वहीं जान्हवी कपूर ने सुंदरी नाम की लड़की का रोल किया है, जो दक्षिण भारत से आती है। इन दोनों के बीच कैसे प्यार होता है, यह फिल्म की स्टोरी लाइन है। इस तरह के सब्जेक्ट पर पहले भी फिल्में बनी हैं, लेकिन दिनेश विजान और तुषार जलोटा, इसी कहानी को अलग ढंग से कहने वाले हैं। फिल्म का जो पोस्टर और लुक अभी तक रिलीज हुआ है, उसमें जान्हवी और सिद्धार्थ मल्होत्रा काफी अच्छे नजर आ रहे हैं, इन दोनों के बीच केमिस्ट्री भी अच्छी दिख रही है। फिल्म 'परम सुंदरी' में केरल को भी दिखाया जाएगा, वहां की सुंदरता को भी फिल्म में दिखाया जाएगा। साथ ही एक हंसाने-रुलाने वाली प्रेम कहानी को भी कहा जाएगा। उम्मीद है कि यह फिल्म भी मैडॉक की बाकी फिल्मों की तरह ही सफल होगी। मैडॉक फिल्म्स ने इस साल 'स्त्री 2', 'मुंजया' और 'तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया' जैसी हिट फिल्में दी हैं, दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है।

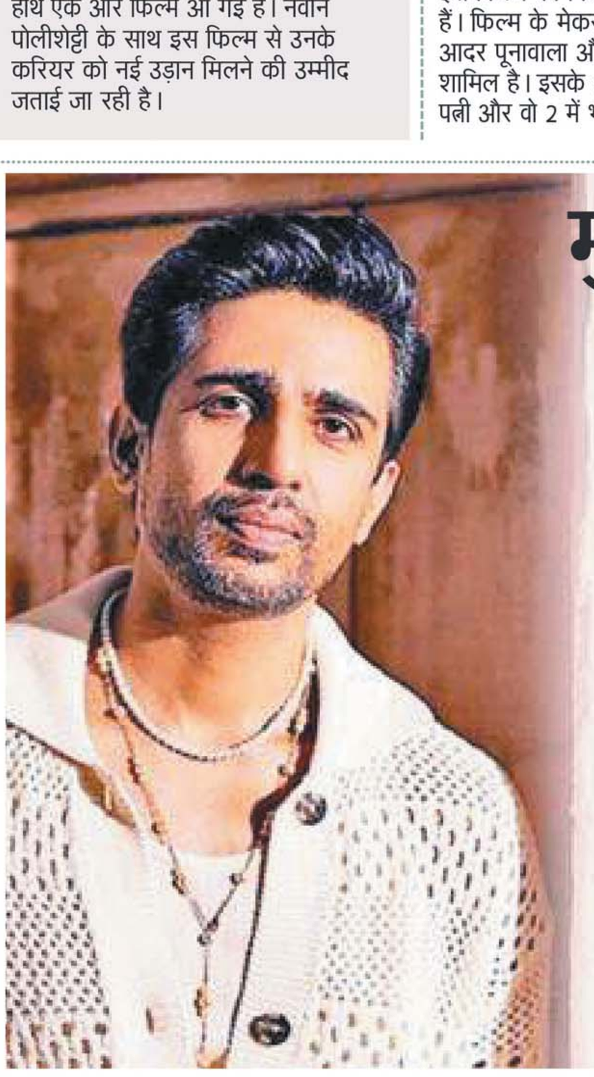

मुंबई ने मुझे यह पहचान दी है, मैं आज जो हूं, वह सब इस शहर की वजह से है

फिल्म शैतान में नशेड़ी युवा, हेट स्टोरी में बिगड़ैल रईसजादा तो हंटर में सेक्स एडिक्ट, ऐक्टर गुलशन देवैया ने अपने करियर के शुरुआत से ही लीक से हटकर बोल्ड किरदारों को चुनने का साहस दिखाया। इसी कड़ी में वह इन दिनों अपनी नई फिल्म झांसी का राजकुमार को लेकर चर्चा में हैं। समाज में तय जेंडर रोल की आम धारणा को तोड़ती इस फिल्म में गुलशन एक कामकाजी पत्नी के बेरोजगार हाउस हस्बैंड के रोल में हैं।

हमारे समाज में हमेशा से यही कहा जाता रहा है कि मर्द कमाकर लाते हैं और औरतें घर संभालती हैं। आपकी फिल्म जेंडर रोल की इस तय धारणा को तोड़ती है। इस बारे में आपकी निजी राय क्या है?

मैं बिल्कुल ऐसा नहीं मानता कि मैं मर्द हूं तो मैं घर में नहीं रह सकता हूं। घर के कामकाज नहीं कर सकता हूं। ये नियम किसने बनाए? ऐसा कहां पर लिखा है? मेरे हिसाब से ऐसा कोई जेंडर रोल तय नहीं होना चाहिए। हालांकि, यह सोच हमारे समाज में है, जिस पर चर्चा होनी चाहिए। इसीलिए, हमने यह फिल्म बनाई है, क्योंकि मैं इस चीज के बिल्कुल पक्ष में नहीं हूं। मेरा मानना है कि मर्दानगी की कोई एक परिभाषा नहीं होती। हम लोग ये मान लेते हैं कि ये मर्दानगी है और ऐसा करना मर्दानगी नहीं है। मेरे हिसाब से घर में कामकाज करने वाला, कपड़े धोने वाला भी मर्द है और वो जिनके छाती पर बाल होते हैं, जो बहुत रफ-टफ टाइप के होते हैं, वे भी मर्द है।

फिल्म में आपका किरदार दिल्ली से झांसी में नई जिंदगी शुरू करता है। आप भी बैंगलुरू से ऐक्टर बनने मुंबई आए। आपके लिए नए शहर में नई शुरुआत कितनी चुनौतीपूर्ण रही थी?

मेरे सामने एक ही दिक्कत थी कि मैं काम सीखकर आया था, इतना तैयार होकर आया था कि भरोसा था कि कोई ना कोई काम तो मिल जाएगा। फिर भी, मैं खुद को लेकर बड़ा अंडर कॉन्फिडेंट था क्योंकि मुझे फिल्म बिजनेस की कोई समझ नहीं थी। मैं सिर्फ क्राफ्ट सीखकर आया था, जबकि यहां फिल्म बिजनेस समझना भी बहुत जरूरी है, क्योंकि अगर आप इसे नहीं समझेंगे तो यह आपके लिए एक मॉन्स्टर है। जबकि, समझ लेंगे तो यह पता चलेगा कि इससे डील कैसे करना है। इसलिए, मेरा मानना है कि मैं आज जो हूं, अपने साथ जो सहज हो पाया हूं, वह सब इस शहर की वजह से है। मेरे लिए अपने मां-बाप की छत्रछाया से निकालना बहुत जरूरी था। मुंबई ने मुझे यह पहचान दी है। मैं कहूंगा कि मुंबई में जगहें भले छोटी हैं, पर मुंबई का दिल बहुत बड़ा है।

आपको लगता है कि एक बाहरी शहर या बॉलिवुड में कोई पहचान ना होने के चलते आपका संघर्ष लंबा रहा। आपको इंडस्ट्री का चलन समझने में वक्त लगा?

मैं इस इनसाइडर-आउटसाइडर वाली बहस में एक अहम पक्ष रखना चाहता हूं। मैं चाहता हूं कि आप शुरू से ऐक्टर्स की लिस्ट देखें, मतलब 50 के दशक से देख लीजिए कि कितने ऐक्टर फिल्मी परिवार वाले हैं और कितने बाहर से आए हैं। आप आंकड़े देख लीजिए, शाहरुख खान, धर्मेंद्र, राजेश खन्ना, दिलीप कुमार, अमिताभ बच्चन ये सारे सुपरस्टार आउटसाइडर ही थे। इन्होंने बाद में फिल्मी फैमिली बनाई, लेकिन वे खुद बाहर से आए थे। अभी भी दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, प्रियंका चोपड़ा सारी जानी-मानी ऐक्ट्रेसेज आउटसाइडर हैं, तो मैं चाहता हूं कि लोग इस नजरिए से भी सोचें।

आपने करियर के शुरुआत में शैतान में ड्रग एडिक्ट, हेट स्टोरी में बिगड़ैल अमीरजादे, हंटर में सेक्स एडिक्ट के ऐसे रोल किए, जो हीरो की आम धारणा से एकदम अलग है। आपको ये रोल चुनते हुए रिस्क नहीं लगा?

जब मैं इंडस्ट्री में आया था ना, तो एक ट्रेंड चल रहा था कि सभी की बॉडी होती थी। सब जिम जाते थे। सिक्स पैक ऐब अनिवार्य था। सब एक तरह के कपड़े पहनते थे। सबकी हेयर स्टाइल एक किस्म की होती थी तो मैंने भी वो चीजें करने की कोशिश की लेकिन मैं उसमें सहज नहीं था। मुझे लगा कि जो ऐसा कर रहे हैं, वो अपनी जगह ठीक हैं, पर मैं यह नहीं हूं। मुझे कुछ अलग करना चाहिए क्योंकि मैं इस दबाव में अपनी मौलिकता कहीं न कहीं खो रहा हूं। इसके लिए साहस नहीं, खुद पर भरोसे की जरूरत पड़ती है कि ठीक है, ये मेरा रास्ता है। बाकी सब जो कर रहे हैं, वो उनकी चॉइस है, लेकिन मेरे लिए वह रास्ता ठीक नहीं है।

हम औरतों से जुड़े स्टीरियोटाइप्स को लेकर काफी चर्चा करते हैं। आपको पुरुषों को लेकर कोई ऐसी सामाजिक धारणाएं हैं जो गलत लगती हैं?

ये जो घर चलाने, परिवार पालने की जिम्मेदारी मर्दों के ही सिर पर डाली जाती है, वो भी एक स्टीरियोटाइप है, जो मुझे सही नहीं लगता। मतलब, घर में अगर 3 बच्चे हैं। एक भाई है, एक बड़ी बहन है, एक छोटी बहन है, तो मर्द पर ही यह दबाव रहता है कि वह घर, बहनों की जिम्मेदारी उठाए। मर्द यह बोझ ढोते भी हैं और बेवजह अपनी जिंदगी कॉम्प्लिकेट करते हैं। बहन बोले भी कि भैया, हम हाथ बंटा लेंगे, तो भी वे कहेंगे कि नहीं, नहीं मैं भी सब करूंगा, क्योंकि मैं मर्द हूं, क्योंकि वे भी इस स्टीरियोटाइप में फंसे हुए हैं कि यह हमारी ही जिम्मेदारी है।

बुमराह और सिराज की घातक गेंदबाजी से दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया 228/9 , कुल बढ़त 333 पहुंची

–नितीश के 114 रनों से भारतीय टीम ने पहली पारी में बनाये 369 रन

–ऑस्ट्रेलिया पहली पारी 474 रन

मेलबर्न (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉक्सिंग डे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन भारतीय टीम नीतीश रेड्डी के 114 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 369 रनों पर ही आउट हो गयी। वहीं मेजबान टीम ने अपनी पहली पारी में 474 रन बनाये थे। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर ऑस्ट्रेलियाई टीम को 105 रनों की बढ़त मिली हुई है। इसके बाद मेजबान टीम ने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत की पर वह बेहद खराब रही। भारतीय टीम के तेज गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के सामने ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज टिक नहीं पाये और उसने दूसरी पारी में अपने 9 विकेट 228 रनों पर ही खो दिये। इस प्रकार उसकी कुल बढ़त 333 रनों की हो गयी है।

चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय पर नाथन लायन 41 और स्कॉट बोलैंड 10 रनों पर खेल रहे थे। मेजबान टीम ने 20 रनों के स्कोर पर ही युवा सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास का विकेट खो दिया। कोंस्टास 8 रन बनाकर जप्रीत बुमराह का शिकार बने। इसके बाद बुमराह ने उस्मान ख्वाजा को भी 21 रनों पर ही पेवेलियन भेज दिया। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ भी 13 रन बनाकर पेवेलियनप लौट गये। बुमराह ने 34वें ओवर में पहले ट्रेविस हेड को 1 रन और फिर उसी ओवर की अंतिम गेंद पर मिचेल मार्श को खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। बुमराह ने हेड को आउट करने के साथ ही टेस्ट क्रिकेट में अपने 200 विकेट लिए। इसके बाद बुमराह ने अपने अगले ओवर में ही एलेक्स कैरी को केवल 2 रनों पर ही बोल्ड कर दिया। कैरी के आउट होने के बाद मार्नस लाबुशेन और कप्तान पैट कमिंस ने पारी को संभाला। दोनों के बीच सातवें विकेट के लिए 57 रनों की साझेदारी हुई। मो सिराज सिराज ने मार्नस लाबुशेन को आउट करके इस पार्टनरशिप को तोड़ा। लाबुशेन ने तीन चौके की मदद से 139 गेंदों पर 70 रन बनाए और पारी को काफी हद तक संभाला। मेजबान टीम की शुरुआत खराब रही और सलामी सैम कोंस्टास सिर्फ 8 रन बनाकर जसप्रीत बुमराह की गेंद पर बोल्ड हो गए। उस्मान ख्वाजा भी 21 रन बनाकर सिराज का शिकार बने। स्मिथ और लाबुशेन के बीच 37 रनों की साझेदारी हुई। ऑस्ट्रेलिया का स्कोर एक समय 80 रन पर दो विकेट था। इसके बाद 11 रन बनाने में टीम ने चार विकेट खो दिये। अंतिम जोड़ी लायन 41 और स्कॉट बोलैंड 10 ने भारतीय टीम को अंतिम विकेट लेने नहीं दिया दोनो ने ही 110 गेंदों पर 55 रनों की अच्छी साझेदारी की।

नाओमी ओसाका ने कहा, अगर नतीजे नहीं आए तो वह टेनिस को अलविदा कह देंगी

वेलिंगटन (एजेंसी)। चार बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका ने कहा कि अगर उनके नतीजे उनकी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहे तो वह टेनिस को अलविदा कह देंगी। जापान की 27 वर्षीय खिलाड़ी अक्टूबर में चाइना ओपन में लगी पीठ की चोट के बाद वापसी करते हुए अपना पहला मैच सोमवार को ऑकलैंड में एएसबी टेनिस क्लासिक में खेलेंगी जिसमें पहले दौर में उनका सामना इस्राइल की लिना ग्लूश्को से होगा। ओसाका ने रविवार को ऑकलैंड में टूर्नामेंट से पूर्व प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि 2024 में उन्होंने अपने पहले बच्चे के जन्म के लिए लगभग 15 महीने के ब्रेक के बाद अपना पेशेवर करियर फिर से शुरू किया और वह सत्र का अंत 58वें स्थान पर रहीं। ओसाका ने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसी खिलाड़ी हूं जो उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं रहने पर खेलती रहे। '' उन्होंने कहा, ''मैं टूर पर मौजूद सभी खिलाड़ियों का बहुत सम्मान करती हूं लेकिन मैं अभी अपने जीवन के जिस मुकाम पर हूं, उसे देखते हुए अगर मैं एक निश्चित रैंकिंग से ऊपर नहीं हूं तो मैं खुद को खेलते हुए नहीं देखूंगी।'' ओसाका ने कहा, ''अगर मैं उस रैंकिंग पर नहीं हूं जहां मुझे लगता है कि मुझे होना चाहिए तो मैं अपनी बेटी के साथ समय बिताना पसंद करूंगी। '' ओसाका का 2024 में जीत हार का एकल रिकॉर्ड 22-17 रहा जिसमें वह दोहा और नीदलैंड में हुए टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल तक पहुंची।

यशस्वी के चार कैच छोड़ने पर भड़के रोहित

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा आज मैदान में उस समय भड़क गये जब युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने चार कैच छोड़ दिये। इसको लेकर रोहित ने यशस्वी को फटकार भी लगायी। यशस्वी ने बॉक्सिंग डे टेस्ट के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया की दूसरी पारी में ये कैच तब छोड़ा जब लाबुशेन ने आकाश दीप की गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास किया। उस समय ऑस्ट्रेलिया ने 99 रन पर 6 विकेट खो दिये थे पर यशस्वी कैच पकड़ने में विफल रहे। वहीं इससे पहले तीसरे ओवर में, उन्होंने उस्मान ख्वाजा का भी एक कैच छोड़ा था। ख्वाजा ने उस समय केवल 2 रन बनाये थे। ख्वाजा ने इसका लाभ उठाया और 21 रन बनाये। वहीं लाबुशेन ने जीवनदान का लाभ उठात हुए अर्धशतक पूरा किया। वह 70 रन पर आउट हुए। यशस्वी ने चायकाल से पहले अंतिम ओवर में पैट कमिंस का भी एक कैच छोड़ दिया। उसके बाद कमिंस ने

लाबुशेन के साथ सातवें विकेट के लिए नाबाद 44 रन की साझेदारी बनायी।

इसप्रकार कैच गिरने का लाभ उठाते हुए ऑस्ट्रेलिया ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक 9 विकेट के नुकसान पर 228 रन बनाते हुए 333 रन की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे पारी में मेजबान टीम भारतीय तेज गेंदबाजों जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के सामने टिक नहीं पाये। बुमराह ने 4 जबकि सिराज ने 3 विकेट लिए। एक विकेट रविन्द्र जडेजा को मिला।

बुमराह सबसे तेजी से 200 विकेट पूरे करने वाले संयुक्त रुप से दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉक्सिंग डे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन अपने 200 विकेट पूरे करने के साथ ही एक अहम उपलब्धि हासिल की है। बुमराह ने अपने 44वें टेस्ट में 200 विकेट पूरे किए। ट्रेविस हेड का विकेट उनका टेस्ट में 200वां विकेट था। बुमराह ने 8484 गेंदों पर अपने 200 विकेट पूरे किए। इस प्रकार बुमराह बुमराह सबसे तेजी से 200 विकेट लेने वाले संयुक्त रुप से दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गये हैं। इससे पहले स्पिनर रवींद्र जडेजा ने भी 44वें टेस्ट में 200 विकेट पूरे किए थे। भारतीयों में केवल आर अश्विन ही बुमराह से तेज 200 विकेट लेने में सफल रहे हैं। अश्विन ने 38वें टेस्ट में ये उपलब्धि हासिल की थी। बुमराह ने इस दौरान अपने साथी खिलाड़ी मोहम्मद शमी को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 200 टेस्ट विकेट लेने के लिए

9896 गेंदें फेंकी थीं। कुल मिलाकर देखा जाये तो ओवरऑल जसप्रीत बुमराह इस मामले में चौथे नंबर पर हैं। बुमराह ने 200 टेस्ट विकेट लेने के लिए 8484 गेंदें ली हैं। वहीं पाकिस्तान के वकार यूनुस, दक्षिण अफ्रीका के डेल स्टेन और कगिसो रबाडा इस मामले में उनसे आगे है।बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में ट्रेविस हेड को नीतीश रेड्डी के हाथों कैच आउट कराकर अपने 200 विकेट लिए।

200 या उससे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने के मामले में बुमराह औसत के मामले में सबसे आगे हैं। इस मामले में बुमराह ने वेस्टइंडीज के मैल्कम मार्शल, जोएल गार्नर और कर्टली एम्ब्रोस जैसे दिग्गजो को भी पीछे छोड़ दिया। बुमराह ने अब तक 44 टेस्ट मैचों में 19.38की औसत से 202 विकेट लिए हैं। वहीं मैच की बात करें भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 474 रनों के जवाब में अपनी पहली पारी में 369 रनों पर ही आउट हो गयी। सबसे अधिक 114 रन नितीश रेड्डी ने बनाये। इस प्रकार पहली पारी के आधार पर मेजबान टीम को 105 रनों की बढ़त मिली हुई है। ऑस्ट्रेलियाई टीम की दूसरी पारी की शुरुआत निराशाजनक रही। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने एक के बाद एक विकेट गिरा दिये। 100 रनों के अंदर ही आधी मेजबान टीम पेवेलियन लौट गयी। छह विकेट गंवा दिए। बुमराह ने इन छह में से चार विकेट लिए।

2025 में कौन होगा आरसीबी का कप्तान ?

मुम्बई । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) आरसीबी ने 2025 सत्र के लिए अपनी नई टीम बना ली है पर इस टीम का अगला कप्तान कौन होगा वह अभी साफ नहीं हुआ है। विराट कोहली के अलावा इस टीम में क्रुणाल पंड्या और भुवनेश्वर कुमार ही दो ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें कप्तानी का दावेदार माना जा रहा है। दिग्गज स्पिनर आर अश्विन का मानना है कि विराट आईपीएल सत्र सीजन के लिए कप्तानी

संभाला सकते हैं। कोहली ने साल 2022 में टीम की कप्तानी छोड़ दी थी पर 2023 में फॉफ डुप्लेसिस के चोटिल होने के बाद कुछ मैचों में उन्होंने टीम की कप्तानी करनी पड़ी थी। आरसीबी की ओर से फिलहाल कप्तान को लेकर कुछ नहीं कहा जा रहा है पर अश्विन को लगता है कि ये पहले से तय है। उन्होंने कहा कि कोहली ही कप्तान की भूमिका में नजर आएंगे क्योंकि आरसीबी ने नीलामी के तहत किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं खरीदा जो कप्तान बन सके। अश्विन ने ये भी कहा कि आरसीबी के लिए ये नीलामी अच्छी रही क्योंकि उन्होंने अपनी टीम को संतुलित किया और सही खिलाड़ियों का चयन किया है। अश्विन ने कहा कि आरसीबी ने आरटीएम का ज्यादा इस्तेमाल किए बना ही अपने पहले 12-14 खिलाड़ियों को समझदारी से खरीदा। उन्होंने कहा कि मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि उनकी नीलामी बेहतरीन रही। उन्होंने संतुलन बनाए रखा और इंतजार करते हुए जरुरत के अनुसार खिलाड़ी खरीदे।

आईपीएल से मिली थी नितीश को पहचान

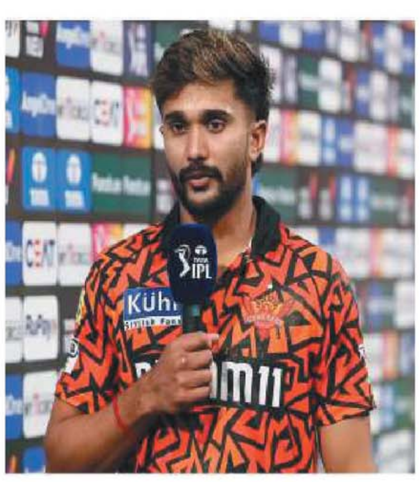

मुम्बई । भारतीय टीम के युवा क्रिकेटर नितीश कुमार रेड्डी आज जहां ऑस्ट्रेलिया में शतक लगाकर चर्चाओं में हैं और टीम का भविष्य माने जा रहे हैं। नितीश ऐसे ही यहां तक नहीं पहुंचे। इससे पहले उन्होंने इस साल आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से भी आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए सबका ध्यान खींचा था। उसके बाद ही उन्हें भारतीय टी20 टीम में भी जगह मिली थी। उन्होंने आईपीएल 2024 सत्र में 303 रन बनाए थे नितीश की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। उन्होंने साल 2017-18 में विजय मर्चेंट ट्रॉफी में आंध्र प्रदेश की ओर से तिहरा शतक लगाया था। उन्होंने 14 साल की उम्र में 345 गेंद खेलते हुए 441 रन बनाये थे। उन्होंने उस टूर्नामेंट में कुल 1237 रन 176.41 के जबरदस्त औसत से रन बनाए थे जो अभी तक एक रिकार्ड है। उन्हें बीसीसीआई की ओर से अंडर-16 क्रिकेटर ऑफ द सीजन अवार्ड भी मिला था। नितीशक को बड़ी पहचान आईपीएल से ही मिली जहां उन्होंने 143 के स्ट्राइक रेट से रन बनाये।

भारत की कोनेरु हम्पी बनी विश्व रैपिड शतरंज चैम्पियन

माउंट माउंगानुई (एजेंसी)। न्यूयॉर्क (निकलेश जैन) भारत की सर्वश्रेष्ठ महिला शतरंज खिलाड़ी ग्रांड मास्टर कोनेरु हम्पी नें एक बार फिर देश को गर्व करने का मौका दिया है , हम्पी नें न्यूयॉर्क के वाल स्ट्रीट में सम्पन्न हुई विश्व रैपिड महिला शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीतते हुए विश्व रैपिड विश्व विजेता बनने का कारनामा एक बार फिर से कर दिखाया है , पाँच साल पहले 2019 में भी कोनेरु हम्पी नें यह खिताब हासिल किया था । आखिरी राउंड के ठीक पहले हम्पी समेत कुल 7 खिलाड़ी 7.5 अंको पर खेल रहे थे जिसमें भारत को हरिका द्रोणावल्ली भी शामिल थी पर आखिरी राउंड में सिर्फ हम्पी ही जीत दर्ज करने में सफल रही जबकि बाकी सभी मुक़ाबले बेनतीजा रहे ।

हम्पी के सामने काले मोहरो से इन्डोनेशिया की करिश्मा इरेने सुकंदर थी , इटेलिअन ओपनिंग में उनका खेल लगभग ड्रॉ की तरफ बढ़ रहा था पर हम्पी एक अतिरिक्त प्यादा होने के चलते दबाव बनाने की कोशिश कर रही थी और खेल की 48वीं चाल में करिश्मा अपने राजा की गलत चाल चल गयी और हम्पी नें इसका फायदा उठाते हुए 67 चालों में खेल अपने नाम कर लिया । अन्य मुकाबलों में भारत की हरिका द्रोणावल्ली नें चीन की तान ज़्होंगाई से , रूस की लागनों काटेरयना नें उज़्बेकिस्तान की अफरुजा खंदमोवा से और जून वेंजून नें कजकिस्तान की बिबिसारा असुबाएवा से बाजी ड्रॉ खेली । बेहतर टाईब्रेक के कारण वर्तमान विश्व क्लासिकल शतरंज चैम्पियन और टॉप सीड चीन की जू वेंजून नें रजत पदक और रूस की लागनों काटेरयना नें कांस्य पदक अपने नाम किया ।

करण जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के लिए प्रायोजक तलाशे महासंघ : बोपन्ना

मुंबई । अनुभवी टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने करण सिंह को प्रतिभाशाली खिलाड़ी बताया है। बोपन्ना ने कहा है कि करण जैसी खेल की प्रतिभाओं को निखारने और आगे बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय महासंघ प्रयास करे। बोपन्ना ने कहा कि इसके लिए महासंघ प्रयोजकों की भी तलाश करे। बोपन्ना के अनसार महासंघ को करण सिंह और उसकी तरह के और भी प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का सभी प्रकार से सहयोग करना चाहिये। बोपन्ना ने कहा कि मैं करण को खेलते हुए देख रहा हूं और मुझे लगता है कि वह बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी है। उन्होंने कहा कि हमें इस तरह के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए न सिर्फ निजी प्रायोजकों बल्कि राष्ट्रीय महासंघ से भी सहयोग की जरूरत है। यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि युवा खिलाड़ियों को बड़े मंच पर खेलने का अवसर मिल रहा है।'' बोपन्ना अभी पहली बार टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) में राजस्थान रेंजर्स की तरफ से खेल रहे हैं जो 154 अंक लेकर अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है और फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में बना हुआ है।

दक्षिण अफ्रीका डब्ल्यूटीसी फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनी

स्पोर्ट्स डेस्क। दक्षिण अफ्रीका ने दो मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मैच में पाकिस्तान को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। प्रोटियाज ने 148 रन के मामूली लक्ष्य को रोमांचक अंदाज में हासिल किया और चौथे दिन 2 विकेट से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ दक्षिण अफ्रीका ने डब्ल्यूटीसी स्टैंडिंग में शीर्ष पर अपनी जगह पक्की कर ली है। वह 11 मैचों में से सात जीत के बाद 66.67 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष पर है। अब तीसरे डब्ल्यूटीसी फाइनल में ऑस्ट्रेलिया या भारत में से एक उनका प्रतिद्वंद्वी होगा।

डब्ल्यूटीसी फाइनल में भारत की संभावनाएं

भारत ने पहले दो फाइनल खेले हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर 0-3 से हारने और फिर एडिलेड ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डे-नाइट टेस्ट हारने के बाद लगातार तीसरा खिताबी मैच खेलने की उनकी उम्मीदें कमजोर दिख रही हैं।

एमसीजी में सीरीज का चौथा टेस्ट मैच अभी एक दिन

बाकी है और ऑस्ट्रेलिया 330+ रन से आगे है। सीरीज 1-1 से बराबर होने से पहले भारत को इतिहास रचने के लिए प्रदर्शन करना होगा। अगर भारत किसी तरह मेलबर्न और सिडनी दोनों में जीत हासिल कर लेता है, तो उसका सामना डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 में दक्षिण अफ्रीका से होगा।

अगर भारत मेलबर्न में चल रहे मैच को ड्रा कराता है और सिडनी में पांचवां टेस्ट जीतकर सीरीज 2-1 से अपने नाम करता है, तो ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज 2-0 से जीतनी होगी। अगर ऑस्ट्रेलिया श्रीलंका में अपनी सीरीज जीतने में विफल रहता है, तो भारत फाइनल में दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

अगर ऑस्ट्रेलिया मेलबर्न टेस्ट जीत जाता है और फिर सिडनी में हार जाता है या इसके विपरीत, तो ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका के खिलाफ अपनी सीरीज कम से कम 0-1 से हारनी होगी। किसी भी अन्य परिणाम से ऑस्ट्रेलिया दक्षिण अफ्रीका के साथ डब्ल्यूटीसी फाइनल 2025 में दूसरे स्थान पर पहुंच जाएगा।

अगर भारत और ऑस्ट्रेलिया मौजूदा टेस्ट और सिडनी में होने वाला अगला टेस्ट ड्रा खेलते हैं तो भारत को क्वालीफाई करने के लिए ऑस्ट्रेलिया को 0-1 से सीरीज हारनी होगी या ड्रा करना होगा। अगर बीजीटी 1-1 से ड्रा होने के बाद श्रीलंका ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-0 से सीरीज जीतता है तो भारत और ऑस्ट्रेलिया दोनों बाहर हो जाएंगे और श्रीलंका डब्ल्यूटीसी 2025 फाइनल खेलेगा।

मांजरेकर ने रोहित पर निशाना साधा

मुम्बई । पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि बॉक्सिंग डे टेस्ट में पारी की शुरुआत का रोहित शर्मा का फैसला गलत था। मांजरेकर ने कहा कि रोहित इस सीरीज में अब तक विफल रहे हैं। इसके बाद भी उनका सलामी बल्लेबाज के तौर पर आना गलत था। उन्होंने कहा कि इस सीरीज में रोहित के अलावा विराट कोहली और अन्य बड़े खिलाड़ी भी रन नहीं बना पा रहे जो टीम के लिए नुकसानदेह साबित हो रहा है। ऐसे में इन खिलाड़ियों को फार्म हासिल करने के पूरे प्रयास करने चाहिये। उन्होंने कहा कि रोहित बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अब तक तीन पारियों में केवल 19 रन ही बना पाए हैं। मांजरेकर ने कहा कि हमारे यहां परंपरा है कि हम अनुभवी बल्लेबाजों को लय हासिल करने के लिए ऊपर भेज देते हैं। हम प्रतिष्ठित खिलाड़ियों को सभी प्रकार के अवसर प्रदान करते हैं। वहीं इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को पारी की शुरुआत से हटाकर तीसरे नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने के लिए भेज देते हैं जिससे रोहित को फॉर्म हासिल करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि राहुल ने पहले तीन मैच में पारी की अच्छी शुरुआत की जबकि ऑस्ट्रेलिया में ओपनिंग करना आसान नहीं है। यशस्वी जयसवाल के साथ राहुल ने भारत के लिए रिकॉर्ड साझेदारी की थी पर रोहित को खिलाड़ी को सफल बनाने के लिए उस साझेदारी को तोड़ दिया दिया गया। इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा कि यशस्वी और रोहित शीर्ष पर अच्छी साझेदारियां करते हैं । उन्होंने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में जब आपको एक ऐसा सलामी बल्लेबाज मिला जो अपनी भूमिका ठीक से निभा रहा था, तो खराब फॉर्म से जूझ रहे कप्तान को पारी की शुरुआत के लिए भेजने के कारण उसे नंबर 3 पर भेजना सही नहीं है।

सिनर, स्वियातेक के डोपिंग मामलों पर खिलाड़ियों को अंधेरे में रखा गया: जोकोविच

नयी दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिसबेन-दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रविवार को इस खेल में डोपिंग से जुड़े हाई-प्रोफाइल मामलों से निपटने में 'दोहरे मापदंड' अपनाने की आलोचना की। जोकोविच चोट से उबर कर सोमवार से शुरू होने वाले 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' से प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगे।

अगले महीने शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई ओपन में अपना रिकॉर्ड 25वां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की कवायद में लगे जोकोविच 2009 के बाद पहली बार 'ब्रिसबेन इंटरनेशनल' में भाग लेंगे। इस टूर्नामेंट के एकल में उन्हें शीर्ष वरीयता मिली है। जोकोविच ने मौजूदा समय में रैंकिंग में शीर्ष पर काबिज यानिस सिनर के डोपिंग मामले के बारे में 'अंधेरे में रखे जाने' पर निराशा व्यक्त की। जोकोविच 'बिसबेन इंटरनेशनल' के युगल में ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस के साथ भी जोड़ी बनाएंगे। यह जोड़ी सोमवार से अपना अभियान शुरू करेगी।

उन्होंने कहा, 'मैं यह सवाल नहीं कर रहा हूं कि (सिनर ने) जानबूझकर प्रतिबंधित पदार्थ लिया था या नहीं। हमने अतीत और वर्तमान में बहुत सारे खिलाड़ियों को प्रतिबंधित पदार्थों के लिए जांच में पॉजिटिव आने के कारण निलंबित होते देखा है।' उन्होंने कहा, 'कम रैंकिंग वाले कुछ खिलाड़ी एक साल से अधिक समय से अपने मामले के सुलझने का इंतजार कर रहे हैं। मैं वास्तव में निराश हो हूं। हमें (सिनर मामले पर) कम से कम पांच महीने तक अंधेरे में रखा गया।'

इंटरनेशनल टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने सिनर और पूर्व महिला विश्व नंबर एक इगा स्वियातेक दोनों पर साल की शुरुआत में डोपिंग रोधी उल्लंघन का आरोप लगाया था। सर्बियाई खिलाड़ी ने डोपिंग उल्लंघनों के संबंध में टेनिस अधिकारियों की ओर से पारदर्शिता की कमी की भी आलोचना की। जोकोविच ने कहा, 'एटीपी ने वास्तव में इसके बारे में खुलकर बात नहीं की है। उन्होंने उस मामले को लोगों से दूर क्यों रखा है? हमने डब्ल्यूटीए टूर पर सिमोना हालेप का मामला देखा हैं, अब इगा स्वियातेक का मामला है।'

उन्होंने कहा, 'यह हमारे खेल के लिए अच्छी छवि नहीं है। मैं ऐसे मामलों को लेकर प्रणाली के काम करने के तरीके पर सिर्फ सवाल उठा रहा हूं। क्यों कुछ खिलाड़ियों के साथ दूसरे तरह का व्यवहार किया जाता है? हो सकता है कि इसके पीछे रैंकिंग एक कारण हो। इस तरह के मामलों से निपटने के लिए कुछ खिलाड़ियों के पास अधिक वित्तीय सहायता और मजबूत कानूनी टीमें हैं।'

संक्षिप्त समाचार

2 डॉलर की टिप नहीं दी तो पिज्जा डिलीवरी गर्ल बनी हैवान, प्रेग्नेंट महिला पर चाकू से किए 14 वार

फ्लोरिडा, एजेंसी। अमेरिका के फ्लोरिडा से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां के एक पिज्जा डिलीवरी गर्ल को एक प्रेग्नेंट महिला की हत्या की कोशिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। कथित तौर पर महिला ने उसे 2 डॉलर की टिप देने से इनकार कर दिया था जिससे वह भड़क गई थी। आरोपी की पहचान 22 वर्षीय ब्रायना अल्वेलो के रूप में हुई है। उसने महिला पर चाकू से एक दर्जन से भी ज्यादा वार किए। हालांकि महिला इस घटना में बच निकली। यह वाकया फ्लोरिडा के एक मोटेल में हुआ। महिला अपने प्रेमी और 5 वर्षीय बेटी के साथ जन्मदिन मना रही थी और उसने पिज्जा ऑर्डर किया। महिला ने डिलीवरी वर्कर को 33 के पिज्जा ऑर्डर के बाद एक छोटी सी टिप दी। ओसियोला काउंटी शेरिफ के मुताबिक अल्वेलो को यह बात अच्छी नहीं लगी। रविवार को रात 10 बजे वह एक नकाबपोश साथी के साथ चाकू से लैस होकर मोटेल में लौटी। दोनों ने महिला पर हमला कर दिया। न्यू यॉर्क पोस्ट के मुताबिक अल्वेलो ने कथित तौर पर घटनास्थल से भागने से पहले पीड़िता को 14 बार चाकू घोंपा। हमले के दौरान पीड़िता ने अपनी बेटी को बचाने की कोशिश की लेकिन हमलावरों ने उसकी पीठ पर भी वार किया। उसने मदद के लिए किसी को पुकारने की कोशिश की लेकिन अल्वेलो ने उसका फोन तोड़ दिया। हमले के बाद पीड़िता को स्थानीय अस्पताल ले जाया गया जहां उसकी हालत स्थिर है। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जल्द ही आरोपी को ढूंढ निकाला और गिरफ्तार कर लिया गया है। उस पर हत्या के प्रयास, घर में घुसपैठ, मारपीट और अपहरण के आरोप में केस दर्ज किए गए हैं। हालांकि उसका साथी अभी भी फरार है। अल्वेलो को जमानत देने से मना कर दिया गया है और फिलहाल उसे ओसियोला काउंटी जेल में रखा गया है। इस मामले पर पिज्जा चेन के मालिक ने दुख जताते हुए माफी मांगी है। कंपनी ने लोगों को आश्वासन दिया है कि वे जांच जारी रहने तक अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रहे हैं। कंपनी ने एक बयान में कहा, ग्राहकों और टीम के सदस्यों की सुरक्षा और भलाई हमेशा हमारी प्राथमिकता रही है।

इस्राइली अटॉर्नी जनरल ने पीएम नेतन्याहू की पत्नी के खिलाफ जांच के दिए आदेश, गवाह को धमकाने का आरोप

येरूशलम, एजेंसी। इस्राइली के अटॉर्नी जनरल ने पुलिस को प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की पत्नी सारा नेतन्याहू के खिलाफ जांच शुरू करने का आदेश दिया है। पीएम नेतन्याहू की पत्नी पर आरोप है कि उन्होंने राजनीतिक विरोधियों और नेतन्याहू के भ्रष्टाचार के मुकदमे में एक गवाह को परेशान किया। मामले में इस्राइली न्याय मंत्रालय ने गुरुवार देर रात एक संक्षिप्त संदेश में कहा कि यह जांच हाल ही में प्रकाशित उवदा रिपोर्ट के निष्कर्षों पर आधारित होगी। इस कार्यक्रम में व्हाट्सएप संदेशों का एक बड़ा संग्रह दिखाया गया, जिसमें सारा नेतन्याहू एक पूर्व सहयोगी को विरोध प्रदर्शनों को आयोजित करने और मुकदमे में एक गवाह हदास क्लेन को धमकाते हुए दिखाई दे रहीं हैं। बता दें कि मामले में मंत्रालय ने सारा नेतन्याहू का नाम सीधे नहीं लिया और आगे कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

भ्रष्टाचार के आरोप में फंसे ताइवान के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार रहे वेन-जे, हो सकती है 28 साल की जेल

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के पूर्व राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और ताइवान पीपुल्स पार्टी के संस्थापक को वेन-जे को गुरुवार को भ्रष्टाचार के आरोप में दोषी ठहराया गया। उन पर द्वीप की राजधानी के मेयर रहने के दौरान रिश्वत लेने का आरोप लगाया जा रहा है। अभियोजकों के बयान के अनुसार, को, जिन्होंने ताइपे के पूर्व मेयर के रूप में भी काम किया था, ने अपने कार्यकाल के दौरान कथित तौर पर रियल एस्टेट विकास से संबंधित रिश्वत ली थी। को पर राजनीतिक चंदे को शर्मसार करने का भी आरोप है. यदि उसे सभी आरोपों में दोषी ठहराया जाता है, तो उसे 28.5 साल की संभावित जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले, को ने रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार के आरोपों से इनकार किया था। उनकी पार्टी ने कहा कि ये आरोप राजनीतिक उत्पीड़न का मामला हैं। ताइपे की 2014 मेयर की दौड़ जीतने के लिए राजनीतिक परिदृश्य में प्रवेश किया। उन्होंने 2014 से 2022 तक दो कार्यकाल दिए। मामले का मूल ताइपे में कोर पैसिफिक सिटी समूह के स्वामित्व वाला एक विकास है। अभियोजकों का कहना है कि को ने रिश्वत के बदले में कंपनी को शहर निर्माण नियमों से बचने की अनुमति दी। टीपीपी की केंद्रीय समिति के सदस्य लिन फू-नान ने कहा कि सत्ता के इस तरह के दुरुपयोग से सरकार एक राजनीतिक ठग बनकर रह गई है। हम राजनीति के काले हाथ वालों से आह्वान करते हैं कि वे न्यायपालिका तक न पहुंचें।

अमेरिकी राज्य ओहायो में अब हिंदू छात्रों को मिलेगी दिवाली की छुट्टी, सीनेटर नीरज बोले- यह हिंदुओं की जीत

कोलंबस, एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य में अब हिंदू छात्रों को दिवाली की छुट्टी मिलेगी। इसके साथ ही वह अपने धार्मिक पर्व पर एक शिक्षा सत्र मे दो अन्य छुट्टियां भी ले सकेंगे। अमेरिकी राज्य के भारतीय अमेरिकी विधायक ने यह एलान किया। उन्होंने कहा कि मेरे द्वारा लाए गए विधेयक को पहले ओहायो स्टेट हाउस और सीनेट ने पारित किया था। अब ओहायो के गवर्नर माइक डेविन ने इसे पारित कर दिया।

राज्य सीनेटर नीरज एंटनी ने कहा कि नए विधेयक के चलते ओहायो में प्रत्येक हिंदू छात्र 2025 में होने वाली दिवाली और उसके बाद दो दिन स्कूल की छुट्टी ले सकेगा। यह ओहायो में हिंदुओं की एक अविश्वसनीय जीत है। अमेरिकी इतिहास में ओहायो पहला ऐसा राज्य है जहां प्रत्येक छात्र को दिवाली की छुट्टी मिलेगी।

उन्होंने कहा कि हमारे कानून के तहत छात्रों को 2 अन्य धार्मिक छुट्टियां लेने की अनुमति मिलेगी। इसका मतलब है कि एक गुजराती हिंदू छात्र नवरात्रि या अन्नकूट के लिए एक दिन की छुट्टी ले सकता है। एक ब्बक्ष भक्त प्रमुख स्वामी महाराज जयंती के लिए छुट्टी ले सकता है, एक स्वामीनारायण भक्त हरि जयंती के लिए छुट्टी ले सकता है, एक तेलुगु हिंदू छात्र उगादि की छुट्टी ले सकता है, एक तमिल हिंदू छात्र पोंगल की छुट्टी ले सकता है, एक बंगाली हिंदू छात्र दुर्गा पूजा की छुट्टी ले सकता है, एक पंजाबी हिंदू छात्र लोहड़ी की छुट्टी ले सकता है, एक इस्कॉन भक्त उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी की छुट्टी ले सकता है। ओहायो में अब किसी भी हिंदू बच्चे को त्योहार के चलते पढ़ाई की समस्या नहीं होगी।

उन्होंने बताया कि विधेयक के मुताबिक छुट्टी लेने के लिए माता-पिता को स्कूल के प्रिंसिपल को एक हस्ताक्षरित पत्र भेजेंगे। इसमें छात्र द्वारा ली जाने वाली धार्मिक छुट्टियों का जिक्र होगा। हस्ताक्षरित पत्र स्कूल वर्ष के पहले दिन से 14 दिनों के भीतर प्रिंसिपल को भेजा जाएगा। हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन के प्रबंध निदेशक समीर कालरा ने कहा कि ओहायो देश के बाकी हिस्सों के लिए एक उदाहरण स्थापित कर रहा है कि कैसे स्कूल यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि सभी छात्र नकारात्मक शैक्षणिक परिणामों के डर के बिना अपने धर्म का पूरी तरह से पालन कर सकें। फाउंडेशन इस पहल की सराहना करता है।

उत्तरी अमेरिका के हिंदुओं के गठबंधन (ष्टश्व॥द्ब) के क्लीवलैंड चैप्टर के निदेशक राकेश रंजन ने कहा कि क्लीवलैंड में हाल ही में स्नातक करने वाले छात्रों के एक हिंदू अभिभावक के रूप में दिवाली के दौरान ऐसा होना आश्चर्यजनक है। अब मेरे बच्चे दिवाली को पूरी तरह से मना पाएंगे और अपनी पढ़ाई की चिंता नहीं करेंगे। हिंदू एक्टेशन के कार्यकारी निदेशक उत्सव चक्रवर्ती ने कहा कि इस विधेयक से 120,000 हिंदुओं को अपने परिवारों के साथ अपनी परंपराओं का जश्न मनाने, समावेश और सांस्कृतिक समझ को बढ़ावा देने का अधिकार मिला है।

विमान के पहिये में मिला व्यक्ति का शव, पायलट व यात्रियों के उड़े होश

लॉस एंजिल्स, एजेंसी। अमेरिका के हवाई में एक हवाई अड्डे पर उतरने के बाद यूनाइटेड एयरलाइंस के विमान के पहिए में एक व्यक्ति का शव मिला. इस बारे में एयरलाइंस के अलावा स्थानीय समाचार पत्रों ने जानकारी दी गई. वहीं इस संबंध में कंपनी ने बुधवार को अपने एक बयान में कहा, मंगलवार को माउई के काहुलुई हवाई अड्डे पर पहुंचने पर यूनाइटेड एयरलाइंस के विमान के पहिये के पास एक व्यक्ति का शव मिला है. कंपनी ने यह भी कहा कि वह मामले की जांच में कानून प्रवर्तन अफसरों के साथ काम कर रही है.समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक कंपनी ने कहा कि यह अभी भी पता नहीं चल पाया है कि वह व्यक्ति पहिये तक किस तरह पहुंचा. उन्होंने कहा कि पहिये (व्हील वेल) तक सिर्फ प्लेन के बाहर से ही पहुंचा जा सकता था. इस संबंध में बताया जा रहा है कि शव शिकागो के ओहारे एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले बोइंग 787-10 विमान में मिला है. साथ ही यह शव उस डिब्बे में था जिसमें विमान का लैंडिंग गियर रखा हुआ था, जब यूनाइटेड फ्लाइट 202 शिकागो ओहारे इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान भर रही थी. दपुलिस विभाग मृत व्यक्ति के बारे में जांच पड़ताल कर रहा है।

भारत, चीन के बीच समझौते को 'व्यापक और प्रभावी ढंग से' लागू किया जा रहा है : चीन सेना

बीजिंग, एजेंसी। चीन के रक्षा मंत्रालय ने गुरुवार को कहा कि चीन और भारत की सेनाएं पूर्वी लद्दाख में गतिरोध को समाप्त करने के लिए हुए समझौते को ''व्यापक और प्रभावी रूप से'' लागू कर रही हैं और इसमें ''निरंतर प्रगति'' हुई है. चीन के रक्षा प्रवक्ता कर्नल झांग शियाओगांग ने यहां प्रेस वार्ता के दौरान 18 दिसंबर की विशेष प्रतिनिधि स्तर की वार्ता को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए यह टिप्पणी की. उन्होंने कहा, ''वर्तमान में, चीन और भारत की सेनाएं दोनों पक्षों के बीच सीमा संबंधी समझौतों को व्यापक और प्रभावी ढंग से लागू कर रही हैं और इसमें लगातार प्रगति हुई है.'' उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में, दोनों देशों के नेताओं द्वारा बनी आम सहमति के आधार पर, चीन और भारत ने कूटनीतिक और सैन्य तरीकों से सीमा की स्थिति पर निरंतर संपर्क बनाए रखा है और काफी प्रगति हासिल की है. भारत और चीन के बीच 21 अक्टूबर को हुए समझौते के बाद, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल और चीन के विदेश मंत्री वांग यी ने यहां मुलाकात की और समझौते के कार्यान्वयन और संबंधों की बहाली पर व्यापक बातचीत की थी. विशेष प्रतिनिधि वार्ता तंत्र को पुनर्जीवित करने का निर्णय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच अक्टूबर में रूस के कजान में हुई बैठक में लिया गया था. कर्नल झांग ने कहा कि चीन-भारत संबंधों को सही रास्ते पर लाना दोनों देशों के लोगों के हितों को पूरा करने के लिए जरूरी है. उन्होंने कहा, ''चीनी सेना दोनों नेताओं के बीच बनी महत्वपूर्ण सहमति को ईमानदारी से लागू करने, अधिक आदान-प्रदान और संपर्क करने तथा चीन-भारत सैन्य संबंधों को बढ़ावा देने के लिए भारतीय पक्ष के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थायी शांति और सौहार्द का माहौल कायम किया जा सके.'' पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य गतिरोध मई 2020 में शुरू हुआ था और उसके बाद उसी वर्ष जून में गलवान घाटी में घातक झड़प हुई।

मनमोहन सिंह को भारत-अमेरिका को करीब लाने के लिए याद किया जाएगा, अमेरिकी विदेश मंत्री ब्लिंकन

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। संयुक्त राज्य अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उन्हें अमेरिका-भारत संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण व्यक्ति बताया. ब्लिंकन ने डॉ. मनमोहन सिंह के नेतृत्व की प्रशंसा की. उन्होंने कहा कि डॉ. सिंह ने भारत में आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने, अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते सहित संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत को करीब लाने के लिए उनके समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा.

एक बयान में, ब्लिंकन ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के निधन पर संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के लोगों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता है. डॉ. सिंह अमेरिका-भारत रणनीतिक साझेदारी के सबसे बड़े समर्थकों में से एक थे. उन्होंने कहा कि उनके काम ने पिछले दो दशकों में हमारे देशों द्वारा मिलकर हासिल की गई अधिकांश उपलब्धियों की नींव रखी. अमेरिका-भारत असैन्य परमाणु सहयोग समझौते को आगे बढ़ाने में उनके नेतृत्व ने अमेरिका-भारत संबंधों की क्षमता में एक बड़े निवेश का संकेत दिया. घर पर, डॉ. सिंह को उनके आर्थिक सुधारों के लिए याद किया जाएगा।

बांग्लादेश के सचिवालय में लगी भीषण आग, सरकारी दस्तावेज जलकर खाक

ढाका , एजेंसी। ढाका में बांग्लादेश सचिवालय की एक प्रमुख इमारत में बृहस्पतिवार को भीषण आग लग गई, जिससे सरकारी दस्तावेज नष्ट हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों को आशंका है कि सरकारी दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाने की मंशा से ही घटना को अंजाम दिया गया और इस संबंध में एक उच्च स्तरीय जांच समिति गठित की गई है। बांग्लादेश सचिवालय की इमारत संख्या सात में आग लगी और करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारियों के अनुसार, नौ मंजिला इमारत में सात मंत्रालय मौजूद हैं। उच्च सुरक्षा वाले परिसर में बृहस्पतिवार सुबह आग लगी। हालांकि, आग की घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन सेवा के प्रमुख ब्रिगेडियर जनरल जाहेद कमाल ने संवाददाताओं को बताया, ''कल (बुधवार) आधी रात के बाद इमारत में तीन स्थानों पर एक साथ आग लग गई। उन्होंने संकेत दिया कि आग संभवतः दुर्घटनावश नहीं लगी। अधिकारियों ने बताया कि आग के कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे इमारत के अलावा अन्य मंत्रालयों को भी अपना सामान्य कामकाज रोकना पड़ा जबकि सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर के अंदर प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया, जिससे कई कर्मचारी परिसर में प्रवेश नहीं कर पाए। उन्होंने बताया कि इमारत संख्या सात की छठी, सातवीं और आठवीं मंजिल पर स्थित अधिकांश कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए, जबकि स्थानीय प्रशासन, डाक एवं दूरसंचार मंत्रालयों के दस्तावेज और फर्नीचर जल गए। एक अधिकारी ने इमारत का दौरा करने के बाद बताया, ''आग बुझाने के लिए इस्तेमाल किए गए पानी से कई दस्तावेजों को भी नुकसान पहुंचा।

इमारत के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले कबूतर मरे हुए पाये गए और खिड़कियां टूटी हुई थीं। अंतरिम सरकार के सलाहकार आसिफ महमूद सजीब भुइयां ने कहा, ''षड्यंत्रकारियों ने अपनी गतिविधियां बंद नहीं की हैं। उन्होंने कहा कि जिन दस्तावेजों को नुकसान पहुंचा है, उनमें अपदस्थ आवामी लीग शासन के दौरान हुए लाखों डॉलर के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाले कागजात और सबूत शामिल हैं। भुइयां ने कहा, ''अगर कोई भी हमें (भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई में) विफल करने में संलिप्त पाया गया तो उसे (दंडात्मक कार्रवाई से) बचने का जरा सा भी मौका नहीं दिया जाएगा। इस बीच, अधिकारियों ने वरिष्ठ नौकरशाहों, अग्निशमन सेवा और पुलिस अधिकारियों वाली सात सदस्यीय समिति का गठन किया। अतिरिक्त सचिव (जिला और क्षेत्रीय प्रशासन) मोहम्मद खालिद रहीम की अध्यक्षता वाली समिति को सात कार्य दिवसों के भीतर अपनी रिपोर्ट दाखिल करने को कहा गया है।

जंगल की आग को और भड़का रही है तेज हवाएं

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में में लगी जंगल की आग को बुझाने में फायर फाइटर्स को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा रहा है। विक्टोरिया के आपातकालीन प्रबंधन आयुक्त रिक नुगेंट ने कहा कि गुरुवार को फायर फाइटर्स को कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा, लेकिन वे आगे आने वाली चुनौतियों के लिए तैयार हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, विक्टोरिया राज्य में आग पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया गया था। दरअसल गर्मी और तेज हवाओं के कारण जंगलों में आग लगने का खतरा बढ़ गया था। नुगेंट ने पत्रकारों से कहा कि तेज उत्तरी हवाएं विक्टोरिया के दक्षिण में स्थित ग्रैम्पियंस नेशनल पार्क में लगी आग को और भड़का रही हैं। अधिकारी ने कहा, इसके बाद हवा की दिशा बदलकर दक्षिण-पश्चिम की ओर हो जाएगी, जिससे मौजूदा आग को बुझाने वाले अग्निशामकों के लिए समस्याएं और बढ़ जाएंगी। ग्रैम्पियंस नेशनल पार्क की आग ने पहले ही करीब 55,000 हेक्टेयर भूमि को जलाकर पर्यावरण, पशुधन और बाहरी इमारतों को काफी नुकसान पहुंचाया है। नुगेंट ने कहा, हमें अब तक आवासीय घरों के नुकसान की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है, लेकिन ग्रैम्पियंस में कई लोग रहते हैं, इसलिए अगर कोई घर नष्ट होता है, तो मुझे इसमें कोई हैरानी नहीं होगी। विक्टोरिया के राज्य नियंत्रण केंद्र के ल्यूक हेगर्टी ने कहा कि ग्रैम्पियंस में हालात जल्दी बदल रहे हैं। उन्होंने कहा, जैसा कि हमने अनुमान लगाया था, आज दोपहर में आग और भड़की। हवा की दिशा बदलने से आग के कुछ हिस्सों पर असर पड़ना शुरू हो गया है। हेगर्टी ने आगे कहा, आज सुबह और दोपहर को हमने उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण आग को दक्षिण-पूर्व की ओर फैलते हुए देखा है। उन्होंने कहा कि दोपहर की हवाओं ने पेड़ गिरा दिए, जिससे उस क्षेत्र से बाहर जाने की कोशिश कर रहे लोगों परेशानी हो सकती है। इससे पहले शुक्रवार को, अधिकारियों ने बताया कि विक्टोरिया में संपत्ति को नुकसान पहुंचने की खबरें आई थीं, क्योंकि अत्यधिक गर्मी और तूफान की स्थिति ने खासतौर पर राज्य के पश्चिमी हिस्से में झाड़ियों में आग लगा दी थी। विक्टोरिया की प्रमुख जैकिंटा एलन ने राज्य नियंत्रण केंद्र में कहा, अब हमें दुख के साथ संपत्ति के नुकसान की खबरें मिल रही हैं, जो आग की सक्रिय स्थिति और इलाके की कठिनाई को देखते हुए आ रही हैं। गुरुवार को बेयिनडीन रॉकी रोड पर लगी झाड़ियों की आग बेकाबू हो गई।

दक्षिण कोरिया में कार्यवाहक राष्ट्रपति के खिलाफ विपक्ष का बड़ा कदम, महाभियोग प्रस्ताव दायर

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी पार्टी ने दिसंबर में अपने अल्पकालिक मार्शल लॉ डिक्री से उत्पन्न महाभियोग के राष्ट्रपति यूं सुक येओल के खिलाफ विद्रोह के आरोपों की अदालत की समीक्षा से पहले संवैधानिक न्यायालय की तीन रिक्तियों को भरने में उनकी अनिच्छा पर देश के कार्यवाहक नेता पर महाभियोग चलाने के लिए गुरुवार को एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया। उदारवादी विपक्ष और यूं की रूढ़िवादी पार्टी के बीच बढ़ते विवाद के बीच अदालती नियुक्तियाँ रुकी हुई हैं, और प्रधान मंत्री हान डक-सू के संभावित महाभियोग से राजनीतिक पक्षाघात गहरा हो सकता है जिसने उच्च-स्तरीय कूटनीति को रोक दिया है और वित्तीय बाजारों को हिलाकर रख दिया है।

विपक्ष-नियंत्रित नेशनल असेंबली ने भी तीन संवैधानिक न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए प्रस्ताव पारित किया क्योंकि अदालत यून को बर्खास्त करने या बहाल करने पर विचार-विमर्श शुरू करने की तैयारी कर रही है। वोट तब आया जब हान ने एक टेलीविज़न बयान में दोहराया कि वह द्विदलीय सहमति के बिना न्यायाधीशों की नियुक्ति नहीं करेंगे। नेशनल असेंबली के अध्यक्ष वू वोन शिक ने हान से न्यायाधीशों की शीघ्र नियुक्ति करने का आग्रह करते हुए कहा कि द्विदलीय सहमति के लिए उनका आह्वान अनिवार्य रूप से इनकार के समान है और संवैधानिक न्यायालय के न्यायाधीशों को चुनने के नेशनल असेंबली के अधिकार का उल्लंघन है।

यून की पीपुल्स पावर पार्टी, जिसके अधिकांश सदस्यों ने नेशनल असेंबली वोट का बहिष्कार किया, ने तर्क दिया कि हान को प्रस्तावित न्यायाधीशों की नियुक्ति के लिए राष्ट्रपति के अधिकार का प्रयोग नहीं करना चाहिए, जबकि यून को अभी तक औपचारिक रूप से पद से हटाया नहीं गया है। मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी ने रूढ़िवादियों पर यून के राष्ट्रपति पद को बचाने के लिए अदालती प्रक्रिया को कमजोर करने का आरोप लगाया है, और हान पर महाभियोग चलाने का उसका प्रस्ताव शुक्रवार की शुरुआत में फ्लोर वोट पर जा सकता है। डेमोक्रेट्स के फ्लोर लीडर पार्क चान-डे ने कहा कि हान की टिप्पणियों से पता चलता है कि उनके पास कार्यवाहक नेता के रूप में सेवा करने की योग्यता और संविधान को बनाए रखने की इच्छाशक्ति दोनों का अभाव है।

यमन एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले थे डब्ल्यूएचओ चीफ, तभी बम बरसाने लगा इजरायल; बाल-बाल बचे

साना , एजेंसी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख और संयुक्त राष्ट्र के अन्य कर्मचारी गुरुवार को यमन के सना स्थित अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर फंस गए थे। इस दौरान इजरायल एयरस्ट्राइक कर रहा था। एक सोशल मीडिया पोस्ट में डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस एडनॉम घेब्रेयसस ने खुद इसका खुलासा किया है। उन्होंने खुद इस बात का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि वह और उनके कर्मचारी विमान में सवार होने ही वाले थे कि तभी हवाई अड्डे पर हवाई बमबारी होने लगी। उन्होंने लिखा, हमारे विमान के चालक दल के एक सदस्य घायल हो गए। हवाई अड्डे पर दो लोग मारे गए।

हमलों में पावर स्टेशनों और बंदरगाहों को भी निशाना बनाया गया। कम से कम तीन लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हो गए। इजरायल द्वारा हमले की जिम्मेदारी लेने के बाद हूती विद्रोही समूह ने इन हमलों को क्रूर करार दिया। हलांकि इस घटना में मारे गए लोग नागरिक थे या हूती विद्रोही, इसका अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। इजरायली रक्षा बलों ने एक बयान में कहा कि उनके विमान ने हूती आतंकवादी शासन के सैन्य ठिकानों पर खुफिया रिपोर्ट के आधार पर हमले किए हैं। इनमें साना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, हेजियाज और रास कनातिब पावर स्टेशनों और पश्चिमी तट के अल-हुदायदाह, सालीफ और रास कनातिब बंदरगाहों पर स्थित सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हमलों के बाद कहा, हम ईरानी आतंकवादी धारा को तब तक खत्म करते रहेंगे जब तक हम काम पूरा नहीं कर लेते। वहीं, हूती के प्रमुख मोहम्मद अली अल-हूती ने इन

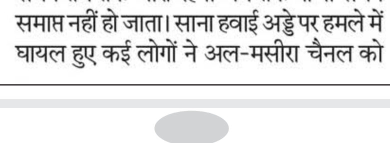

हमलों को क्रूर और आक्रामक बताया और कहा कि अमेरिकी और इजरायली अहंकार के साथ संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक गाजा संघर्ष समाप्त नहीं हो जाता। साना हवाई अड्डे पर हमले में घायल हुए कई लोगों ने अल-मसीरा चैनल को बताया कि रनवे पर तीन बार हमले किए गए। उसके बाद हवाई अड्डे के नियंत्रण टॉवर को भी निशाना बनाया गया। एक व्यक्ति ने कहा कि अस्पताल में 10 मरीजों का इलाज किया गया, जिनमें से एक की मौत हो गई। एक गंभीर स्थिति में था और बाकी को मामूली चोटें या हड्डी टूटने की समस्या थी। आपको बता दें कि हूती विद्रोही अक्टूबर 2023 में गाजा युद्ध की शुरुआत से ही इजरायल पर हमले कर रहे हैं। पिछले सप्ताह एक हूती मिसाइल हमले में इजरायल में दर्जनों लोग घायल हुए थे। इसके जवाब में इजरायल ने हूतियों पर हमले किए हैं। इस सप्ताह के शुरू में इजरायल के रक्षा मंत्री ने कहा था कि देश हूतियों के खिलाफ कड़ा प्रहार करने के लिए तैयार है। उन्होंने चेतावनी दी थी कि वे समूह के नेतृत्व का सिर कलम करेंगे।

खैबर पख्तूनख्वा में पाकिस्तान तालिबान से भिड़ गई सेना, 13 आतंकी ढेर; 1 मेजर की भी मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। तालिबान से टेंशन के बीच पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार देश के भीतर विद्रोहियों और आतंक की फौज का सामना कर रही है। पाकिस्तानी सेना ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे अशांत खैबर पख्तूनख्वा जिले में तीन अलग-अलग गोलीबारी में उसने 13 आतंकवादी मार गिराया। पाकिस्तान का आतंकियों पर यह ऐक्शन तब हुआ है जब दो दिन पहले पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान में घुसकर एयर स्ट्राइक की थी। पाक ने कहा था कि उसका निशाना टीटीपी (तहरीक-ए-तालिबान) था, लेकिन तालिबान ने जानकारी दी कि हमले में 46 लोग मारे गए।

पत्नी पीड़ित पतियों ने विरोध प्रदर्शन कर पुरुषों के लिए आयोग बनाने की मांग की

सूरत । शहर के अठवा लाइंस सर्कल पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारी पत्नी पीड़ित पति थे जो बेंगलुरू के इंजीनियर अतुल सुभाष की आत्महत्या को लेकर विरोध जता रहे थे। प्रदर्शनकारियों ने महिलाओं के अधिकारों का दुरुपयोग का मुद्दा उठाते हुए पुरुषों के लिए आयोग का गठन करने की मांग की। साथ ही झूठे मुकदमों के जरिए प्रताड़ित किए गए लोगों को न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। जानकारी के मुताबिक सूरत शहर के अठवा लाइंस सर्कल पर पत्नी पीड़ित पतियों ने विरोध प्रदर्शन किया। दरअसल, बेंगलुरु के इंजीनियर अतुल सुभाष ने आत्महत्या करने से पहले एक वीडियो बनाया और अपनी पत्नी पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। अतुल सुभाष आत्महत्या मामले को लेकर एक नई चर्चा शुरू हो गई है। इस संदर्भ में कानून में महिलाओं को मिले अलग-अलग अधिकारों के दुरुपयोग की भी चर्चा हो रही है। अतुल सुभाष आत्महत्या मामले के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने अठवा लाइंस सर्किल पर प्ले कार्ड के साथ प्रदर्शन किया। विरोध करने वाले कुछ पतियों ने ताश के पत्तों पर पुरुष अधिकार और मानवाधिकार लिखा, जबकि अन्य ने 2014 से 2022 तक पुरुष आत्महत्या के मामलों के आंकड़े लिखे। कोई सरकार से सर्व-पुरुष आयोग नियुक्त करने की मांग कर रहा था तो किसी ने लिखा कि फर्जी केस मानवता के खिलाफ अपराध है। किसी ने सेफ फैमिलीज सेव नेशन लिखकर विरोध जताया। कुछ तख्तियों पर लिखा था- पति एटीएम नहीं; आंदोलनकारियों ने पुरुषों के दर्द को अपने अनूठे अंदाज में व्यक्त किया।

गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया और अमृत बाठ के 5 साथी गिरफ्तार, कई हथियार बरामद

तरनतारन। टारगेट किलिंग की फिराक में घूम रहे 5 बदमाशों को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार किया है। ये बदमाश गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया और अमृत बाठ के साथी बताए जा रहे हैं। पंजाब पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए गैंगस्टर जग्गू भगवानपुरिया और अमृतपाल सिंह उर्फ अमृत बाठ के पांच साथियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार अवैध हथियार बरामद किए हैं, जिनमें एक अमेरिकी निर्मित 9 एमएम की पिस्तौल भी शामिल है। पुलिस ने सभी आरोपियों को रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बता दें, जग्गू भगवानपुरिया, जिसका असली नाम जसप्रीत सिंह है, गुरदासपुर के भगवानपुर गांव का रहने वाला है। कबड्डी का अच्छा खिलाड़ी होने के बावजूद, वह अपराध की दुनिया में शामिल हो गया और बाद में अपना नाम बदलकर जग्गू भगवानपुरिया रख लिया। पुलिस के अनुसार, शुरुआती जांच में पता चला है कि ये आरोपी किसी बड़ी टारगेट किलिंग को अंजाम देने की फिराक में थे, लेकिन पुलिस की त्वरित कार्रवाई से उनकी साजिश नाकाम हो गई। तरनतारन क्षेत्र में इस गिरोह द्वारा हाल ही में की गई टारगेट किलिंग में शामिल शूटरों के बारे में भी पुलिस को महत्वपूर्ण जानकारी मिली है, जिसके आधार पर आगे की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इस इलाके में जग्गू भगवानपुरिया के और कितने साथी सक्रिय हैं। यह जानकारी पंजाब पुलिस के डीजीपी द्वारा साझा की गई है।

साइबर ठगों ने ट्रेडिंग का झांसा देकर ठग लिए 14.35 लाख रुपये

गाजियाबाद। साइबर अपराधियों ने शेयर ट्रेडिंग का झांसा देकर 14.35 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित को साइबर अपराधियों ने ट्रेडिंग एप में आइपीओ आवंटित दिखाकर 51 लाख रुपये की मांग की, लेकिन पीड़ित ने रुपये न होने पर असमर्थता जताई। इससे गुस्साए साइबर ठग ने उन्हें कानूनी कार्रवाई करने की धमकी दे डाली। परेशान होकर पीड़ित ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस का कहना है कि मामले में जिन खातों में धनराशि ट्रांसफर हुई है उनकी जानकारी जुटाइकर शीघ्र कार्रवाई की जाएगी। शास्त्री नगर निवासी सुधीर कुमार के पास 14 नवंबर को एक युवती ने वाट्सएप मैसेज कर स्टाक ट्रेडिंग के लिए जानकारी डाली। 17 नवंबर को उन्हें एक ग्रुप में जोड़ दिया गया। इस ग्रुप में स्टाक खरीदने के अगले ही दिन लोग खूब मुनाफा होने की जानकारी डालते थे।

संभल में जामा मस्जिद के सामने हुआ चौकी का निर्माण शुरू, महिलाओं ने जलाए दीप

संभल। यूपी के संभल में जहां पर पुलिस चौकी बन रही है, वहां स्थानीय महिलाएं पूजा करने पहुंचीं और भूमि पूजन वाली जगह पर नवग्रह बनाकर दीप जलाए। महिलाओं ने यहां पूजा-अर्चना की। उनका कहना था कि पुलिस चौकी बनने से वे सुरक्षित महसूस कर रही हैं। इस जगह पर चौकी बन रही है, यह अच्छा कदम है. वे मंदिर जाने से पहले यहां दीप जलाने आई हैं। बता दें कि संभल में पुलिस चौकी निर्माण का काम शुरू होने से पहले भूमि पूजन किया गया था। इसके बाद शनिवार रात आसपास के इलाके की महिलाएं भूमि पूजन वाली जगह पर पहुंचीं और पूजन किया। महिलाओं ने आटे से नवग्रह बनाए और उसके ऊपर दीप जलाकर रखे और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। दरअसल, शुक्रवार को संभल में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने जामा मस्जिद के सामने खाली पड़े मैदान में पुलिस चौकी बनाने का फैसला किया था। इसके तुरंत बाद चौकी की नींव की खुदाई का काम शुरू हुआ। भूमि पूजन के बाद चौकी बनाए जाने का काम शुरू हो गया था। इस चौकी का नाम सत्यव्रत पुलिस चौकी रखा जाएगा।

खंडवा का 500 साल पुराना श्री राम मंदिर, जलकर खाक

खंडवा। खंडवा जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर भामगढ़ मैं स्थित 500 वर्ष पुराने श्री राम मंदिर में आग लग गई। यह पूरा मंदिर सागोन की लकड़ी से बना हुआ था। मंदिर में रात 1ः30 बजे आग लगी थी। आग की लपटों को उठता देख पहले पुजारी का परिवार जागा। उसने गांव वालों को इकट्ठा किया। ग्रामीणजनों ने अपने स्तर पर आग बुझाने का काम किया। फायर बिग्रेड के लिए फोन किया गया था। वह काफी विलंब से पहुंची, तब तक मंदिर जल चुका था।

केजरीवाल का बीजेपी पर आरोप, मेरी नई दिल्ली सीट पर ऑपरेशन लोटस चला रही

वोटर हटाने और वोटर जोड़ने का काम किया जा रहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बीजेपी पर ऑपरेशन लोटस चलाने का आरोप लगाया है। केजरीवाल ने दावा किया है कि नई दिल्ली सीट पर 15 दिसंबर से ऑपरेशन लोटस चला रही है। केजरीवाल से दावा किया कि बीजेपी चुनाव जीतने के लिए हर तरह के हथकंडे अपना रही है। मेरे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी का ऑपरेशन लोटस 15 दिसंबर से चालू है। इन 15 दिनों में, उन्होंने करीब 5,000 वोट हटने और 7,500 वोट जोड़ने के लिए आवेदन दिया है।

उन्होंने कहा, नई दिल्ली में एक लाख 6 हजार वोट हैं। एक लाख 6 हजार वोट में से अगर 5 प्रतिशत वोट यह डिलीट करवा रहे हैं और साढ़े सात वोट जोड़ रहे हैं, तब फिर चुनाव कराने की जरूरत क्या है। यह सरेआम बदमाशी हो रही है।

केजरीवाल ने दावा किया कि बीजेपी मौजूदा वोटर के नाम कटवा रही है। नई दिल्ली विधानसभा सीट पर 29 अक्टूबर से 14 दिसंबर तक 900 वोट कटने के लिए आवेदन दिए गए। 15 दिसंबर से आज तक 5000 वोट डिलीशन के लिए आए। 19 दिसंबर को यानी एक दिन में ही डेढ़ हजार वोट डिलीशन के लिए आए। केजरीवाल ने कहा, जो लोग वोट काटने का आवेदन कर रहे हैं वह कौन हैं और किसके इशाके पर से सारा काम हो रहा हैं।

वहीं वोट जोड़ने के मामले में कहा, जब चुनाव आयोग ने दो महीने तक घर-घर जाकर वोट बनाए तब अब 15 दिनों में 10 हजार वोटर कहां से आ गए, जिनके वोट बनवाए जा रहे हैं। बीजेपी बाहर से लोगों को लाकर उनका फर्जी वोटर कार्ड बनावा रही है।

इसके साथ उन्होंने अधिकारियों को आगाह किया है। केजरीवाल ने कहा कि आप पर दबाव बढ़ने वाला है, लेकिन कोई भी गलत काम करने से पहले यह सोच लेना कि आज नहीं तब कल सरकार बदलेगी लेकिन फाइलें और आपके साइन वहीं रहने वाले है। कोई किसी से नहीं पूछेगा कि किसके कहने पर किया था, आखिर में पकड़े आप जाओगे। केजरीवाल ने कहा, बीजेपी 15 दिसंबर से तीन हथकंडे अपना रही है। पहला वोट कटवाओं, दूसरा फर्जी वोट जुड़वा और तीसरा लोगों में पैसे बांटो। बीजेपी वाले खुलेआम पैसे बांट रहे हैं। देश ने पिछले 70 सालों में इतनी बेशर्मी और नंगापन नहीं देखा होगा।

असम में करीब छह करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त, पांच लोग गिरफ्तार : मुख्यमंत्री

दिसपुर। असम में पुलिस ने दो अलग-अलग अभियानों में करीब छह करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए और पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि गुवाहाटी शहर में विशेष कार्य बल (एसटीएफ) के कर्मियों ने शुक्रवार रात पलटन बाजार में एक होटल में छापेमारी कर 416 ग्राम हेरोइन जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत 2.75 करोड़ रुपये है। शर्मा ने कहा कि होटल से चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। मुख्यमंत्री ने बताया कि शुक्रवार रात को नगांव जिले में एक अन्य अभियान के दौरान 3.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के मादक पदार्थ जब्त किया गया। उन्होंने बताया कि इस मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नगांव पुलिस ने एक वाहन को रोका और गहन तलाशी के बाद 532.46 ग्राम हेरोइन बरामद की। उन्होंने बताया कि जब्त किए गए मादक पदार्थ की कीमत 3.5 करोड़ रुपये है। मुख्यमंत्री ने इस कार्य के लिए असम पुलिस की सराहना की।

निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को मिल सकती हैं राहत

रांची (एजेंसी)। निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को राहत मिल सकती है। दरअसल झारखंड की सोरेन सरकार उनके निलंबन को वापस लेने की तैयारी में है। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तारी के बाद उन्हें निलंबित किया गया था। ईडी ने उन्हें मई 2022 में गिरफ्तार किया था। 28 महीने बाद दिसंबर 2024 में पूजा को जमानत मिली। अब कार्मिक विभाग ने उनकी फाइल मुख्य सचिव अलका तिवारी की अध्यक्षता वाली कमेटी को दी गई है। कमेटी की सिफारिश और मुख्यमंत्री की मंजूरी के बाद ही निलंबन वापस होगा। पूजा सिंघल 2000 बैच की आईएएस अधिकारी हैं।

पूजा पर मनरेगा घोटाले का आरोप है। घोटाला उनके खूंटी जिले में डीसी रहने के दौरान हुआ था। ईडी की जांच में उनके सहयोगी सीए सुमन कुमार के पास से 19 करोड़ रुपये मिले थे। इसके बाद ईडी ने पूजा सिंघल को गिरफ्तार कर लिया था। गिरफ्तारी के बाद झारखंड सरकार ने उन्हें तुरंत निलंबित किया था। निलंबन से पहले वह उद्योग सचिव, खान एवं भूतत्व विभाग की सचिव और झारखंड राज्य खनिज विकास निगम लिमिटेड की प्रबंध निदेशक थीं। मुख्यमंत्री की सहमति के बाद अगले ही दिन निलंबन का आदेश जारी हुआ था।

पूजा को करीब 28 महीने जेल में गुजराना पड़ा। 7 दिसंबर 2024 को रांची की पीएमएलए कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। जेल से रिहाई के बाद अब उनके निलंबन को हटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। कार्मिक विभाग ने संबंधित फाइल कमेटी को भेज दी है। यह कमेटी मुख्य सचिव तिवारी की अध्यक्षता में गठित है। कमेटी पूरे मामले की समीक्षा करेगी। अगर कमेटी पूजा के निलंबन को वापस लेने की सिफारिश करती है, तब इस सिफारिश को मुख्यमंत्री के पास भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री की सहमति मिलने के बाद ही निलंबन वापस लिया जा सकेगा।

कांग्रेस को अपना इतिहास याद रखना जरूरी... जेपी नड्डा का राहुल गांधी का वार

नई दिल्ली (एजेंसी)। राहुल गांधी ने निगमबोध घाट पर मनमोहन सिंह का अंतिम संस्कार करने के लिए केंद्र सरकार पर हमला किया और कहा कि पूर्व वित्त मंत्री सर्वोच्च सम्मान और स्मारक के पात्र हैं। वहीं, भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि यह सचमुच बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और वर्तमान अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के दुखद निधन पर भी राजनीति करने से बाज नहीं आ रहे हैं।

नड्डा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह को जीते जी कभी सम्मान न देने वाली कांग्रेस अब उनके सम्मान के नाम पर राजनीति कर रही है। यह वही कांग्रेस है जिसने सोनिया गांधी को पीएम मनमोहन सिंह से ऊपर सुपर पीएम बनाकर पीएम पद की गरिमा को तार-तार कर दिया था। राहुल गांधी ने अध्यादेश फाड़कर पीएम मनमोहन सिंह का अपमान किया। और आज वही राहुल गांधी राजनीति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार ने देश के किसी भी बड़े नेता को न तो सम्मान दिया और न ही उनके साथ न्याय किया।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि चाहे वो कांग्रेस पार्टी के हों या विपक्ष के, चाहे वो बाबा साहब अंबेडकर हों, देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र बाबू हों, सरदार पटेल हों, लाल बहादुर शास्त्री हों, पीवी नरसिम्हा राव हों, प्रणब दा हों, अटल बिहारी वाजपेयी हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने पीएम मनमोहन सिंह की समाधि के लिए जगह दे दी है और परिवार को भी सूचित कर दिया है। फिर भी कांग्रेस झूठी खबरें फैला रही है। कांग्रेस का इतिहास याद रखना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री पीवी नरसिम्हा राव की मृत्यु के बाद दिल्ली के राजघाट परिसर में समाधि स्थल बनाने की मांग उठी थी। लेकिन उस समय सोनिया गांधी ने इसे खारिज कर दिया था। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे जिन्होंने 2015 में उनके लिए एक स्मारक की स्थापना की थी। जब 2020 में पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न डॉ प्रणब मुखर्जी का निधन हो गया, तो कांग्रेस कार्य समिति को इसकी परवाह तक नहीं हुई शोक सभा बुलाने के लिए। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे और अन्य कांग्रेस पार्टी के नेताओं को ऐसी घटिया राजनीति से बचना चाहिए।

बीपीएससी अभ्यर्थियों हुए लाठीचार्ज का दिल्ली में भी छात्र संगठन ने किया विरोध

नई दिल्ली। बीपीएससी अभ्यर्थियों का मुद्दा अब दिल्ली पहुंच गया। पटना में हुए अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज के विरोध में दिल्ली में छात्र संगठनों ने भी प्रदर्शन किया। दिल्ली के बिहार भवन के बाहर अभ्यर्थियों पर लाठीचार्ज के विरोध में स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया ने विरोध प्रदर्शन किया। विरोध में प्रदर्शनकारी सरकार के खिलाफ नारे लगा रहे थे और पोस्टर हाथ में लिए हुए थे। हालांकि ये विरोध प्रशासन को बिना सूचना दिए किया जा रहा था, ऐसे में दिल्ली पुलिस ने विरोध कर रहे छात्रों को गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा आयोजित एकीकृत संयुक्त (प्रारंभिक) प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) को लेकर पटना में भी सियासी गहमागहमी जारी है, जहां नेता छात्रों के समर्थन में उतर रहे हैं। तेजस्वी यादव और प्रशांत किशोर की पार्टी ने भी छात्रों को समर्थन दिया है। विरोध कर रहे अभ्यर्थी बीपीएससी द्वारा आयोजित एकीकृत संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (सीसीई) 2024 को रद्द करने की मांग कर रहे हैं। पटना में अभ्यर्थियों को विरोध के दौरान स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को बल का प्रयोग करना पड़ा था।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान सीमा ही नहीं देश के अंदर भी है युद्ध जारी

* कुछ ही घंटों में हुए अनेक आत्मघाती हमले

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान सीमा पर छिड़ी जंग के अतिरिक्त इन देशों के भतरी क्षेत्रों में भी जंग के हालात बने हुए हैं। दरअसल विगत 24 घंटे के अंतराल में तालिबान के आंतरिक मंत्रालय में हुए विस्फोट में कम से कम 10 लड़ाकों के मारे जाने की खबर है। दूसरी तरफ पाकिस्तान के खिलाफ खैबर पख्तूनूर समेत 3 सैनिक चौकियों पर आत्मघाती हमले हुए हैं, जिसमें एक दर्जन से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिकों की मौत होने की खबर है।

अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सेनाएं सीमा पर तो एक दूसरे पर लगातार हमले कर रही रही हैं, वहीं दूसरी तरफ दोनों देशों ने एक दूसरे के देश के भीतर मौजूद अपने आतंकी संगठनों को भी एक्टिव कर दिया है। इसके चलते दोनों देशों के अंदर आत्मघाती हमले होने की खबरें आ रही हैं। यहां बताते चलें कि शनिवार को तालिबान के आंतरिक मंत्रालय के करीब हुए आत्मघाती हमले में 10 से ज्यादा तालिबान लड़ाकों की मौत हुई थी। हमले की जिम्मेदारी नेशनल रेजिस्टेंस फ्रंट आफ अफगानिस्तान द्वारा ली गई है। वहीं एक दावे के अनुसार इस हमले में आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट खोरासान प्रोविंस भी शामिल था।

इससे हटकर पाकिस्तान के अंदर भी आतंकी संगठनों ने बीते कुछ घंटों में पाकिस्तान सेना की तीन सैनिक शिविरों पर आत्मघाती हमले किए। इन हमलों में तहरीके तालिबान पाकिस्तान संगठन के शामिल होने के दावे किए जा रहे है। इनमें से एक हमला टोंक स्थित सैनिक शिविर पर किया गया था, जिसमें 100 किलो से अधिक भारी विस्फोटक से भरी कार को सैन्य शिविर के गेट के पास उड़ा दिया गया। इस आत्मघाती हमले में 03 सैनिकों की मौत हो गई, जबकि 19 से ज्यादा सैनिक घायल हुए हैं। दो अन्य सैन्य शिविरों में भी हमले हुए हैं, जिनमें एक दर्जन से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक मारे गए हैं। इस प्रकार दोनों ही देशों की सीमा के साथ ही अंदर भी युद्ध की स्थिति निर्मित हो गई है।

दिग्विजय को वकील ने भेजा नोटिस, माफी मांगे और 10 करोड़ रुपए मानहानि के मुआवजे के तौर पर दें

भोपाल (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के वकील संजय श्रीवास्तव ने मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह को कानूनी नोटिस भेजा है। वकील श्रीवास्तव ने अपने नोटिस में कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह से माफी मांगने और 10 करोड़ रुपए मानहानि पर मुआवजे के तौर पर देने को कहा है। एक माह के भीतर ऐसा नहीं करने पर सिंह के खिलाफ आपराधिक और दीवानी मुकदमा कोर्ट में दर्ज होगा।

दरअसल, दिग्विजय को यह नोटिस 24 दिसंबर उनकी ओर से पीएम नरेंद्र मोदी को लिखे गए पत्र के मामले में दिया है। इसमें कहा गया है कि पूर्व सीएम दिग्विजय ने अपने बयानों और पीएम को लिखे पत्र के जरिए उनके ग्राहक गोविंद सिंह राजपूत पर व्यक्तिगत और पेशेवर प्रतिष्ठा पर हमला किया है।

दरअसल दिग्विजय ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कहा है कि सौरभ शर्मा नाम के जिस पूर्व आरक्षक पर करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार का मामला दर्ज है, उस सागर निवासी पूर्व परिवहन मंत्री का सीधा संरक्षण प्राप्त था। मुझे जानकारी है कि सौरभ पूर्व परिवहन मंत्री के परिवार के सदस्य की तरह बंगले पर बैठता था। जहां वकील साहब के नाम से मशहूर श्रीवास्तव के साथ बैठकर पूरे प्रदेश में परिवहन विभाग के करोड़ों रुपए के लेन-देन का हिसाब किताब देखता था। दिग्विजय ने पत्र में लिखा था परिवहन मंत्री के चहेते और कमाऊ पूत बने सौरभ ने संजय श्रीवास्तव, आरटीआई वीरेश तुमराम, पूर्व आरटीआई दशरथ सिंह पटेल के साथ मिलकर पूरे प्रदेश में संचालित आरटीओ बेरियर पर वसूली का ठेका ले लिया। ये वसूली गैंग मंत्री के सीधे नियंत्रण में अफसरों के ट्रांसफर और पोस्टिंग करते थे। इनके विश्वासपात्र निजी कटर चेकपोस्ट पर उगाही करके हिसाब अपने आकाओं तक पहुंचायां करते थे।

दिग्विजय ने आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ के पास मिली संपत्ति को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा था। इसमें मांग की थी कि इस केस से लोकायुक्त को हटाया जाए और केस की जांच ईडी और आयकर विभाग को सौंपी जाए। दिग्विजय सिंह ने आरोप लगाए कि पता लगाना चाहिए कि पैसा किसका है? कहां से आया और कहां गया। उन्होंने पूरी जांच मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस की निगरानी में करने की बात कही है।

दिग्विजय ने कहा था कि प्रदेश के इतिहास में इतना बड़ा भ्रष्टाचार कभी देखने को नहीं मिला। जंगल में खड़ी कार से 52 किलो सोना, 200 किलो चांदी की सिल्लियां मिली हैं।

कोचिंग नगरी कोटा में छात्रों के आत्महत्या से जुड़े मामलों में 50 फीसदी की गिरावट

* जिला प्रशासन ने कहा, कोशिशें रंग लाती दिख रही

कोटा (एजेंसी)। कोचिंग नगरी कोटा में छात्रों के आत्महत्या से जुड़े मामलों में 50 फीसदी की गिरावट आई है। यह जानकारी कोटा जिला प्रशासन ने दी है। प्रशासन की ओर से दावा किया गया है कि आईआईटी-जेईई प्रवेश परीक्षाओं के लिए छात्रों को तैयार करने के लिए मशहूर राजस्थान के कोचिंग हब में 2023 की तुलना में इस साल छात्रों द्वारा आत्महत्या की संख्या में 50 फीसदी की कमी आई है। हालांकि, अधिकारियों ने संख्याओं का कोई विशिष्ट विवरण नहीं दिया है।

कोटा के कलेक्टर रवींद्र गोस्वामी ने बताया कि पिछले साल की तुलना में इस साल कोचिंग छात्रों के बीच आत्महत्या की दर में कमी आई है, यह हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है, और हमें उम्मीद है कि यह प्रवृत्ति भविष्य में भी जारी रहेगी। रिपोर्ट के मुताबिक कोटा में 2024 में कोचिंग छात्रों द्वारा आत्महत्या के 17 मामले सामने आए हैं। जबकि 2023 में इसतरह के 26 मामले सामने आए थे। कलेक्टर गोस्वामी के मुताबिक आत्महत्या के मामलों में कमी का कारण जिला प्रशासन की निगरानी में कोचिंग संस्थानों और छात्रावासों के लिए दिशा-निर्देशों का कड़ाई से लागू करना है। डब्ल्यूएचओ मानदंडों के आधार पर छात्रावास वार्डन के लिए गेट-कीपर प्रशिक्षण और एसओएस हेल्प सेवाओं के कार्यान्वयन ने भी आत्महत्या के मामलों में कमी लाने में योगदान दिया है।

गोस्वामी ने कहा कि 'डिनर विद कलेक्टर' और 'संवाद' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से कोचिंग छात्रों के साथ नियमित संवादात्मक सत्र, साथ ही महिलाओं की सुरक्षा और लड़कियों की सुरक्षा के लिए कालिका दस्ते की तैनाती ने बदलाव में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। जिला कलेक्टर ने कहा कि उन्होंने इस साल 'डिनर विद कलेक्टर' और 'संवाद' जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से 25,000 से अधिक कोचिंग छात्रों के साथ बातचीत की, जहां छात्रों की समस्याओं को सुना गया।

कोटा में छात्रों की संख्या इस वर्ष 85,000 से 1 लाख तक घट गई है, जो सामान्यतः 2-2.5 लाख होती है। गोस्वामी ने 'कोटा केयर्स' नामक कार्यक्रम के शुभारंभ का भी उल्लेख किया, जो कोचिंग छात्रों की भलाई और सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है।